@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 29 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 259 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'ऑपरेशन महादेव' के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, तीन आतंकी ढेर,मारा गया पहलगाम हमले में शामिल मूसा सुलेमानी

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के लिडवास इलाके में सोमवार को सुरक्षाबलों को आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। सेना के जवानों ने 'ऑपरेशन महादेव' के तहत तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। यह मुठभेड़ लिडवास में हुई, जहां सेना ने आतंकियों की घेराबंदी कर उन्हें मार गिराया। ऑपरेशन के संबंध में सेना की चिनार कॉर्प्स ने अपने एक्स हैंडल पर जानकारी साझा की। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ऑपरेशन महादेव- लिडवास इलाके में आतंकियों से संपर्क स्थापित हुआ है और ऑपरेशन जारी है।

इसके कुछ समय बाद एक अन्य पोस्ट में चिनार कॉर्प्स ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया है और ऑपरेशन अभी भी जारी है। सेना के अधिकारियों के अनुसार, खुफिया

> यह मुठभेड़ लिडवास में हुई, जहां सेना ने आतंकियों की घेराबंदी कर उन्हें मार गिराया। ऑपरेशन के संबंध में सेना की चिनार कॉर्प्स ने अपने एक्स हैंडल पर जानकारी साझा की।

सूचना के आधार पर लिडवास इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई, जो कई घंटों तक चली। मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराने में सुरक्षाबलों को सफलता मिली। इलाके में फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है। 'ऑपरेशन महादेव' को हाल के समय में घाटी में आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ी रणनीतिक सफलता माना जा रहा है। यह ऑपरेशन इस बात का संकेत है कि सेना और अन्य सुरक्षाबल आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी मुस्तैदी और सटीक रणनीति के साथ जुटे हुए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में पाकिस्तान समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद से आतंकवाद-रोधी अभियान आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और मानव खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं।

पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले ने पूरे देश को आक्रोशित कर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के भीतर आतंकी ढांचे पर लक्षित हमले किए और नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में 'श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन अध्यादेश 2025' को चुनौती, ष्टछ्वढ्ढ करेंगे सुनवाई बेंच का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । मथुरा के वृंदावन में स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति ने यूपी सरकार के अध्यादेश 'श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025' को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में बताया गया कि इससे जुड़ी एक और याचिका दूसरी बेंच में लंबित है। इसके चलते कोर्ट ने मामले को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के समक्ष भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीजेआई अब यह तय करेंगे कि इस मामले की सुनवाई कौन सी बेंच करेगी। दरअसल, श्री बांके बिहारी मंदिर के वर्तमान प्रबंधन ने उत्तर प्रदेश सरकार के 'श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025' की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अध्यादेश के तहत मंदिर का प्रशासनिक नियंत्रण एक नवगठित ट्रस्ट को सौंपा गया है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया है। याचिका में कहा गया है कि यह मंदिर के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। मंदिर राज्य की संपत्ति या ट्रस्ट नहीं है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि श्री बांके बिहारी मंदिर एक निजी धार्मिक संस्थान है, जो स्वामी हरिदास के वंशजों और लगभग 360 सेवायतों द्वारा संचालित होता रहा है। 1939 में बनाई गई प्रबंधन योजना के तहत मंदिर का संचालन होता है, जिसका यह अध्यादेश उल्लंघन करता है। इस प्रबंधन अधिग्रहण को इलाहाबाद हाई में भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि अध्यादेश जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। राज्य द्वारा प्रबंधन और नियंत्रण अपने हाथ में लेने के लिए कोई कारण नहीं दिया गया।

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी मामला: मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली । मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए विवादित बयान पर सर्वोच्च अदालत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मंत्री विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि आप हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि मंत्री विजय शाह की मंशा पर अदालत को शक है। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि क्या विजय शाह ने अब तक अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। कोर्ट ने एसआईटी (विशेष जांच टीम) से पूछा कि आखिर विजय शाह के बयान से जिन लोगों की भावनाएं आहत हुईं, उनके बयान अब तक क्यों नहीं लिए गए? एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान अब तक 27 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और वायरल वीडियो क्लिप की जांच भी की जा चुकी है। एसआईटी ने कहा कि वह फिलहाल सभी रिकॉर्ड का विश्लेषण कर रही है और जांच रिपोर्ट को 13 अगस्त तक अंतिम रूप दिया जाएगा। एसआईटी के इस जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी है। इस मामले में कोर्ट अब 18 अगस्त को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एसआईटी के एक सदस्य को स्टेटस रिपोर्ट के साथ 18 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा। बता दें कि इंदौर जिले के एक ग्रामीण क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कुरैशी का नाम लिए बिना विवादित बयान दिया था। शाह ने कर्नल कुरैशी की ओर इशारा करते हुए कहा था, जिन लोगों ने हमारी बेटियों को विधवा बनाया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद मंत्री कुंवर विजय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक मिनट 13 सेकंड का वीडियो जारी कर कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी थी।

महाराष्ट्र के पुणे में धर्म परिवर्तन करा रहे अमेरिकन नागरिक सहित तीन गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिला स्थित पिंपरी चिंचवड़ में जबरन धर्म परिवर्तन करवाने वाले अमेरिकन नागरिक सहित तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पिंपरी पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पिंपरी कैंप स्थित वैष्णो देवी मंदिर के पास रहने वाले शिकायतकर्ता सनी बंसीलाल दानानी (27) की शिकायत के आधार पर पिंपरी पुलिस ने धर्म परिवर्तन के प्रयास का मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता के अनुसार उस पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया जा रहा था। मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए उसे कहा गया था कि अगर तुम ईसा मसीह को भगवान मानोगे, तो तुम्हें सुख, शांति, धन और मानसिक स्वास्थ्य मिलेगा। बाकी सभी भगवान और धर्म सिर्फ़ कहानियाँ हैं। इसके अलावा, धर्म परिवर्तन करने पर भविष्य में आर्थिक मदद का वादा करके उनकी धार्मिक मान्यताओं का अपमान किया गया।

सिख छात्रा से धर्म छुड़वाने की कोशिश, परीक्षा से निकाल दिया

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

जयपुर, 28 जुलाई। राजस्थान के जयपुर स्थित पूर्णिमा विश्वविद्यालय में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पंजाब से आई एक सिख छात्रा को न्यायिक सेवा (PCS-J) परीक्षा में केवल उसकी धार्मिक पहचान के चलते बैठने से रोक दिया गया। छात्रा जो इस महत्वपूर्ण परीक्षा में शामिल होने के लिए जयपुर पहुंची थी, को कथित रूप से उसके ककार पहनने की वजह से परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। छात्रा के अनुसार, परीक्षा केंद्र के गेट पर सुरक्षा कर्मियों ने उससे उसकी धार्मिक वस्तुएं — करा और कृपाण — उतारने को कहा, लेकिन छात्रा ने अपने धार्मिक अधिकारों और आस्था का हवाला देते हुए ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया। इस कारण उसे परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिला और वह परीक्षा में शामिल नहीं हो सकी। छात्रा ने इस अपमानजनक और भेदभावपूर्ण व्यवहार की वीडियो रिकॉर्डिंग की और मौके से ही शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) को ईमेल के जरिए भेज दी। SGPC ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का घोर उल्लंघन बताया है। SGPC अधिकारियों ने कहा कि एक सिख से उसके ककार उतरवाना सिख पहचान पर सीधा हमला है। इस घटना से पंजाब ही नहीं, पूरे भारत और दुनिया भर की सिख कौम में भारी आक्रोश फैल गया है। पंजाब की सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने राजस्थान के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आल इंडिया सिख कांफ्रेंस(बब्बर) के अध्यक्ष

सरदार गुरचरण सिंह बब्बर ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से सीधे हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने कहा यह केवल एक छात्रा की बात नहीं है, यह पूरे सिख धर्म पर हमला है। राजस्थान सरकार को जवाबदेह ठहराया जाए और दोषियों को सज़ा दी जाए। प्रधानमंत्री इस मामले में तुरंत कदम उठाएं। बब्बर ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों से ऐसे ही कई मामले सामने आ चुके हैं जहाँ सिख छात्रों से उनके धार्मिक प्रतीक जबरन उतरवाए गए। अगर समय रहते इस सिलसिले को नहीं रोका गया तो यह सामाजिक सौहार्द्र को तोड़ देगा और नफरत फैलाएगा, उन्होंने चेतावनी दी। आल इंडिया सिख कांफ्रेंस(बब्बर) ने इस मामले को सिख धर्म की अस्मिता और सम्मान की लड़ाई बताया। बब्बर ने कहा सिखों ने न कभी मुगलों से डरे, न अंग्रेज़ों से। नादिरशाह जैसे तानाशाह भी सिखों को झुका नहीं सके। सिखों ने धर्म के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, लेकिन धर्म नहीं छोड़ा। गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों बेटों ने भी शहीदी को स्वीकार किया पर धर्म से पीछे नहीं हटे। उन्होंने संघ परिवार को भी इस मामले में चेताया और कहा सिखों से उनके ककार उतरवाना, धर्म छीनने के बराबर है। यह जबरन धर्म परिवर्तन जैसा है। सिख कौम अपना धर्म बचाने के लिए हर बलिदान देने को तैयार है। इस मामले ने अब राष्ट्रीय मुद्दे का रूप ले लिया है। सिख संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि राजस्थान सरकार ने तुरंत माफी मांगकर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। देश-विदेश में सिख समुदाय ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते तो फिर पाकिस्तान से क्रिकेट मैच क्यों ? ओवैसी

नई दिल्ली, 28 जुलाइ। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान ओवैसी ने कहा कि सेना ने बहादुरी से पाकिस्तान को जवाब दिया। सेना ने शौर्य दिखाया। हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता तो फिर पाकिस्तान से हम क्रिकेट मैच क्यों खेलने जा रहे हैं। मुझसे तो यह बर्दाश्त ही नहीं हो रहा है। ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। आपने व्यापार बंद कर दिया है। तो अब आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच क्यों खेलने जा रहे हैं? यह बेहद निंदनीय है। ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना ने जवाब दिया। जवाबदेही तय होनी चाहिए। सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक की फिर भी पहलगाम हुआ? पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आने वाला, आप तैयारी कर लीजिए। उसे एफएटीएफ की ग्रे सूची में लाया जाना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति पाकिस्तान के सेना प्रमुख को आमंत्रित करते हैं। उसके साथ भोजन करते हैं, जिसके नफरती भाषण के बाद हमारे लोग मारे गए। व्हाइट हाउस में बैठा एक गोरा भारत के युद्धविराम की घोषणा करेगा? क्या यही आपका राष्ट्रवाद है? सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, क्या आपकी अंतरात्मा आपको पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवार वालों से भारत और पाकिस्तान का क्रिकेट मैच देखने के लिए कहने की इजाजत देती है? हम पाकिस्तान का 80त्न पानी रोक रहे हैं, ये कहते हुए कि पानी और खून साथ-साथ नहीं बहेंगे।

परियोजना का बचा कार्य शीघ्र शुरू होगा: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली 28 जुलाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को वित्त व्यय समिति की बैठक में निर्माणाधीन बारापूला ऐलिवेटेड रोड, फेज-ढ्ढढ्ढ की समीक्षा की गई और निर्माण में बरती गई अनियमितताओं और ठेकेदार कंपनी को 175 करोड़ का भुगतान करने की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में इस परियोजना को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की लापरवाही पर भी चर्चा हुई और विभिन्न कारणों से इस परियोजना में देरी होने पर चिंता जताई गई। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उनका कहना है कि धनराशि का भुगतान इसलिए किया गया, क्योंकि पूर्व सरकार ने कंपनी को कार्य नहीं करने दिया था। परियोजना का यह ऐलिवेटेड रोड बारापूला नाले से शुरू होगा और सराय काले खां होते हुए मयूर विहार फेज-ढ्ढढ्ढ तक पहुंचेगा। इस उच्चस्तरीय बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह के अलावा संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि इस परियोजना शीघ्र ही गति पकड़ लेगी, क्योंकि परियोजना के मार्ग के आने वाले पेड़ों को हटाने का अनुमति जल्द मिलने वाली है। इसके बाद यह परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इस प्रोजेक्ट में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। सरकार इस परियोजना के लिए बजट की कमी नहीं आने देगी। परियोजना के पूरा होने से दक्षिणी दिल्ली व पूर्वी दिल्ली के बीच ट्रैफिक का आवागमन सुचारू हो जाए। बैठक में बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि यह

प्रोजेक्ट भी पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को अक्तूबर 2017 में पूरा हो जाना था। लेकिन विभिन्न कारणों से यह परियोजना पिछड़ती गई। मामला आब्रिट्रेशन (मध्यस्थता) में चला गया, जहां से ठेकेदार कंपनी के पक्ष में फैसला आया और उसे 120 करोड़ रुपये अदा करने का आदेश दिया गया। लेकिन जब कंपनी को यह राशि अदा नहीं की गई तो वह हाई कोर्ट में चली गई। मई 2023 में कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी को ब्याज व जीएसटी समेत 175 करोड़ रुपये अदा करने का आदेश दिया। यह राशि कंपनी को अदा कर दी गई। उस दौरान आम आदमी पार्टी सरकार में श्रीमती आतिशी पीडब्ल्यूडी मंत्री थी। मुख्यमंत्री के अनुसार पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का आलम यह था कि उसने कोर्ट में पुनर्विचार याचिका भी दायर नहीं की और न ही अफसरों के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई। उस दौरान इस राशि को कंपनी को अदा करने के कारण पीडब्ल्यूडी की अन्य योजनाएं भी प्रभावित हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनी को यह राशि इसलिए दी गई, क्योंकि आम आदमी पार्टी सरकार ने उसे कार्य ही नहीं करने दिया। मुख्यमंत्री के अनुसार जांच से यह भी पता चला है कि उस दौरान ठेकेदार कंपनी चाहती थी कि उसे 35 करोड़ रुपये ही मिल जाए तो वह विवाद को आगे नहीं बढ़ाएगी, लेकिन उसे यह राशि अदा नहीं की गई, जिसके बाद विवाद हाई कोर्ट तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अनियमितता में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के भी संलिप्त होने की संभावना हैं। सतर्कता जांच में उनके कार्यकलापों की भी जांच कराने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जांच में परियोजना किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होगी और इसे तय समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

बिहार में एनआईआर के जरिए वोटिंग का अधिकार छीनने की साजिश : खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। सोमवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने इस मुद्दे पर संसद परिसर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडी अलायंस के कई बड़े नेता और सांसद शामिल हुए।यह विरोध-प्रदर्शन संसद के मकर द्वार के पास आयोजित किया गया, जहां विपक्षी नेता एक बड़ा बैनर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बैनर पर लिखा था- 'एसआईआर- अटैक ऑन डेमोक्रेसी'। यानी एसआईआर लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है। केंद्र सरकार लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने एसआईआर के खिलाफ नारे लगाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एकतरफा और पक्षपातपूर्ण तरीके से किया जा रहा है, जिससे निष्पक्ष चुनाव की प्रक्रिया

प्रभावित हो सकती है। विपक्षी सांसदों ने यह भी मांग की कि एसआईआर जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा कराई जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विरोध-प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो शेयर करते हुए खड़गे ने पोस्ट में लिखा, संसद में इंडी गठबंधन जनता के अधिकारों की आवाज उठाता रहेगा। पूरे देश में एसआईआर लागू करवाकर एक साजिश के तहत कमजोर वर्गों से वोटिंग का अधिकार छीनना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र और संविधान पर हम आरएसएस-भाजपा की मनुवादी मानसिकता हावी नहीं होने देंगे।

उल्लेखनीय है कि एसआईआर को लेकर जारी सियासी संग्राम के बीच विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए एक वैध और जरूरी कदम है। आयोग के हलफनामे के अनुसार, इस प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के 1.5 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंटों को शामिल किया गया था।

गाजा में भूख से रोते-रोते मर गई मासूमः जन्म से भी कम रह गया था वजन

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में भुखमरी से हालात विकट हो गए हैं। बच्चे भूख से तड़प-तड़प कर मर रहे हैं, और वयस्कों को रोजाना भूख मिटाने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। ऐसी ही एक कहानी है पांच महीने की बच्ची जैनब अबू हलीब की, जिसने भूख के चलते रो-रोकर दम तोड़ दिया। मां एसरा अबू हलीब ने अपनी पांच महीने की बेटी को आखिरी बार चूमा और रो पड़ी। बच्ची का वजन अब उसके जन्म के समय से भी कम रह गया था। इस बच्ची की मौत ने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया है।

गाजा की एक धूप वाली सड़क पर, जैनब की छोटी सी लाश 21 महीने के युद्ध और खाने की चीजों पर इस्राइली रोक के बाद हुई एक और भूख से मौत का उदाहरण बन गई। बच्ची को शुक्रवार को गाजा के नासिर अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक वह मर चुकी थी। एक कर्मचारी ने उसकी मिकी माउस वाली शर्ट हटाकर उसकी खुली आंखों पर रख दी। उसकी पतली टांगें और उभरी हुई हड्डियां देखकर साफ लग रहा था कि वह बहुत कुपोषित थी।

तीन किलो से ज्यादा था जैनब के जन्म का वजन : बच्ची की मां एसरा ने बताया कि जैनब का जन्म का वजन 3 किलो से ज्यादा था, लेकिन जब उसकी मौत हुई, तब उसका वजन 2 किलो से भी कम रह गया था। बच्ची को एक सफेद चादर में लपेटकर दफनाने की तैयारी की गई। उसके लिए नमाज पढ़ी गई और अल्लाह से दुआ की गई।

अब तक 85 बच्चों ने भूख और कुपोषण से तोड़ा दम : गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युद्ध के दौरान अब तक 85 बच्चे भूख और कुपोषण से मारे गए हैं। कुल मिलाकर 127 लोगों की मौत भूख से जुड़ी बीमारियों से हो चुकी है। जैनब के पिता ने कहा कि उनकी बेटी को एक खास दूध (शिशु फॉर्मूला) की जरूरत थी, जो गाजा में नहीं मिल रहा था। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची को गाय के दूध से एलर्जी थी और इसलिए उसे एक खास प्रकार के दूध की जरूरत थी। उस दूध की कमी से बच्ची को दस्त, उल्टी और संक्रमण हो गया। वह कुछ भी निगल नहीं पा रही थी और बहुत कमजोर हो गई थी।

6 हफ्ते तक ही जैनब को स्तनपान करा पाई मां : जैनब का परिवार एक तंबू में रहता था, क्योंकि वे भी युद्ध के कारण अपने घर से बेघर हो गए थे। उसकी मां एसरा भी भूख और कमजोरी से पीड़ित है। एसरा ने बताया कि वे जैनब को सिर्फ 6 हफ्ते तक ही स्तनपान करा पाई, उसके बाद उसे फॉर्मूला दूध देना जरूरी हो गया था। मां ने कहा, मेरी बेटी के बाद और भी बच्चे मरेंगे। हम और हमारे बच्चे बस एक गिनती बनकर रह गए हैं। कोई हमारी परवाह नहीं करता। अब ज्यादा कुपोषित बच्चे पहुंच रहे अस्पताल अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि अब बहुत ज्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार होकर अस्पताल आ रहे हैं। एक छोटे से विभाग में जहां सिर्फ 8 बिस्तर हैं, वहां 60 से ज्यादा बच्चे भर्ती हैं। जमीन पर भी गद्दे बिछाकर इलाज किया जा रहा है। एक और क्लिनिक में हर हफ्ते लगभग 40 कुपोषित बच्चों को लाया जा रहा है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जब तक इस्राइल खाने और दवाइयों को गाजा में आने की अनुमति नहीं देगा, तब तक और ज्यादा मौतें होती रहेंगी। गाजा में डॉक्टर और राहतकर्मी इस्राइल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं। खाने की कमी से गाजा में अकाल जैसे हालत बन गए हैं। गाजा को हर दिन 500-600 ट्रकों की जरूरत मार्च में जब युद्धविराम खत्म हुआ, तब इस्राइल ने करीब ढाई महीने तक गाजा में खाना, दवाई और ईंधन की सप्लाई बंद कर दी थी, ताकि हमास पर दबाव डाला जा सके। बाद में मई में, अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद थोड़ी राहत दी गई। इस्राइल का कहना है कि उसने मई से अब तक 4,500 ट्रकों को गाजा में आने दिया है, जिनमें 2,500 टन शिशु आहार भी शामिल था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा को हर दिन 500 से 600 ट्रकों की जरूरत है, जबकि अब सिर्फ 69 ट्रक आ पा रहे हैं।

भूखमरी से जूझते गाजा के लिए इस्राइली सेना ने 3 इलाकों में फायरिंग रोकने का किया एलान

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच इस्राइली सेना ने रविवार को घोषणा की कि वह

गाजा के तीन प्रमुख इलाकों में सामरिक विराम (टैक्टिकल पॉज) लागू करेगी। इस कदम का उद्देश्य इलाके में तेजी से फैल रही भूख और मानवीय संकट को कुछ हद तक कम करना है। सेना ने कहा कि मुवासी, दीर अल-बलह और गाजा सिटी में हर दिन सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी। यह रोक अगली सूचना तक लागू रहेगी। इन इलाकों को इसलिए चुना गया है क्योंकि यहां राहत सामग्री पहुंचाने में लगातार दिक्कतें आ रही थीं और आबादी तेजी से खाद्य संकट से जूझ रही है। राहत सामग्री के लिए बनाए जाएंगे सुरक्षित रास्ते इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि वह अब इन इलाकों में सुरक्षित मार्ग तय करेगी ताकि राहत एजेंसियां भोजन और अन्य जरूरी सामान जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा सकें। सेना का कहना है कि इससे विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफआई), रेड क्रॉस और अन्य एजेंसियों की मदद आसान होगी। संयुक्त राष्ट्र और एनजीओ ने जताई चिंता इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र और कई गैर-सरकारी संगठनों ने चेताया है कि गाजा में लाखों लोग कुपोषण और भूख का सामना कर रहे हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन संगठनों का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं पहुंचाई गई, तो यह एक बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है। भूख के साथ सुरक्षा भी बनी चुनौती हालांकि, राहत एजेंसियों का कहना है कि भोजन पहुंचाने के लिए केवल फायरिंग रोकना काफी नहीं है। गाजा के अंदर कई जगहों पर सुरक्षा की स्थिति अस्थिर है, जिससे सप्लाई चैन लगातार बाधित हो रही है। इसके साथ ही, कई इलाके ऐसे भी हैं जहां तक पहुंचना अब भी लगभग नामुमकिन है।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में गायब हो रहे लोग, छह माह में 752 लापता, 117 लोग मारे गए; सरकारी दमन की खुली पोल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में बलोचों के साथ होने वाले सरकारी दुर्व्यवहार पर बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने एक अर्ध-वार्षिक मानवाधिकार रिपोर्ट (जनवरी-जून 2025) जारी की है। इसमें बलूचिस्तान प्रांत में व्यवस्थित और व्यापक सरकारी दमन को लेकर तथ्य पेश किए गए हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) के मुताबिक, बीवाईसी ने अपनी रिपोर्ट में सिर्फ आंकड़े ही नहीं दिए बल्कि बलोचों की सामूहिक पीड़ा, अन्याय और सांविधानिक सुरक्षा उपायों के पतन का रिकॉर्ड भी पेश किया है। बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलोच ने कहा, रिपोर्ट के निष्कर्ष पीड़ितों के परिवारों, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मानवाधिकार संगठनों की गवाही पर आधारित हैं, जो जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में 752 लोगों को जबरन गायब किया गया। इनमें से 181 को बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि 25 की कथित तौर पर हिरासत में मौत हो गई। 546 व्यक्तियों का ठिकाना अज्ञात है। बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि मकरान क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में लोग गायब हुए, जिनमें फ्रंटियर कोर (एफसी) के कर्मियों को मुख्य अपराधी बताया गया। रिपोर्ट में 117 न्यायेतर हत्याओं में अधिकांश फर्जी मुठभेड़ों और हिरासत में हत्याओं से जुड़ी हुई हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में एक साथ कई सशस्त्र अभियानों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले दिनों एक उच्च पदस्थ अधिकारी समेत कम से कम 23 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों को मार गिराया और खुफिया एजेंसियों से जुड़ी सैन्य सुविधाओं और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने संकेत दिया कि समूह के लड़ाकों ने मस्तुंग, कलात, जमुरान, बुलेदा और क्वेटा जैसे स्थानों पर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया और नुश्की, दलबंदिन और पंजगुर में भी हमले किए।

न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी के छात्रावास में गोलीबारी, वीडियो गेम खेलने को दौरान हुआ झगड़ा; एक की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अल्बुकर्क इलाके में न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी के छात्रावास में शुक्रवार की सुबह गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई है। वहीं 19 वर्षीय एक अन्य छात्र घायल है। गोलीबारी के बाद सैंकड़ों छात्रों को यूनिवर्सिटी परिसर से सुरक्षित निकाला गया और संदिग्ध की तलाश की गई। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद छात्रों को सिर्फ मेस में खाना खाने जाने की इजाजत है और छात्रों को घटनास्थल से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस प्रमुख ट्रॉय वीस्लर ने बताया कि दोपहर लगभग 2:30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। संदिग्ध की पहचान 18 वर्षीय जॉन फ्यूएंटेस के रूप में हुई है। न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस के अनुसार, 18 वर्षीय जॉन फ्यूएंटेस पर प्रथम श्रेणी की हत्या, मारपीट, गंभीर हमले और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। फ्यूएंटेस को बिना जमानत के हिरासत में रखा जाएगा और वह तब तक हिरासत में रहेगा जब तक कि जिला अदालत उसकी रिहाई की शर्तें तय नहीं कर देती। पुलिस अधिकारियों ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जब गोलीबारी शुरू हुई, तब संदिग्ध समेत चार लोग अपने छात्रावास के कमरे में वीडियो गेम खेल रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध ने गोलीबारी की, जिसमें 14 वर्षीय किशोर की गोली लगने से मौत हो गई और बाकी लोग कमरे से भाग गए। एक 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल हुआ है।

रूस और यूक्रेन में हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच रात भर चले हवाई हमलों में दोनों देशों के दो-दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के दक्षिणी नीपर और उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्रों पर रॉकेट और ड्रोन से संयुक्त हमला हुआ। नीपर क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। उधर, रूस में यूक्रेनी ड्रोनों ने रात भर कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। कार्यवाहक गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने कहा, यूक्रेन की सीमा से लगे रोस्तोव क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई।

इस्राइल ने वरिष्ठ हिजबुल्ला कमांडर को मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बिंट जेबिल सेक्टर में हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर अली अब्द अल-कादर इस्माइल को मार गिराया। आईडीएफ ने कहा कि इस्माइल दक्षिणी लेबनान में आतंकवादी संगठन के पुनर्वास के प्रयासों में शामिल था। इस बीच इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ड्रूज समुदाय के आध्यात्मिक नेता शेख मुआफाक तारिफ के घर का दौरा किया और सीरिया में अपने भाइयों की सहायता करने का संकल्प लिया। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, जूलिस गांव का दौरा करते हुए, काट्ज ने कहा कि सेना दक्षिणी सीरिया के ड्रूज समुदाय के लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी।

कमला हैरिस पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप मुकदमा चलाने की कर दी मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर कमला हैरिस पर भड़क उठे हैं। इस बात तो उन्होंने कमला हैरिस के खिलाफ मुकदमा तक चलाने की मांग कर डाली। ट्रंप का कहना है कि कमला हैरिस और कुछ अन्य शीर्ष अमेरिकी सेलेब्स ने 2024 के चुनाव अभियान के दौरान पैसे लिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। इससे चुनावी अभियान के आर्थिक कानूनों का उल्लंघन हुआ है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बारे में लिखा है। गौरतलब है कि इस वक्त ट्रंप खुद एप्सटीन केस को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। इसमें ट्रंप ने आरोप लगाया है कि कमला हैरिस ने गायिका बियॉन्से, टीवी होस्ट ओपरा विन्फ्रे, और सिविल राइट्स एक्टिविस्ट अल शार्पटन जैसे सितारों के समर्थन के बदले लाखों डॉलर खर्च किए। उन्होंने कहा कि यह समर्थन अभियान असली नहीं, थे बल्कि पैसे देकर हासिल किए गए थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि क्या होगा यदि नेता सभी समर्थन करने वालों को पैसे देना शुरू कर दें? उन्होंने लिखा कि कमला और उन सभी ने, जिन्होंने पैसे लिए उन्होंने कानून तोड़ा है। इन सभी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह हमला उस वक्त किया है जब वह खुद जेफ्री एप्सटीन केस फाइल विवाद से घिरे हुए हैं।

टेकऑफ से पहले लैंडिंग गियर में लगी आग, क्रैश होने से बाल-बाल बचा विमान; 179 लोग थे सवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बड़ा विमान हादसे का गवाह बनने से बाल-बाल बचा है। डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया जब अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट एए 3023 के लैंडिंग गियर में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब विमान टेकऑफ की तैयारी ही कर रहा था। विमान में सवार सभी 173 यात्री और 6 क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, एक यात्री को मामूली चोट के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य पांच यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2:45 बजे (अमेरिका के समय के मुताबिक) हुई, जब फ्लाइट एए 3023 डेनवर से मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाली थी। विमान रनवे 34रु पर टेकऑफ की तैयारी में था, तभी लैंडिंग गियर में एक टायर में खराबी सामने आई। इसके कारण उसमें आग लग गई। डेनवर फायर डिपार्टमेंट और एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। सभी यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड्स के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। अमेरिकन एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि की है कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था और उसमें टायर से संबंधित तकनीकी समस्या आई थी।

एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित विमान को सेवा से हटा दिया गया है और पूरी जांच की जाएगी। विमान को गेट सी34 से रवाना होना था और निर्धारित समय दोपहर 1:12 बजे था। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने इसे संभावित लैंडिंग गियर की खराबी के रूप में रिपोर्ट किया है। इस घटना के चलते डेनवर एयरपोर्ट पर दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक ग्राउंड स्टॉप लागू किया गया, जिससे 87 उड़ानों में देरी हुई। हालांकि शाम तक सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो गई थीं। गौरतलब है कि अमेरिकन एयरलाइंस के साथ डेनवर में यह दूसरी बड़ी घटना है। मार्च 2025 में, इसी एयरलाइन के एक अन्य विमान में इंजन में खराबी आने के कारण आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। अमेरिकन एयरलाइंस ने यात्रियों को मियामी ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की, जिसने शाम को उड़ान भरी। अमेरिकन एयरलाइंस ने पुष्टि की कि विमान के टायर में तकनीकी खराबी थी, जिसकी वजह से इसे सर्विस से हटा लिया गया है। इसकी जांच की जा रही है।

मॉल में घुसा शख्स और लोगों पर चलाने लगा चाकू, अमेरिका में दिल दहलाने वाली घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन स्थित वॉलमार्ट मॉल में चौंकाने वाली घटना हुई है। यहां पर एक व्यक्ति ने चाकू मारकर 11 लोगों को घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक इस घटना को 42 वर्षीय व्यक्ति ने अंजाम दिया। वह शाम करीब पौने पांच बजे मॉल में घुसा और अचानक से लोगों पर हमला करने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पर पहुंची और संदिग्ध को दबोच लिया, लेकिन तब तक वह 11 लोगों पर हमले कर चुका था। घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल अमेरिकी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के पीछे हमलावर का मकसद क्या था, यह अभी तक पता नहीं चला है। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का जो विवरण दिया है वह काफी दिल दहलाने वाला है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक व्यक्ति की तो आंखों में चाकू मार दिया गया। मॉल की कर्मचारी ताशा नाश ने चैनल2 को बताया कि वह

चाकू के साथ अंदर आया। देखते ही देखते उसने छह लोगों को चाकू माना। मैंने देखा कि एक व्यक्ति की आंखों में चाकू घुसा हुआ था।

वह लोगों पर हमले कर रहा था, तभी मॉल में मौजूद कुछ लोगों ने बहादुरी दिखाई। उन लोगों ने हमलावर को दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस आई और उसे हिरासत में लिया। हालांकि अभी हमलावर का नाम सामने नहीं आया है। ट्रैवर्स सिटी से लगभग 25 मील दूर ऑनर में रहने वाली 36 वर्षीय टिफनी डेफेल ने बताया कि जब वह पार्किंग स्थल पर थीं तभी उन्होंने अपने आस-पास अफरा-तफरी मची देखी। उन्होंने कहा कि यह वाकई डरावना था। मैं और मेरी बहन बहुत घबरा गए थे। 'मुनसन हेल्थकेयर' ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उत्तरी मिशिगन स्थित इस अस्पताल में 11 लोगों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल की प्रवक्ता मेगन ब्राउन ने बताया कि सभी लोग चाकू लगने से घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात तक छह घायलों की हालत नाजुक थी और पांच की हालत गंभीर थी। मिशिगन राज्य पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। शीया ने बताया कि संदिग्ध संभवतः मिशिगन का निवासी है लेकिन उन्होंने और जानकारी देने से इनकार कर दिया। गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा कि वह जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसी का सहयोग कर रहा है। बयान में कहा गया कि इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है। हमारी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं और हम त्वरित कार्रवाई के लिए बचावकर्मियों के आभारी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के शख्स पर जानलेवा हमला

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को भारतीय मूल के एक नागरिक सौरभ आनंद पर मेलबर्न के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर पांच नाबालिगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों में सौरभ के हाथ से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने बताया कि शाम को फार्मेसी से दवा लेकर लौट रहे थे। इस दौरान एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी पांचों लड़कों ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। एक लड़के ने उनकी जेब टटोली, दूसरे ने उन्हें मुक्कों से पीटा, और तीसरे ने चाकू उनकी गर्दन पर रखा। सौरभ ने बचाव में हाथ उठाया, तो उसी चाकू से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने अस्पताल में बताया कि- मुझे बस दर्द याद है, मेरा हाथ बस एक धागे से लटक रहा था। हमले मे उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर टूटने और सिर में चोटें आई हैं।

अभी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता : राहगीरों ने सौरभ की चीखें सुनीं और इमरजेंसी सर्विस को बुलाया। रॉयल मेलबर्न अस्पताल में सर्जनों ने कई घंटों की सर्जरी के बाद उनके हाथ को जोड़ा, लेकिन शुरू में इसे काटने की बात भी हुई थी। उनकी कलाई और हाथ में स्क्रू डाले गए हैं। सौरभ सीरियस मेडिकल निगरानी में हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अभी उनकी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता। सौरभ ने कहा- मैं अपना हाथ हिला नहीं सकता, बस दर्द महसूस होता है।

हमले के 5 में 4 आरोपी हिरासत में : पुलिस ने पांच में से चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। एक 14 साल के आरोपी पर गंभीर चोट पहुंचाने, लूट और गैरकानूनी हमले के आरोप हैं। वहीं दो 15 साल और एक अन्य 14 साल के आरोपी पर भी अलग-अलग आरोप लगे हैं। ये सभी अगस्त में कोर्ट में पेश होंगे। सौरभ ने दुख जताया कि दो आरोपियों को जमानत मिल गई। उन्होंने कहा, मैं न्याय चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि यह घटना बदलाव का कारण बने।

4 दिन पहले भी भारतीय पर हमला हुआ था : ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में भी 4 दिन पहले एक भारतीय छात्र पर बेरहमी से हमला किया गया था। तब चरणप्रीत सिंह अपनी पत्नी के साथ कार से शहर के लाइट शो देखने निकला था। इसी दौरान किंटोर एवेन्यू के पास रात 9 बजे कार पार्किंग को लेकर उसकी स्थानीय लोगों से बहस हो गई।

थाइलैंड और कंबोडिया तत्काल युद्धविराम के लिए बातचीत पर सहमतः डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि थाइलैंड और कंबोडिया तत्काल युद्धविराम पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गए हैं। दोनों देशों में तीन दिनों तक चली घातक झड़पों में 30 लोग मारे गए और 1 लाख 30 हजार से अधिक विस्थापित हुए हैं। स्कॉटलैंड की यात्रा पर गए ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा, मैंने कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत और थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायचाई से अलग-अलग बात की। दोनों नेताओं को चेतावनी दी कि अगर लड़ाई जारी रही तो संभावित अमेरिकी व्यापार सौदे खतरे में पड़ सकते हैं। दोनों पक्ष तत्काल युद्धविराम और शांति की तलाश में हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, दोनों देश व्यापारिक मेज पर लौटने के लिए उत्सुक हैं। वे तुरंत मिलने और जल्दी से युद्धविराम व आखिरकार शांति स्थापित करने के लिए काम करने पर सहमत हुए हैं! हालांकि, व्हाइट हाउस और संबंधित दूतावासों ने बातचीत के विवरण की पुष्टि नहीं की है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कंबोडिया और थाइलैंड के सशस्त्र बलों के बीच तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम की इच्छा जताई। मानेट ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सशस्त्र झड़पों के मुद्दे पर फोन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ट्रंप ने इच्छा व्यक्त की कि वे ऐसा युद्ध या लड़ाई नहीं चाहते, जिससे दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों सहित कई लोगों की मौत हो जाए या वे घायल हो जाएं। उन्होंने दोनों देशों के बीच तत्काल युद्ध विराम

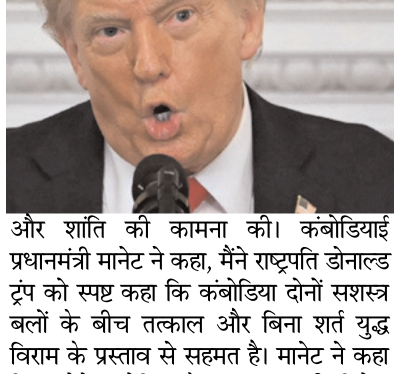

और शांति की कामना की। कंबोडियाई प्रधानमंत्री मानेट ने कहा, मैंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट कहा कि कंबोडिया दोनों सशस्त्र बलों के बीच तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम के प्रस्ताव से सहमत है। मानेट ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया के उप-प्रधानमंत्री, विदेश व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री प्राक सोखोन को युद्ध विराम प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ चर्चा करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मालूम हो कि कंबोडिया और थाइलैंड के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में गुरुवार को झड़पें शुरू हुईं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष शनिवार को भी जारी रहा। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने की मांग की है। इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए।

तरनजीत सिंह संधू की नई नियुक्ति भारत-अमेरिका साझेदारी के नए युग की शुरुआत: प्रो. सरचांद सिंह ख्याला

कौमी पत्रिका

अमृतसर 29 जुलाई। पंजाब भाजपा के प्रवक्ता प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने कहा कि अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत श्री तरनजीत सिंह संधू की यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के बोर्ड के सलाहकार और उसके जियोपॉलिटिकल इंस्टीट्यूट के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति, न केवल उनकी कूटनीतिक योग्यता और दूरदर्शिता की पुष्टि है, बल्कि यह भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले एक नए युग की शुरुआत भी है। प्रो. सरचांद सिंह और डॉ. रणबीर सिंह ने श्री परविंदर सिंह संधू की उपस्थिति में श्री तरनजीत सिंह संधू से भेंट की और उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि श्री अमृतसर और समस्त पंजाबी समुदाय के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर स्थानीय राजनीति, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर गंभीर चर्चा करते हुए, पंजाब, भारत और विदेशों में बसे पंजाबियों की भूमिका पर विचार साझा किए गए और श्री संधू ने मार्गदर्शन प्रदान किया। जारी बयान में प्रो. सरचांद सिंह ने कहा कि श्री संधू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के सबसे भरोसेमंद व्यक्तियों में से हैं, जिन्होंने नई दिल्ली द्वारा विदेश नीति के मोर्चे पर भेजे गए सबसे सफल और संवेदनशील दूत के रूप में अपनी पहचान बनाई। श्री संधू ने अमेरिका में चार बार सेवाएं निभाईं और तीन बार वॉशिंगटन डीसी में रहकर भारत-अमेरिका संबंधों को मज़बूत किया। उनकी दूरदर्शिता, गंभीरता और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण ने भारत-अमेरिका रिश्तों को रणनीतिक मित्रता से आगे बढ़ाकर एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदारी में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि यह श्री संधू की कड़ी मेहनत और महत्वपूर्ण भूमिका का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपतियों जो बाइडेन तथा तत्कालीन डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक भारत यात्राओं ने विश्व राजनीति में नई दिशाएं तय कीं। आज भारत-अमेरिका समझौते न केवल व्यापार, सौर ऊर्जा, नवीनतम तकनीक जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को कवर कर रहे हैं, बल्कि अंतरिक्ष, शिक्षा और रक्षा के क्षेत्र में भी केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। अब यह साझेदारी वैश्विक शांति, विकास और साझा मूल्यों का एक आदर्श मॉडल बन रही है। प्रो. सरचांद सिंह ने कहा कि पूर्व राजदूत श्री तरनजीत सिंह संधू जियोपॉलिटिकल इंस्टीट्यूट के चेयरमैन और अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के सलाहकार के रूप में अपने रणनीतिक अनुभव और दूरदर्शिता से भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, इंडो-पैसिफिक क्वाड और भारत, इज़राइल, अमेरिका, यूएई जैसी पहलों के लिए नई दिशा तय करेंगे। मुझे विश्वास है कि इस नई भूमिका में श्री संधू दोनों देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण संबंधों को और भी मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मंच के कार्यालय वॉशिंगटन डीसी और नई दिल्ली में स्थित हैं। इसके सदस्य विश्वस्तरीय कंपनियां हैं जिनका कुल बाज़ार मूल्य 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और कर्मचारियों की संख्या 60 लाख से अधिक है। यह मंच लंबे समय से भारत और अमेरिका के सरकारी व निजी क्षेत्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने में एक पुल की भूमिका निभा रहा है।

परिवहन मंत्री ने अंबाला छावनी के बस अडडे पर सीईटी परीक्षा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

चण्डीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा में सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित परीक्षार्थियों की सहयोग की भावना से परीक्षा का सफल संचालन हो पाया है। उन्होंने आज सुबह 5 बजे से ड्यूटी पर तैनात रोडवेज बस के चालकों की पीठ थपथपाई। श्री विज ने आज सीईटी परीक्षा को आयोजित करवाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा किए गए प्रबंधों को लेकर अंबाला छावनी के बस अडडे पर निरीक्षण करने के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत की। परिवहन मंत्री ने कहा कि 'सीईटी परीक्षा के परीक्षार्थियों को बस सेवा मुहैया करवाने के साथ-साथ आम जनता के लिए भी परिवहन सेवाएं मुहैया करवाना बडा टास्क था। क्योंकि तीज का त्यौहार है और शनिवार व रविवार भी है और इन दिनों में लोग अपने घरों में आने-जाने के लिए ज्यादातर परिवहन सुविधा लेते है। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षार्थियों के अलावा आम यात्रियों का भी पूरा ध्यान रखा गया है और उन्होंने स्वयं परीक्षार्थियों से बात की है और परीक्षार्थियों के खिलें हुए चेहरे बता रहे हैं कि वे हमारी परिवहन व्यवस्थाओं से पूरी तरह से संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग का स्टाफ सुबह 5 बजे से अपनी ड्यूटी पर तैनात है और कर्मचारियों ने सराहनीय कार्य किया है तथा सभी अधिकारी व कर्मचारी सीईटी परीक्षा को सफल तरीके से आयोजित करवाने में अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। इसी प्रकार, श्री विज ने इसके उपरांत एक बस में चढ़कर परीक्षार्थियों से बातचीत की और उनकी परीक्षा के बारे में जानकारी हासिल की। इसके उपरांत परिवहन मंत्री ने अंबाला छावनी के बस अडडे के रिसेप्शन पर जाकर भी कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर को चैक किया और सभी प्रकार से संतुष्ट पाया। ऐसे ही, बस अडडे पर जनसेवा रोटी बैंक का भी परिवहन मंत्री ने निरीक्षण किया और पाया कि परीक्षार्थियों और आम जन के लिए पांच रूपए में भोजन की व्यवस्था की गई थी जिसकी सभी ने सराहना की।

अमृतसर व तरनतारन के डाकघरों में 04 अगस्त 2025 को होगा आई टी 2.0 एप्लीकेशन का रोलआउट

अमृतसर। डाक विभाग अमृतसर डाक मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर द्वारा अवगत करवाया गया है कि डाकघरों में अगली पी टी के (ए पी टी) एप्लीकेशन का रोलआउट किया जा रहा है। जो कि डिजिटल श्रेष्ठ व राष्ट्र निर्माण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बदलाव अभियान के अंतर्गत यह नवीनीकरण प्रणाली अमृतसर व तरनतारन के डाकघरों में 04 अगस्त 2025 से लागू की जाएगी। इसके अतिरिक्त उनकी ओर से अवगत करवाया गया कि दिनांक 02 अगस्त 2025 को डाकघरों में कोई भी सार्वजनिक लेन-देन का कार्य नहीं किया जाएगा। सेवाओं का यह निर्बाध डाटा माइग्रेशन, सिस्टम की जांच व कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को अच्छे से पूरा करने हेतु जरूरी है जिससे कि नई सिस्टम प्रणाली को आसान व प्रभावशाली ढंग से शुरू किया जा सके। उन्होंने एक दिन के लिए डाकघरों के काम मे रुकावट होने के संबंध में नागरिकों के सहयोग की मांग की है

औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन के लिए हरियाणा में व्यापक स्तर पर काम जारी: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना पर आगे ब?ाते हुए हरियाणा में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने की नीति पर व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। हरियाणा सरकार उद्योग आधारित नीतिगत ढांचे को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे प्रदेश में आर्थिक प्रगति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सुगम व्यापार का वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। राव नरबीर सिंह शुक्रवार को गुरुग्राम में हरियाणा फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइसेज निर्माण नीति, 2025 तथा हरियाणा इलेक्ट्रॉनिक्स वेस्ट रीसाइक्लिंग नीति, 2025 के ड्राफ्ट पर संबंधित क्षेत्रों के हितधारकों के साथ परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने उद्यमियों व स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक सकारात्मक पहल की है। उद्यमियों की सुविधा के लिए इन्वेस्ट हरियाणा पोर्टल के माध्यम से 135 सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जा रही है। इन सेवाओं की उच्च स्तर पर मॉनिटरिंग भी की जाती है ताकि समय पर उद्यमियों को विभिन्न विभागों की सेवाएं मिल सके। हितधारकों के सुझाव मिलने पर इस सुविधा में समय-समय पर अपडेट भी किया जाता है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने वेस्ट रीसाइक्लिंग नीति को लेकर कहा कि वर्तमान समय में ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के थ्री आर - रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल पर फोकस करते हुए इस नीति को तैयार किया गया है ताकि विकसित भारत-2047 के विजन में हरियाणा की प्रमुख भागीदारी हो। उन्होंने बैठक में पहुंचे प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि आपके सुझावों को अंतिम नीति में शामिल किया जाएगा, जिससे हरियाणा को अग्रणी औद्योगिक राज्य के रूप में स्थापित किया जा सके। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा औद्योगिक विकास की नई ऊँचाइयों को छूने के लिए आधुनिक, नवाचार आधारित और आत्मनिर्भर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसलिए नए-नए क्षेत्रों की पहचान कर उनके लिए अलग से नीतियां व विकासोन्मुखी कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में राज्य में ई-वेस्ट प्रबंधन के लिए सशक्त ढांचा तैयार करना, रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना, उत्पादक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना और सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कौशल विकास व नवाचार को प्रोत्साहन देने पर हितधारकों से व्यापक चर्चा की गई। वहीं देश में मेडिकल क्षेत्र से जुड़े उपकरणों के घरेलू निर्माण को प्रोत्साहन देना, मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण को अपनाते हुए प्रोत्साहन, प्रशिक्षण और आवश्यक अधोसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों ने आवश्यक सुझाव भी दिए। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक डीके बेहरा वीडियो कांफ्रेंस से बैठक में शामिल हुए। वहीं चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर नितिन बंसल ने उपस्थित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राज्य की नई नीतियों का परिचय दिया और नीतियों में उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए शामिल प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के सलाहकार वीरेंद्र सिंह, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारी तथा पॉली मेडिक्योर, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइसेज़, मैनकाइंड फार्मा, कारो संभव, नामो ई-वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड, यज्ञ इंडस्ट्रीज़ सहित कई प्रमुख उद्योग समूहों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने की परीक्षार्थियों व उनके परिजनों की सेवा

चंडीगढ। सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन में हरियाणा सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने सीईटी में आए परीक्षार्थियों व उनके परिजनों की सेवार्थ खाने-पीने व रहने की बेहतरीन व्यवस्था की। अगर बात करें कैथल जिला की तो वहां पर वैष्णो सेवा समिति ने आरकेएसडी कॉलेज, जाट कॉलेज व जाखौली अड्डा स्थित राजकीय स्कूल के सामने चाय, पानी व कड़ी-चावल की व्यवस्था की गई। अन्य सुविधाएं जैसे धूप से बचने के लिए टेंट, कुर्सियां आदि व्यवस्था भी की। आने-जाने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसको लेकर कूलर व पंखों की व्यवस्था भी की गई। वैष्णो सेवा समिति के सदस्य कुलदीप ने कहा कि सरकार ने परीक्षार्थियों की तरफ खास ध्यान दिया है और हर स्तर पर उन्हें सुविधा प्रदान की है। जितने भी लोग शिविर में आते हैं, सभी यही कहते नजर आए कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कमाल कर दिया। शिविर में मौजूद एक परीक्षार्थी के परिजन ने कहा कि अब की बार कुछ अलग नजर आया। न आने-जाने की कोई समस्या और न ही खाने-पीने व ठहरने की कमी। सैनी सरकार ने जबरदस्त काम कर दिया अबकी बार। इसी प्रकार बस स्टैंड पर नर नारायण सेवा समिति ने परीक्षार्थियों के लिए बस स्टैड क?ी चावल का लंगर लगाया। काफी संख्या में परीक्षार्थी लंगर खाते नजर आए। वहीं महंत त्रिवेणी दास ने आरकेएसडी कॉलेज सहित कई परीक्षा केंद्रों के सामने पेयजल वितरित कर सेवा का धर्म निभाया। कैथल जिला की डीसी प्रीति भी आरकेएसडी कॉलेज के सामने समाज सेवी संस्था मां वैष्णो देवी द्वारा लगाए गए

NAME CHANGE
It is for general information that I, SANJAY KUMAR S/o MAHENDER SINGH R/o House No. 3689-3691, 4th Floor Left Side, Gali Maman Jamadar, Pahari Dhiraj, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi-110006, declare that name of my minor son has been wrongly written as PARKSHIT in my minor son namely PARIKSHIT aged 17 years in his Schedule Caste Certificate No. 90510000394597. The actual name of my minor son is PARIKSHIT.

NAME CHANGE
I MD IDREES SAIFI/MOHD IDREES SAIFI/MD IDRISH S/O MOHD YUSUF R/O L-1-16/1, SANGAM VIHAR,DELHI-110062 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHAMMAD IDRISH FOR ALL PURPOSE

नाम परिवर्तन
मैं, हरबिंदर सिंह भाटिया, पुत्र इंदरजीत सिंह, निवासी डब्ल्यूजैड-17ए, प्रथम तल, मीनाक्षी गार्डन, तिलक नगर, नई दिल्ली-110018, ने अपना नाम हरबिंदर सिंह भाटिया से बदलकर हरबिंदर सिंह कर लिया है। यह परिवर्तन भविष्य में सभी कार्यों हेतु मान्य होगा।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Jai Maa Communication** is purchasing the Plot No. 79, 80, Area measuring 140 Sq. Yds Out of Total Area of 340 Sq. Yds. Part of Municipal No. 18 Block - B Part of Killa No. 11, Situated at Nnahey Park, Village Mathiala, Delhi from Mr. Azad Singh who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 08.07.1981 and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Amar Singh & Mrs. Manju** is purchasing the Plot area measuring 60 Sq.Yds , Khewat No. 145, Khatauni No. 175 ,Mustatil No. 11, Killa nO. 21(8-0), Mustatil No. 12, Killa No. 1/1 (4-17), 1/2 (3-3) Mauja Palla, Tehsil & Distt. Faridabad , Haryana from Mr. Sanjay Kumar who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 01.09.2014 and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Manohar Bajaj S/O Radhomal bajaj R/O Skardi Greens Golf Link,Flat No 1219, 3D Tower, Pandav Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh 201002, have changed my name to Manohar Lal Bajaj for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Chani Devi (Existing Name of Mother as per FS Docus) is legally Mother of No JC-332602A Sub Maj JE E/M Babu Lal Chaudhary presently residing at Vill Dhundhara, PO Osian, Tehsil Osian Distt Jodhpur, Rajasthan-342303, have changed my name from Chani Devi to Cheni and changed my date of birth from 01 Jul 1949 to 01 Jan 1935 for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Abdhesh Kumar s/o Bej Nath R/o B-7, Ground Floor, Gali No.9, Jagat Puri Extension, Delhi-110093 have changed my name to Avdhesh Kumar for all future purposes

नाम परिवर्तन
पहले मेरा नाम सिल्वेस्टर डेनियल था उसके बाद मैने अपना नाम बदल कर संजय कुमार गैजेट के जरिए कर दिया था . लेकिन मेरे आधार कार्ड में कई बार नाम बदल ने के लिए अप्लाई किया पर आधार कार्ड में मेरा नाम चेंज नहीं हुआ इसलिए अब में अपना नाम सिल्वेस्टर डेनियल ही करना चाहता हूं।

सार्वजनिक सूचना
मैं FARHA D/O ISLAM R/O K-6/24 Block K-6 Gali no 3 Noorie Masjid Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi,Delhi -110059 घोषणा करती हूं कि दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम JAYDA दर्ज है जबकि पूरा और सही नाम JAYDA BEGUM है। अत: भविष्य में मेरी माता जी को सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु JAYDA BEGUM के नाम से जाना जाए।

सार्वजनिक सूचना
मैं FARHA D/O ISLAM R/O K-6/24 Block K-6 Gali no 3 Noorie Masjid Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi,Delhi -110059 घोषणा करती हूं कि दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम स्ब्त्र ISLAM दर्ज है जबकि उनका पूरा और सही नाम ISLAM है। अत: भविष्य में मेरे पिताजी को सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु ISLAM के नाम से जाना जाए।

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Monika Tyagi & Malik & Sons** is purchasing the Plot no. A-17, admeasuring 287.84 Sq. Meter, situated at Residential colony, Block-A, Sector-07, G.M.P., Patel Nagar, Ghaziabad, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P. from Mrs. Monika Tyagi who is the owner of the property vide Gift Deed dated 06.12.2022 which was registered as Doc. no. 12847, book no.1, vol. no. 41753, book no.1, vol. no. 49 to 74, on 06.12.2022, SRO- Sadar-IV Ghaziabad and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** That Original Documents prior to Sale Deed dated 28.08.2012 is lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as NISHA SHARMA W/o LAKSHMI NARAYAN SHARMA residing at Gali No. 5, Navyugschool, Old Seelampur, Gandhi Nagar, Delhi - 110031 have changed my name and shall hereafter be known as HARI PRIYA SHARMA.

NAME CHANGE
I, RAMESH CHANDER SHARMA/RAMESH SHARMA S/o RAMSWARUP SHARMA R/O PLOT NO-172, NEAR JAIN MANDIR, SECTOR-43, GALLERIA DLF-IV, GURGAON, HARYANA-122009 HAVE CHANGED MY NAME TO RAMESH CHAND SHARMA FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, KANAN D/o YOGESH KUMAR DORA R/O G-149, SECOND FLOOR, SOUTH CITY-2 SECTOR-50, SOUTH CITY-II GURGAON HARYANA-122018 I HAVE CHANGED MY NAME TO KANAN DORA FOR ALL PURPOSE

सार्वजनिक सूचना
यह आम जनता को सूचित करने के लिए है कि मेरे ग्राहक, मेसर्स बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (बीएचएफएल) का शाखा कार्यालय बीएचएफएल अपर ग्राउंड फ्लोर, 5 बी / 14, कोटक महिंद्रा बैंक के पास, सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के सामने, नई दिल्ली 110018 में है। यहां श्रीमती सुनीता (खरीदार) ने मेरे ग्राहक से संपर्क किया, अर्थात एक संपत्ति / घर / भूतल (पीछे की ओर), प्लॉट नंबर 300, रेक्ट नंबर 14, किला नंबर 9, के खिलाफ ऋण सुविधा की मंजूरी और संवितरण के लिए। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, गाँव एत्मादपुर, फरीदाबाद तहसील और जिला, फरीदाबाद हरियाणा-121003। आयाम पूर्व - प्लॉट 299, पश्चिम - प्लॉट 301, उत्तर - अन्य संपत्ति, दक्षिण - सड़क -60 फीट (यहां विक्रेता श्री असीम कुमार भट्ट हैं, पंजीकरण संख्या 4651 के अनुसार जीपीए के माध्यम से मालिक/कब्जा है। पुस्तक संख्या 4, जिल्द संख्या 1149, पृष्ठ संख्या 265 से 284 पर, दिनांक 28.12.2015। एसआरओ तृतीय नोएडा यूपी)। यदि कोई व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक, दस्तावेजों के आधार पर या अन्यथा विषयगत संपत्ति में किसी प्रकार का अधिकार, दावा, शीर्षक या हित रखता है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन से 7 दिनों के भीतर अपने दावे को, इसके समर्थन में दस्तावेज़ (दस्तावेजों) के साथ, अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा उसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
दीपक मलिक (एडवोकेट)
पता- शॉप = 2 कटारिया कॉम्प्लेक्स,
दयानंद कॉलोनी गुड़गांव

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **R K FRAMING UPVC PRIVATE LIMITED & Mrs. Kamlesh and Mr. Raj Kapoor** are the owners of the Freehold Residential Plot area admeasuring 100 sq. yards . out of khasra No. Khasra No. 218m, 219m, 220m, 221m, 222m and 223m, situated at Village Salarpur Khadar, Pargana & Tehsil Dadri, Dist. Gautam Budh Nagar, U.P. vide 2Sale Deed dated 04.01.2019 which is registered as Document No.74, Book No.I, Volume No. 6926, on pages 73 to 100, on dated 04.01.2019, SR- Sadar III, Gautam Budh Nagar. & Sale Deed dated 21.12.2020 Document No. 4003, Book No. I, Volume No. 8022, on pages 31-60, dated 21.12.2020, SR-Sadar III, Gautam Budh Nagar and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Priyanka Kumari W/o Praveen Dahiya R/o House No. -33, Village - Dhanwapur, Gurgaon (Haryana), have changed my name to Priyanka for all Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Basnti Devi W/O Jagdesh Prasad R/O 11, Gali No-13, Sangam Vihar, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Suman Devi.

NAME CHANGE
I Pushpendra Yadav S/o Tejpal R/o 198, Behlolpur, Sector-58, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor daughter Muskan aged 17 years and she shall hereafter be known as Arti.

NAME CHANGE
I, JC-472255K, Rank-SUB, Name-RAMESH SINGH TANWAR residing at VILL-KAYAMPURA WAS, PO-BANETHI, TEHSIL-KOTPUTLI, DIST-JAIPUR, RAJASTHAN-303105 have changed my father's name from BABU SINGH TANWAR to BABU SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-472255K, Rank-SUB, Name-RAMESH SINGH TANWAR residing at VILL-KAYAMPURA WAS, PO-BANETHI, TEHSIL-KOTPUTLI, DIST-JAIPUR, RAJASTHAN-303105 have changed my minor daughter's name from KUMARI PALAK to PALAK for all future purposes vide affidavit dated 28/07/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-473425P, Rank-SUB Name-ABDHESH SINGH TOMAR R/O VPO-KONTHER KALAN, TEH-PORSA, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476115, have changed my mother's name from RAM BITALEE DEVI to RAM BITOLI TOMAR for all future purposes vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, FARHAN S/O MOHAMMD REHAN resident of H NO-3020, GALI MEERAWALI KHURD, CHARKHA WALAN, DELHI-110006 have changed my name to MOHAMMAD FARHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ASHIT KR GHOSH Father of No-14858348X Rank-HAV/MT Name-SUMIT GHOSH Presently residing at LAKSHMIPUL, DARIASUDI, HABRA-I, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743234, have changed my name from ASHIT KR GHOSH to ASHIT KUMAR GHOSH for all future purposes vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. 15816038F Rank-L/NK Name-NIRANJAN BHOI residing at VILL-DIHATELASARA, PO-KORUA, DISTT-JAGATSINGHPUR, ODISHA-754113, in my service records my father's (KUMAR BHOI) date of birth wrongly mentioned as 02/05/1954 instead of his correct date of birth as 12/01/1957 vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. 15816038F Rank-L/NK Name-NIRANJAN BHOI residing at VILL-DIHATELASARA, PO-KORUA, DISTT-JAGATSINGHPUR, ODISHA-754113, have changed my mother's name from BINATI BHOI to BANITA BHOI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/03/1950 instead of her correct date of birth as 04/03/1962 vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJU THAKUR S/O NATHAN THAKUR R/O KHESRA NO-18/20, F BLOCK, POLE NO-13, PART-1, QUTUB VIHAR, GOYLA DAIRY, DELHI-110071,HAVE CHANGED MY NAME TO RAJEEV KUMAR FOR ALL PURPOSE,

NAME CHANGE
I, Aarshdeep Singh Mother of Surjeet Kaur R/o A-38 Old Double Story , Nirmal Puri , Lajpat Nagar-4 , New Delhi-110024 have changed my name to Arshdeep Singh for all future purposes

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Mohammed Sadakin S/O Babu Deen, R/o H. NO.3757, Gali Akhare wali, Churi Walan, Jama Masjid, North Delhi-110006, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as MOHD SADIQEEN and TAHEERA PARVEEN, in my minor son namely MOHD MUNEEB SADIQ aged 15 years in his School leaving certificate and educational documents , The actual name of mine and my wife are MOHAMMED SADAKIN and TAHIRA Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MONICA SOPORI Spouse of No. GO-004246W Rank- JOINT DIRECTOR (ADMIN) Name- RAKESH SOPORI, UNIT/POSTED HQDGBR RING ROAD NARAYANA DELHI CANTT, NEW DELHI-110010 R/o WARD NO-6, HOUSE NO-111, KARAN NAGAR, UDHAMPUR, UDHAMPUR, JAMMU & KASHMIR-182101, have changed my name from MONICA SOPORI to MONIKA SOPORI for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Sub Divisional Magistrate Delhi

PUBLIC NOTICE
It is to the public at large that my clients Shri Sanjay Kumar Panchal, Age about 54 years, son of Shri Sobha Ram and Smt. Kusum panchal age about 53 years, wife of Shri Sanjay Kumar Panchal both resident of A-2-A/31, Janak Puri, West Delhi-110058 have disowned and debarred their son namely Mr.Deepanshu Panchal, age about 29 years and his wife Mrs. Vashita Kapoor , age 28 years (daughter-in-law) from their all moveable and immovable properties. My cleints have also severed all their social relation from them because they have become disobedient and are not under their control. Further my clients will not be responsible/liable for any acts, deeds done by them.
HARDWARI LAL ADVOCATE
E.No. D-172B/1982
CHAMBER NO.325,3RDFLOOR
LAWYERS CHAMBER, DWARKA
COURT NEW DELHI-110075.
(M): 9810960086

NAME CHANGE
I, NIDHI BINDAL W/O ROHIT GUPTA residing at X/1165 GALI NO-2 RAJGARH COLONY JHEEL GANDHI NAGAR DELHI-110031 . have changed my name to RAKHI GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KRISHAN GUPTA S/O RADHEY RAMAN residing at X/1165 GALI NO-2 RAJGARH COLONY JHEEL GANDHI NAGAR DELHI-110031 . have changed my name to SHRI KRISHAN GUPTA for all future purposes

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. 6947122W, HAV PAWAN KUMAR PRADEEP legal father of PRIYANSHU RAJ residing at- VILL-MANOPALI, PO-SAHAJITPUR, DIST-SARAN, BIHAR-841422, in my service record my son's (PRIYANSHU RAJ) date of birth wrongly mentioned as 28/12/2009 instead of his correct date of birth as 28/12/2011, vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pradeep Kumar Yadav S/O Ram Baksh Yadav, R/O T-5, T- Huts, Karampura, VTC: Karam Pura,PO: Ramesh Nagar, Sub District: Rajouri Garden, District: West Delhi,State: Delhi, 110015, declare that name of mine has been wrongly written as Pradeep kumar in my minor daughter namely PALAK Yadav aged 17 years in her 10th class educational documents.The actual name of mine is Pradeep kumar yadav, Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHAMMAD ASGHER S/O AFSAR HUSAIN R/O P 257/02 Mes Officers Enclave Air Force Station Rock View Area Delhi Cantt Po Delhi Cantt Dist South West Delhi Delhi-110010 declare that name of my wife and my minor daughter has been wrongly written as IRAM and SAKINA in my minor daughter namely SAKINA ABIDI aged 12 years in her School Record and Birth Certificate No 000000534011. The actual name of my wife and my minor daughter are IRAM ZEHRA and SAKINA ABIDI respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAJNI DEVI W/O AJAY KUMAR SHARMA R/O E-3/387, 4th Pusta, Near MCD School, Sonia Vihar Delhi, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi- 110094 declare that name of mine has been wrongly written as RAJNI in my minor son ANKIT SARASWAT in his birth certificate no-MCDOLR09388466 and 10 class education documents. The actual name of mine is RAJNI DEVI which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I JYOTI PAL D/O RAJKUMAR R/O F-1/234, Sultan Puri, Dist North West Delhi, Delhi- 110086 declare that name of my mother has been wrongly written as RAJKUMARI in my all educational documents. The actual name of my mother is JAY KUMARI which may be amended accordingly

DATE OF BIRTH CHANGE
I, SUMAN KUMARI Wife of No-15713205M Rank-NK Name-BHASKAR UPADHYAY Presently residing at VILL-MUNDIPUR, PO-HULESARA, PS-BHAGWANPUR HAT, TEH-MAHARAJGANJ, DIST-SIWAN, BIHAR-841408, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/06/1986 instead of my correct date of birth as 10/06/1984 vide Affidavit dated 28/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,FATIMA UMRA W/o Shri MOHD AZHAR R/o House No.3 GALI NO-3 JAFRABAD SEELAMPUR, Delhi-110053, declare that in my Passport my incorrect name is mentioned as FATMA UMRA and my correct name is FATIMA UMRA Now onwards my correct name is FATIMA UMRA D/O MOHD AZHAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Shashikant s/o Shailendra R/O H.NO.B-57, Near Lal Mandir, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, delhi-110059, have changed my name to Shashikant Varshneya permanently.

NAME CHANGE
I, Vina Kumari w/o Shailendra R/O H.NO.B-57, Near Lal Mandir, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, delhi-110059, have changed my name to Veena Kumari permanently.

NAME CHANGE
I, Sumar Singh s/o Ram Singh R/o 29, Padarth Panna, VPO Mitraon, Delhi-110043, have changed my name to Sumer Singh Permanently.

NAME CHANGE
I, Omvati w/o Ram Singh R/o 29, Padarth Panna, VPO Mitraon, Delhi-110043, have changed my name to Omwati Permanently.

PUBLIC NOTICE
I, Mrs.Rani W/o Sh.Pappu R/o H.No. 1 to73G 2/40, Block-G-2,Part-1, Sai Enclave, Uttam Nagar, New-Delhi 110059, solemnly and affirmly declare that I have disowned and debarred my son namely Sh. HARISH and daughter in law JYOTI(wife)all his children from my movable and immoveable property and I have also discard all kinds of relationship with them because they have become disobedient and are not under my control. That I shall not be liable for any loss, damage and consequences, if anybody suffers while dealing with them as they shall do as at their own risk, cost and consequences.
MOD. ZUBER SAIFI & ASSOCIATES
ADVOCATE
Chamber no. 628, Dwarka Court Complex, Sector-10,
New Delhi-110075

सार्वजनिक सूचना
मेरे ग्राहक, मेसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी की ओर से पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा गुड़गांव, हरियाणा में अपने शाखा कार्यालय के माध्यम से, यह एतद्वारा है आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री विक्रम (उधारकर्ता) ने मेरे मुवक्किल से संपर्क किया है 269 वर्ग मीटर भूमि वाले प्लॉट के बदले ऋण सुविधा की मंजूरी और वितरण। Yds., खेवट संख्या 229min//191, खतौनी संख्या 235 min, खसरा संख्या 26//16(2-) से संबंधित 15), मौजा वाका इस्माइलपुर, तहसील बादली, जिला झज्जर, हरियाणा; (यहाँ भूमि का स्वामित्व है जंजीर । पटवारी द्वारा 1) श्री शमशेर, 2) श्री संदीप, 3) श्रीमान के पक्ष में जारी जमाबंदी। खसरा संख्या 25/16 के संबंध में कुलदीप। तत्पश्चात विभाजन विलेख, 1) श्री के बीच निष्पादित किया गया। शमशेर, 2) श्री संदीप, 3) श्री कुलदीप उक्त भूमि अर्थात भूमि क्षेत्र के संबंध में माप 404.05 वर्ग. Yds. खेवट नंबर 229मिन//191 खतौनी नंबर 235मिन खसरा से बाहर संख्या 26//16 (2-15) तत्पश्चात रिलीज डीड, 1) श्री संदीप एवं 2) श्री कुलदीप द्वारा निष्पादित भूमि क्षेत्र के संबंध में उनके संबंधित हिस्से के संबंध में श्री विक्रम के पक्ष में 269 वर्ग. गज., खेवट नंबर 229मिन//191 खतौनी नंबर 235मिन, खसरा नंबर 26//16 (2-) में से 15), दस्तावेज़ संख्या 3488 के अनुसार, अतिरिक्त पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 126/4577 के पृष्ठ पर 71.25/4-5 दिनांक 07.12.2023 को, उप-पंजीयक-बादली में विधिवत पंजीकृत)। कोई भी व्यक्ति, संस्था(ओं), वित्तपोषक(ओं), बैंक(ओं), या किसी अन्य इकाई के पास कोई अधिकार, दावा, शीर्षक, हित, या उक्त संपत्ति के संबंध में आपत्ति, चाहे किसी समझौते, दस्तावेज़ या अन्यथा, उनसे अनुरोध है कि वे अपना दावा(दावे) या आपत्ति(आपत्तियां) प्रमाणित प्रति के साथ प्रस्तुत करें। सहायक दस्तावेजों की प्रतियां, दिनांक से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को भेजें। इस नोटिस के प्रकाशन के पश्चात, यदि निर्धारित समय के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, यह माना जाएगा कि संपत्ति सभी भारों, दावों और कानूनी बाधाओं से मुक्त है विवादों का निपटारा किया जाएगा और **पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** प्रस्तावित ऋण लेनदेन के साथ आगे बढ़ेगा। बिना किसी पूर्व सूचना के **एडवोकेट ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नं.+91-9340118309)** को भेजें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी भारों से मुक्त है, और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड आगे बढ़ेगा प्रस्तावित लेन-देन को बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया जाएगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आदित्य उर्फ सुधीर**, **पुत्र:** श्री गजराज, **पता:** गाँव बादशाहपुरा सिराली, थाना - लोनी, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **E-FIR No. 45299/2019, U/s 379/411 IPC, थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आदित्य उर्फ सुधीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आदित्य उर्फ सुधीर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **E-FIR No. 45299/2019, U/s 379/411 IPC, थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **आदित्य उर्फ सुधीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी-01
कोर्ट नं. 54, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9822/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त व्यक्ति नाम **इमरान पुत्र:** खालिक **पता:** अमन की कोठी वाली गली अमन गार्डन लोनी गाजियाबाद उ.प्र. **इसके अलावा:** मकान नंबर -321, डाबर तालाब संगम विहार लोनी देहात गाजियाबाद यूपी, ने **FIR No. 18630/22, U/s 379/411 IPC थाना: फर्श बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** मिल रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 18630/22, U/s 379/411 IPC थाना: फर्श बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अखिल मलिक
जेएमएफसी-02, कमरा नंबर 38
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

DP/9884/SHD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा राजभवन में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया तीज पर्व

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राजभवन में हरियाली तीज का आयोजन पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने प्रदेशवासियों को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख,समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, जो हमें अपनी परंपराओं से जोड़ता है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय की धर्मपत्नी मित्रा घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, चंडीगढ़ के मुख्य

सचिव राजीव वर्मा, हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। राज्यपाल प्रो अशीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की, जिसके बाद हरियाणा राज्य गीत की सामूहिक प्रस्तुति ने माहौल को सांस्कृतिक गरिमा से भर दिया। सावन की रुत आई जैसे लोकप्रिय हरियाणवी गीतों और पंजाबी लुड़ी पर प्रस्तुत लोकनृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजभवन परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था, जिससे संपूर्ण वातावरण उल्लासपूर्ण एवं उत्सवमय हो उठा। महिलाओं और बच्चों के लिए पारंपरिक झूलों की व्यवस्था की गई, जबकि मेंहदी और चूड़ियों की स्टॉल ने उत्सव में खास आकर्षण जोड़ा। विविध प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों ने उपस्थित जनों का स्वाद भी दुगना कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक दलों ने लोकनृत्य और गीतों की मनभावन प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों में हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, रंग-बिरंगी परंपराएं और लोकजीवन की झलक देखने को मिली। कलाकारों की इन उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से प्रभावित होकर राज्यपाल महोदय ने कला एवं संस्कृति विभाग तथा प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को प्रोत्साहन स्वरूप चार लाख रुपये देने की घोषणा की।

सोनीपत हरियाली तीज से संस्कृति और परिवारिक एकता को संबल: डा. रीटा शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। हरियाली तीज न केवल हरियाणवीं संस्कृति का उल्लासपूर्ण उत्सव है, बल्कि पारिवारिक एकता और नारी सशक्तिकरण का भी प्रतीक है। इसी भाव को जीवंत करते हुए बरोदा रोड स्थित हरियाणा पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में संस्कार भारती व हरियाणा कला परिषद द्वारा हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डॉ रीटा शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और पारंपरिक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज पार्वती और शिव के मिलन की कथा से जुड़ा पर्व है, जो तप, प्रतीक्षा और समर्पण का संदेश देता है। देवी पार्वती ने 108 बार उपवास कर शिव को पति रूप में प्राप्त किया था, जो परिवार में प्रतिबद्धता और एकजुटता की मिसाल है। डॉ.रीटा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह तीज-त्यौहारों और हरियाणवी संस्कृति को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे युवा पीढ़ी को संस्कारों और सनातन परंपरा से जोड़ें। उन्होंने बताया कि सोमवार को अंबाला में राज्य स्तरीय तीज महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि होंगे।

एक माह में आएगा सीईटी का परिणाम : हिम्मत सिंह

जींद। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने जींद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्रों मे दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और कहा कि आगामी एक माह में परिणाम घोषित करने का प्रयास रहेगा और आगामी दो-तीन दिन में परीक्षा प्रश्न पत्र की की गई जारी कर दी जाएगी। इस अवसर पर उनके साथ डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एएसपी सोनाक्षी सिंह आदि मौजूद रहे। एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि प्रदेश के युवाओं में सीईटी परीक्षाओं को लेकर विशेष जोश है। इन परीक्षाओं में करीब 90 प्रतिशत युवा भाग ले रहे हैं। परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए बसों की समुचित व्यवस्था की गई है। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए उनके घर द्वार से परीक्षा केंद्रों तक लाने व ले जाने के लिए प्रशासन द्वारा बहुत ही अच्छा इंतजाम किया गया। आज गांव देहात में सीईटी की महत्ता का युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों को भी पता चला है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण व पारदर्शिता के साथ हुआ। जिसके लिए परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी बधाई के पात्र है।

कांवड़ में 51 लीटर गंगाजल लाने वाले जतिन की मौत

सोनीपत। गन्नौर के गांव पुरखास राठी के 20 वर्षीय जतिन ने श्रद्धा और आस्था की राह पर वह बोझ उठाया, जो उसके शरीर ने सहन नहींकिया। हरिद्वार से कांवड़ में 51 लीटर गंगाजल उठा कर लौटे पुरखास के जतिन की मौत हो गई। कांवड़ लाते समय मांसपेशियां फट गईं, दर्द में भी कांवड़ नहीं छोड़ी, पेन किलर लेते-लेते लीवर-किडनी फेल हो गई। कांवड़ यात्रा के दौरान उत्तरप्रदेश के शामली के पास जतिन की कंधे की मांसपेशी फट गई थी। चाचा राजेश राठी ने उसे रोकने की कोशिश की, पर जतिन ने इसे मामूली चोट मानते हुए पेन किलर ली और यात्रा जारी रखी। 22 जुलाई को वह शेखपुरा शिविर में रुका और 23 जुलाई को शिव मंदिर में जल अर्पण कर घर लौटा। इस बीच उसने भोजन भी बहुत कम कर दिया था। घर पहुंचने के बाद जतिन की तबीयत और बिगड़ गई। सोनीपत के निजी अस्पताल में जांच के दौरान पता चला कि मांसपेशी फटने से संक्रमण फैल गया है, जो दो दिन में लीवर और किडनी तक पहुंच गया। परिजन उसे पानीपत ले गए, पर शुक्रवार रात उसकी मौत हो गई। जतिन के पिता देवेंद्र और दोनों चाचा शिक्षक हैं। हाल ही में 12वीं पास कर जतिन विदेश जाने की तैयारी कर रहा था।

सीईटी परीक्षा संपन्न, प्रशासन ने ली राहत की सांस

सिरसा। सिरसा जिला में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हुए थे। शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं सिरसा के एक परीक्षा केंद्र में बेटी को परीक्षा दिलाने आए एक अभिभावक की ड्यूटी दे रहे कर्मचारियों से बहस हो गई। बाद में पता चला कि उसकी बेटी का एग्जाम दूसरे सेंटर पर है। जिला में बनाए गए 64 परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन शनिवार को दोनों सत्रों में 29505 परीक्षार्थियों में से 28 हजार 276 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 1229 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षार्थियों की उपस्थिति 95.83 प्रतिशत रही। वहीं शनिवार को 29 हजार 503 परीक्षार्थियों में से 28226 परीक्षार्थी हाजिर हुए थे, जो उपस्थिति का 95.67 प्रतिशत रहा। परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को प्रथम सत्र में 14 हजार 752 परीक्षार्थियों में से 14134 परीक्षार्थी हाजिर रहे और 618 परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। वहीं दूसरे सत्र में 14 हजार 753 परीक्षार्थियों में से 14 हजार 142 परीक्षार्थी हाजिर रहे और 611 अनुपस्थित रहे।

सोनीपत में संपन्न हुई सीईटी परीक्षा, देरी से आने वालों को नहीं मिला प्रवेश

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने मिलकर व्यापक तैयारियां की। परीक्षा के दूसरे दिन पहली पाली की परीक्षा शांति और सुव्यवस्थाके बीच आयोजन संपन्न हुआ। उपायुक्त सुशील सारवान और पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा प्रबंधों की पुष्टि की। सोनीपत जिले में कुल 58 परीक्षा केंद्र बनाए गए, जहां दोनों पालियों में लगभग 28 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा में भाग लेने के लिए अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में परीक्षार्थी पहुंचे। उनकी सुगमता को ध्यान में रखते हुए परिवहन व्यवस्था को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया। अल सुबह तीन बजे से ही बसें विभिन्न परीक्षा स्थलों के लिए रवाना होनी शुरू हो गई थीं, जिससे समय पर पहुंचने में सहायता मिली। हालांकि, कड़े नियमों और समयबद्धता के कारण एक महिला अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं

मिल पाया। वह पानीपत के सिवाह क्षेत्र से परीक्षा देने आई थी, लेकिन परीक्षा प्रारंभ होने से 15 मिनट बाद पहुंची। महिला ने पुलिसकर्मियों से निवेदन किया कि वह अस्वस्थ होने के कारण बाहर दवा लेने गई थी, लेकिन लौटते समय गेट बंद हो चुका था। परीक्षा केंद्र के सुरक्षा प्रभारी ने नियमों का हवाला देते हुए उसे प्रवेश नहीं दिया।

दो दिवसीय सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

एजेंसी

जींद। सुपर सुरक्षा के बीच दो दिवसीय सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। दूसरे दिन कुल 24738 परीक्षार्थियों में से 23338 परीक्षार्थियों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी। सुबह के सत्र में 11738 और शाम के सत्र में 11600 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 1400 बच्चे अनुपस्थित रहे। डीसी, एसपी समेत अन्य अधिकारी रहे फील्ड में रहे और लगातार परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। परीक्षार्थियों को सुविधाजनक तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रोडवेज ने भी पूरी सतर्कता दिखाई। हालांकि दो दिनों में प्रशासन को मिले 25 जुडवाओं ने थोड़ी परेशानी जरूर पैदा की। बावजूद इसके वेरिफिकेशन व अन्य जांच के बाद इन बच्चों की भी परीक्षा दिलवाई गई। इसके अलावा बायोमेट्रिक को लेकर भी थोड़ी परेशानी रही। पहले सत्र में 11589 और दूसरे सत्र में 11819 परीक्षार्थियों ने पेपर दिया 1588 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इसी तरह दूसरे दिन कुल 24738 परीक्षार्थियों में से 23338 परीक्षार्थियों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी। सुबह के सत्र में 11738 और शाम के सत्र में 11600 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। 1400 बच्चे अनुपस्थित रहे। दोनों दिन कुल 49738 परीक्षार्थियों में से 46746 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दोनों ही दिन कुल 2988 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजकीय महाविद्यालय में आयोजित सीईटी परीक्षा के दौरान एक महिला उम्मीदवार से मंगलसूत्र उतरवाने की मांग को लेकर हंगामा भी हुआ। रायचंदवाला रोड पर दालमवाला पब्लिक स्कूल में बने परीक्षा सेंटर पर अभ्यार्थियों को प्रश्न पत्र की सील चेक करवाए बिना ही पेपर बांट दिया। जिस पर आपत्ति जताई। हिसार जिले के बहबलपुर गांव का रामधन दोपहर बाकी शिफ्ट में परीक्षा के लिए दो बजकर दो मिनट पर जींद बस अड्डे पर पहुंचा। रामधन का परीक्षा केंद्र दालमवाला पब्लिक स्कूल में था जो कि जींद शहर से बाहर गांव दालमवाला में स्थित है। परीक्षा में एंट्री का समय 2 बजकर 15 मिनट तक का था। रामधन परीक्षा के लिए लेट होता दिखा तो जीएम राहुल जैन ने अपनी गाड़ी में बैठा कर ड्राइवर को परीक्षा केंद्र तक छोडने के निर्देश दिए। ड्राइवर रविंद्र ने टीम सदस्य अनूप लाठर के साथ रामधन को समय पर स्कूल पहुंचाया।

सीईटी परीक्षा के दूसरे दिन जो अभ्यर्थी देर होने के कारण अपने घर वापस नहीं लौट सके, वह अभ्यर्थी सोमवार को भी एडमिट कार्ड दिखाकर रोडवेज और परिवहन समिति की बस में परीक्षा केंद्र से अपने गृह जिला के लिए निशुल्क यात्रा कर सकेंगे। 26 और 27 जुलाई को दो दिन तक सीईटी परीक्षा के दौरान रोडवेज, स्कूली बस, परिवहन समिति की बसों के माध्यम से अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी गई। इसके लिए रोडवेज, परिवहन समिति, स्कूली बस स्टाफ और शिक्षक सहित अन्य कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

मन की बात से आत्मबल और राष्ट्रनिर्माण को नई दिशा : डा. अरविंद

एजेंसी

सोनीपत। प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से देशवासियों में आत्मबल बढ़ता है और राष्ट्र निर्माण को नई दिशा मिलती है। अपने कैंप कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुनने के बाद डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्रीकी सकारात्मक सोच ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की वापसीका प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेख किया जाना हर देशवासी के लिए गर्व का क्षण है, जिसस युवाओं में विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति नई जिज्ञासा जागृत हुई है प्रधानमंत्री द्वारा ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा को मंत्री ने ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह मिशन भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा से नई पीढ़ी को

जोड़ने का कार्य करेगा। साथ ही जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों को भी उन्होंने उल्लेखनीय बताया। डॉ. शर्मा ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे अधिकाधिक स्थानों पर मन की बात कार्यक्रम का आयोजन करें, ताकि यह जन-जागरण का माध्यम बन सके और हर नागरिक इससे प्रेरणा प्राप्त कर सके।

देश की संस्कृति, संस्कार और देशवासियों की सफलता मन की बात कार्यक्रम के आधार: धनखड़

एजेंसी

झज्जर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात से युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा और जिंदगी में कुछ अच्छा करने की नई उर्जा प्राप्त होती है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने बादली में कार्यकर्ताओं संग पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 124 वें संस्करण को सुनने उपरांत यह बात कही। उन्होंने मौजूद कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पीएम मोदी का यह कार्यक्रम राजनीतिक नहीं है, यह कार्यक्रम देश की संस्कृति, संस्कारों और देशवासियों की सफलता की कहानियों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्यक्रम है। आज के संस्करण में साईंस, स्पोटर्स और टेक्सटाइल के क्षेत्र में सफलता की प्रेरक बातें शामिल रही, वहीं देश की संस्कृति और धरोहरों के बारे में जागृत करने के

लिए प्रेरित किया । धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी का स्पष्ट मत है कि विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है। पहले चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग और अब हाल की में शुभांषु शुक्ता की स्पेस यात्रा से युवाओं में साइंस के प्रति नई जागृति पैदा हुई है। हमारे प्रतिभाशाली युवा स्पेस के क्षेत्र में नये नये स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस ओलंपिक खेलों में भारत की सफलता की प्रशंसा करते हुए खिलाडियों को बधाई दी। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि मोदी जी के 11 वर्ष के सेवाकाल में लागू की कल्याणकारी नीतियों का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में मददगार बनें। अपने पन्ने, बूथ और क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर लें जिनको अभी तक किसी कारणों से योजना का लाभ नहीं मिला है, उनको जरूर योजना का लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष अमित गुभाना, सरपंच आनंद नीटू बादली, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विनोद बाढ़सा सहित पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बुजुर्गों के पास मनोबल का भंडार, भविष्य के विकास की योजना बनाएँ: हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि बुजुर्गों के पास अनुभव का भंडार है। बुद्धिजीवी वरिष्ठ नागरिकों को इस अनुभव का इस्तेमाल करते हुए क्षेत्र के विकास में भी सहयोग करना चाहिए। तरक्की कभी रुकनी नहीं चाहिए। जो विकास कार्य हुए हैं उनसे हमारा मनोबल बढ़ना चाहिए और भविष्य के विकास की योजना बनाई जानी चाहिए। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने यह बात करनाल जिला में घरौंडा के बीआरएम कॉलेज में वरिष्ठ नागरिकों के साथ आयोजित बैठक में में कही। उन्होंने शहर के एक पार्क में बुजुर्गों के लिए यहां मीटिंग हॉल बनवाने का वादा किया, वहीं उन्हें वरिष्ठ नागरिक क्लब अथवा समिति के गठन की सलाह भी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बुजुर्गों की जिम्मेदारी यह देखने की भी है कि जो स्कूल, कॉलेज, अस्पताल आदि बनवाए गए हैं वे ठीक से कार्य कर रहे हैं या नहीं। इन पर खर्च की गई राशि का सदुपयोग हो रहा है या नहीं। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों को उचित शिक्षा व संस्कार प्राप्त हो रहे हैं या नहीं, सड़कों पर स्वच्छता कैसी है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को सलाह दी कि वे क्लब अथवा सोसायटी अथवा ग्रुप का गठन करें कार्यकारिणी की महीने में एक बार और जरनल बॉडी की बैठक भी कुछ अंतराल बाद शहर के ऑडिटोरियम में आयोजित करें।

वरिष्ठ नागरिक भी शहर के विकास बारे विचार करें। उनकी एक दृष्टि परिवार पर और दूसरी क्षेत्र पर होनी चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को भी किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो उस पर भी सबको मिलकर विचार करना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से पार्क में हॉल बनवाने का वादा किया। कहा कि घरौंडा को और अधिक सुंदर और स्वच्छ बनाना है।

मोदी के विचारों से विकास और प्रेरणा की नई राह: बडौली

एजेंसी

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत में नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के हर विचार में देश को विकास की दिशा देने वाली प्रेरणा समाहित होती है। उनका संबोधन नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करता है। बड़ौली ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह देशहित, जनभागीदारी और नवाचारों को बढ़ावा देने वाला संवाद है। प्रसारण में प्रधानमंत्री ने विज्ञान, विरासत और युवा प्रेरणा जैसे अनेक विषयों को छुआ। महाराष्ट्र और तमिलनाडु के मराठा किलों की ऐतिहासिक महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इन्हें यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जा सकता है, जो गर्व की बात है। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला जैसे प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों का उल्लेख कर देशवासियों को गौरवान्वित किया। चंद्रयान-3 की सफलता की चर्चा

करते हुए उन्होंने विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति युवाओं में जिज्ञासा बढ़ानेपर बल दिया। प्रधानमंत्री ने अमेरिका में आयोजित विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों में भारत की ऐतिहासिक सफलता की सराहना की तथा जानकारी दी कि वर्ष 2029 में ये खेल गुजरात में आयोजित किए जाएंगे। इस पर बड़ौली ने कहा कि भारत की वैश्विक पहचान दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रही है।

सोनीपत में 70 लाख की विकास योजनाओं का शुभारंभ

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने मिलकर लगभग 70 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का रविवार शुभारंभ नारियल तोड़कर किया। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने दोनों जनप्रतिनिधियों का फूलमालाओं से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। निखिल मदान ने बताया कि वार्ड 13 के न्यू कबीरपुर में 39 लाख की लागत से वसुंधरा गार्डन के पास मुख्य गली को सीमेंट कंक्रीट (सीसी) से पक्का किया जाएगा। शांति विहार की दो गलियों का निर्माण भी इसी तकनीक से होगा। कैलाश कॉलोनी में दून स्कूल के पीछे दो गलियों को 4.5 लाख की लागत से पक्का किया जाएगा। साथ ही आईटीआई चौक से साई मंदिर तक पेयजल आपूर्ति के लिए 4.5 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन बिछाई जाएगी। मेयर राजीव जैन ने बताया कि वार्ड 4 के स्वतंत्र नगर (पूर्व में खान कॉलोनी) में 18 लाख रुपये की लागत से गली और नालियों के निर्माण कार्य की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि बरसात के कारण कुछ सड़क कार्यों में देरी हो रही है, लेकिन अगले माह सभी निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जाएंगे। विकास कार्यों के शुभारंभ

अवसर पर निगम पार्षद संगीता सैनी, बबीता कौशिक, देवेंद्र सैनी, त्रिभुवन कौशिक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके उपरांत विधायक निखिल मदान ने बूथ 96 पर कार्यकर्ताओं संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 124वां संस्करण सुना, जिसमें खेल प्रतिभाओं, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में शक्ति केंद्र प्रमुख वासुदेव सुखीजा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीईटी को हरियाणा ने बनाया पर्व: नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सीईटी को संपन्न करवाने के लिए हरियाणा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने टीम के रूप में कार्य किया है। इसलिए यह आयोजन पर्व का रूप बन गया है। मुख्यमंत्री ने यह बात पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला स्थित पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर महीने के अंतिम मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की प्रतिभाओं (ऐसे व्यक्तित्व जिन्होंने समाज और देश के लिए अच्छा काम किया है) और संस्कृति आदि के संबंध में देशवासियों को अवगत करवाते हैं। इससे देश को प्रेरणा मिलती है। मन की बात का कार्यक्रम ज्ञानवर्धक है। सीईटी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसी व्यवस्थाएं की जिससे अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न आए और वे खुशनुमा माहौल में परीक्षा दें। उन्होने कहा कि चाहे प्रशासनिक अधिकारी हों, पुलिस या रोडवेज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हों, सभी ने एक टीम के

रूप में काम किया। इसके अलावा अभ्यर्थियों के अभिभावकों और अन्य लोगों ने भी कई स्थानों पर छबीलें लगाई। इस बार सीईटी को हरियाणा ने एक पर्व बना दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने लगाया रूद्राक्ष का पौधा

मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल के प्रांगण में रूदाक्ष का पौधा लगाया। इस मौके पर उन्होंने संदेश दिया कि हमें पर्यावरण के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी लोग हर शुभ अवसर पर पेड़ पौधे लगाने का संकल्प लें और खुद भी पौधा रोपण करें और दूसरों से भी कराएं।

रेवाड़ी में सीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण :अभ्यर्थियों ने व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के तत्वावधान में आयोजित कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) परीक्षा का आयोजन शनिवार और शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। रेवाड़ी जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका और बेहतर समन्वय के चलते परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। जिले में कुल 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें नारनौल और महेंद्रगढ़ जिलों के अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर डीसी अभिषेक मीणा और एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने दोनों ही दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा व्यवस्थाओं, सुरक्षा और अभ्यर्थियों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्रों तक लाने और वापिस भेजने के लिए हरियाणा राज्य परिवहन और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की ओर से विशेष बस सेवाएं चलाई गईं। एसडीएम एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सचिव सुरेश कुमार तथा रेवाड़ी डिपो के महाप्रबंधक प्रदीप कुमार ने पूरी टीम के साथ परिवहन प्रबंधों की निगरानी की।

शहर में मुख्य बस अड्डे से अन्य जिलों को जाने वाले परीक्षार्थियों को रवाना किया गया, जबकि शटल बस सेवाओं के जरिए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक समय पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई। रेवाड़ी लघु सचिवालय में बनाए गए कंट्रोल रूम से डीसी अभिषेक मीणा ने लाइव मॉनिटरिंग की। सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जोड़ा गया था, जिससे परीक्षा के दौरान की हर गतिविधि पर निगरानी रखी गई। जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी की टीम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी की गई। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। परीक्षा अवधि के दौरान पुलिस बल पूरी तरह अलर्ट रहा और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रही। संदेह की स्थिति में पुलिस द्वारा तत्काल जांच की गई। परीक्षा में शामिल होने आए अभ्यर्थियों ने जिला प्रशासन और हरियाणा सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। परीक्षार्थियों ने कहा कि बसों, सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों पर सभी इंतजाम व्यवस्थित और सहूलियत भरे रहे।

शंघाई में रोबोट डॉग्स 2025 विश्व एआई कांफ्रेंस में कंपनी के बूथ पर डांस करते हुए। इस कांफ्रेस में विश्व की सबसे नई एआई तकनीक की जानकारी दी गयी है।

हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 5 अगस्त से खुलेगा

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश स्थित टोलवे ऑपरेटर और ईपीसी इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए 5 अगस्त से खुलेगा और 7 अगस्त को बंद होगा। इस पब्लिक इश्यू का प्राइस बैंड 70 प्रति शेयर तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 25 के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जिससे लगभग 35.71 फीसदी लिस्टिंग गेन की संभावना बनती है। आईपीओ में 97.5 करोड़ मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 4 अगस्त को खुलेगा और शेयरों का आवंटन 8 अगस्त को फाइनल होगा। कंपनी के शेयर 12 अगस्त से स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे। हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का मुख्य कारोबार टोलवे कलेक्शन, ईपीसी प्रोजेक्ट्स और रियल एस्टेट से जुड़ा है। मई 2025 तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 666.3 करोड़ की रही, जिसमें से

606.8 करोड ईपीसी सेगमेंट और 59.5 करोड़ टोलवे बिजनेस से आए। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय में 77 फीसदी हिस्सा टोलवे कलेक्शन और 21 फीसदी ईपीसी से आया।

सोने के भाव 97,900, चांदी की कीमत 1 लाख के पार

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव सोमवार को तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के शुरुआती कारोबार में नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉंट्रेक्ट 33 रुपये की तेजी के साथ 97,852 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,819 रुपये था। इस समय यह 81 रुपये की तेजी के साथ 97,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 113 रुपये की तेजी के साथ 1,13,165 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,052 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 87 रुपये की तेजी के साथ 1,13,139 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,321.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,335.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,333.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल

टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.28 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.36 डॉलर था। इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 38.41 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोशल मीडिया और ट्रेडिंग से कमाने वालों के लिए आईटीआर नियम बदले

मुंबई । इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-3 और आईटीआर-4 फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब सोशल मीडिया, स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग और कमीशन जैसे डिजिटल या असंगठित क्षेत्रों से कमाई करने वालों को अपनी आय नए प्रोफेशनल कोड्स के तहत दिखानी होगी। इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर लगाम लगाना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नया कोड 16021 निर्धारित किया गया है। ऐसे व्यक्ति, जो यूट्यूब, इंस्टाग्राम या ब्लॉगिंग जैसे प्लेटफॉर्म से कमाई करते हैं, उन्हें अपनी आय इसी कोड के तहत दिखानी होगी। यदि वे अनुमानित आय योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो उन्हें आईटीआर-4 फॉर्म और धारा 44एडीए के तहत रिटर्न भरना होगा। इसी तरह शेयर बाजार और डेरिवेटिव्स में व्यापार करने वालों के लिए भी अलग कोड जारी किए गए हैं- एफएंडओ ट्रेडिंग- 21010, कैपिटल मार्केट ट्रेडिंग- 21011, सट्टा कारोबार- 21009 और कमीशन एजेंट- 09029। एफएंडओ या शेयर ट्रेडिंग करने वालों को अब आईटीआर-3 फॉर्म में अपनी पूरी आय, खर्च और लाभ-हानि की जानकारी देनी होगी। पहले टैक्सपेयर्स सामान्य कोड का उपयोग करते थे, जिससे आय के स्रोतों को समझना मुश्किल होता था। नए कोड्स से न केवल करदाताओं की सही श्रेणी तय होगी, बल्कि टैक्स विभाग के लिए भी डिजिटल आय की निगरानी करना आसान होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 572 , निफ्टी 156 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंकों की गिरावट के साथ ही 80,891.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 156.10 अंक टूटकर 24,680.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह भी बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और केवल सात कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसी प्रकार 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी की केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि 35 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.23 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स के शेयर 1.00, आईसीआईसीआई बैंक 0.82, पावरग्रिड 0.43, एचडीएफसी बैंक 0.18, आईटीसी 0.11 और इंफोसिस के शेयर 0.03 फीसदी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयर 3.64, भारती एयरटेल 2.35, टाइटन 2.17, टीसीएस 1.76, बीईएल 1.48, एचसीएल टेक 1.47, एक्सिस बैंक 1.25, अडाणी पोर्ट्स 1.21, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.17, एसबीआई 1.16, एटरनल 1.09, टाटा स्टील 1.08, ट्रेंट 0.89, टेक महिंद्रा 0.81, टाटा मोटर्स 0.73, एलएंडटी 0.61, मारुति सुजुकी 0.57, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.34 फीसदी टूटकर बंद हुए। आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

फार्मा को छोड़कर, बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। प्रेस्टीज और ओबेरॉय रियल्टी के शेयरों में गिरावट के कारण रियल्टी शेयरों पर दबाव बना रहा। मिडकैप

शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप शेयरों में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार जानकारों के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की लगातार निकासी और एशियाई बाजारों से कमजोर संकेतों से भी बाजार गिरा है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 81,299 पर खुला। इसी तरह निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,782 पर खुला।`` फिलहाल यह 58.85 अंक की गिरावट लेकर 24,778 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। निवेशक आज स्टॉकहोम में शुरू होने वाली अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता पर और स्पष्टता का इंतज़ार कर रहे थे।

अगस्त में 15 दिन बैंक रहेंगे बंद

- त्योहारों के अलावा रविवार और शनिवार के नियमित अवकाश भी शामिल

नई दिल्ली ।

अगस्त का महीना त्योहारों और राष्ट्रीय छुट्टियों से भरा रहेगा, जिससे देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। इस महीने कुल 15 दिन बैंक अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे। इनमें त्योहारों के अलावा रविवार और शनिवार के नियमित अवकाश भी शामिल हैं। बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश होता है, साथ ही रविवार को सभी बैंकों में छुट्टी रहती है। अगस्त 2025 में त्योहारों की भरमार के कारण कई अतिरिक्त छुट्टियां भी रहेंगी। महीने की शुरुआत 3 अगस्त को रविवार के साथ होगी, जब सभी बैंकों में छुट्टी रहेगी। 8 अगस्त को सिक्किम में टें डोंग लो रम फाट के कारण गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। 9 अगस्त को रक्षा बंधन और झूलन यात्रा जैसे पर्व मनाए जाएंगे। साथ ही यह दूसरा शनिवार भी होगा, जिससे देशभर के बैंकों में अवकाश रहेगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, पारसी नववर्ष और जन्माष्टमी एक साथ पड़ने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 16 अगस्त को कई राज्यों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा, जिनमें भोपाल, पटना, जयपुर, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहर शामिल हैं। 19 अगस्त को अगरतला में महाराज बीर बिक्रम की जयंती के कारण बैंक नहीं खुलेंगे। 25 अगस्त को असम में श्रीमंत शंकर देव की तिथि पर गुवाहाटी में अवकाश रहेगा। 27 और 28 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी, जिसके कारण मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और पणजी समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा 10, 17, 24 और 31 अगस्त को रविवार होने की वजह से देशभर में बैंकिंग सेवाएं बाधित रहेंगी। 23 अगस्त को चौथा शनिवार होने से भी बैंक बंद रहेंगे। इसलिए बैंक से जुड़े कार्यों की योजना बनाने से पहले अवकाश की तारीखों की जांच अवश्य कर लें। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं हालांकि सामान्य रूप से चालू रहेंगी।

टीसीएस करेगी 12,000 कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अगले साल अपने वैश्विक वर्कफोर्स में से करीब 2 प्रतिशत (लगभग 12,000 कर्मचारी) कम कर सकती है। कंपनी के इस फैसले के पीछे तेजी से बदलती तकनीक, खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नए ऑपरेटिंग मॉडल्स की ओर बढ़ता रुझान है। टीसीएस के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि कंपनी काम करने के अपने तरीके में बदलाव कर रही है और बड़ी संख्या में एआई का उपयोग कर रही है। इसके साथ ही भविष्य की जरूरतों के अनुसार स्किल्स का मूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ भूमिकाएं ऐसी हैं जो अब भविष्य में जरूरी नहीं रहेंगी, इसलिए यह फैसला लेना अनिवार्य हो गया है। कंपनी में जून 2025 तक कुल 6.13 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। यदि 2 प्रतिशत की छंटनी होती है, तो यह करीब 12,000 कर्मचारियों पर असर डालेगी। यह छंटनी खासतौर पर मिड और सीनियर लेवल के कर्मचारियों पर केंद्रित होगी। हाल ही में टीसीएस ने अपनी बेंच नीति में भी बदलाव किया है। अब कर्मचारियों को साल में कम से कम 225 दिन बिल योग्य रहना होगा और बेंच टाइम 35 दिन से कम रखना जरूरी होगा।

सरकारी और निजी कंपनियों को हर साल कराना होगा साइबर सिक्योरिटी ऑडिट

साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लिया गया यह फैसला

नई दिल्ली ।

भारत सरकार की डिजिटल जोखिम विश्लेषण एजेंसी इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों को साल में कम-से-कम एक बार थर्ड पार्टी साइबर सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा। यह पहली बार है जब निजी क्षेत्र के लिए ऐसा निर्देश जारी किया गया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, यह नियम उन सभी संगठनों पर लागू होगा जिनके पास डिजिटल सिस्टम, प्रक्रियाएं या इंफ्रास्ट्रक्चर है, या वे उसका संचालन करते हैं। इसके अलावा, किसी भी बड़े तकनीकी बदलाव, सिस्टम ओवरहॉल या कॉन्फ़िग्रेशन बदलाव से पहले भी साइबर ऑडिट जरूरी होगा। सीईआरटी-इन ने कहा है कि ऑडिट प्रक्रिया जोखिम आधारित और डोमेन-विशिष्ट होनी चाहिए, जो संबंधित कंपनी के कार्य क्षेत्र, खतरे की स्थिति और परिचालन जरूरतों के

अनुरूप हो। संगठनों को अब जोखिम मूल्यांकन, पेनिट्रेशन टेस्टिंग, नेटवर्क और सूचना सुरक्षा ऑडिट, सोर्स कोड समीक्षा, और एप्लिकेशन सुरक्षा परीक्षण जैसे उपायों को अपनाना होगा। इसके साथ ही न्यूनतम विशेषाधिकार नीति को लागू करना भी जरूरी होगा, ताकि कर्मचारियों को केवल उनकी भूमिका के अनुसार ही सीमित पहुंच दी जा सके।

रिमोट एक्सेस देने वाले संगठनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी एक्सेस एन्क्रिप्टेड, टनल्ड और लॉग की गई हो। यह निर्णय बढ़ते साइबर खतरों और संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के मद्देनज़र लिया गया है। इससे साइबर स्वच्छता को देशभर में एक नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.69 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.43 पर पहुंच गया। अमेरिका-भारत शुल्क वार्ता के केंद्र में बने रहने के कारण स्थानीय मुद्रा में तेजी हालांकि सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने से अमेरिकी डॉलर, रुपये के मुकाबले मजबूत बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सकारात्मक रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.43 के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 97.61 पर आ गया।

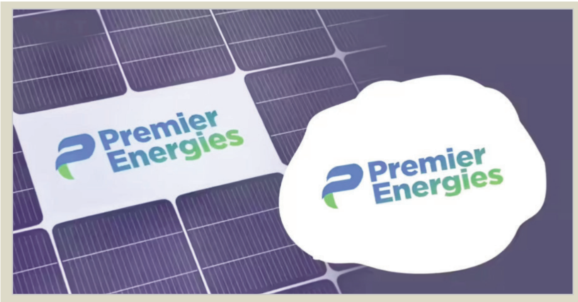

प्रीमियर एनर्जीज का मुनाफा 55 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 55 फीसदी बढ़कर 307.8 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष 198.1 करोड़ था। इस दौरान कुल राजस्व 1,668.7 करोड़ से बढ़कर 1,869.6 करोड़ हो गया। कर-पूर्व लाभ भी 402.9 करोड़ तक पहुंचा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि ये परिणाम विनिर्माण में सुधार और नई परियोजनाओं की प्रगति का नतीजा हैं, जिससे कंपनी की भविष्य की वृद्धि की दिशा स्पष्ट होती है।

एम्बर ग्रुप ने यूनिट्रोनिक्स में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एम्बर ग्रुप की सहायक कंपनी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने इस्राइली कंपनी यूनिट्रोनिक्स (आईएलजेआईएन) में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह डील करीब 403.78 करोड़ की ऑल-कैश डील होगी। आईएलजेआईएन, यूनिट्रोनिक्स के 56.24 लाख शेयर एनआईएस 27.75 प्रति शेयर की दर से खरीदेगी, जिससे उसे कंपनी में 40.24 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। इस सौदे के बाद यूनिट्रोनिक्स के साथ मिलकर आईएलजेआईएन की कुल नियंत्रण हिस्सेदारी 45.13 फीसदी हो जाएगी। यूनिट्रोनिक्स औद्योगिक ऑटोमेशन और स्मार्ट लॉजिस्टिक्स समाधान देने वाली अग्रणी इस्राइली कंपनी है। इस निवेश से एम्बर ग्रुप को वैश्विक टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन सेक्टर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अवसर मिलेगा, साथ ही स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में भी आगे बढ़ने का रास्ता खुलेगा।

छढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे 4,000 बीएसएनएल टावर

रायपुर । केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बताया कि सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल संचार को मजबूत करने के लिए 4,000 नए मोबाइल टावर लगाने की योजना पर काम कर रही है। यह टावर सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल द्वारा स्थापित किए जाएंगे। मंत्री चंद्रशेखर तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं, जहां उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद टावरों की स्थापना चरणबद्ध ढंग से की जाएगी। उन्होंने कहा बीएसएनएल देशभर में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं प्रदान कर रही है। इन नए टावरों के माध्यम से हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल संपर्क पहुंचाने के मिशन को गति दे रहे हैं। मंत्री ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य 'मिशन मोड' में किए जा रहे हैं और सरकार का उद्देश्य है कि हर घर तक जरूरी सेवाएं पहुंचे। इसके तहत स्कूलों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है जिससे छात्रों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। साथ ही दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधाएं देने की भी व्यवस्था की जा रही है। इस पहल से न केवल संचार व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि ग्रामीण विकास, शिक्षा और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

एयरटेल की नेक्सट्रा ने एम्पिन के साथ किया समझौता

- नए समझौते के बाद दोनों कंपनियों के बीच ऊर्जा साझेदारी 200 मेगावाट से अधिक हुई

नई दिल्ली । एयरटेल की अनुषंगी कंपनी नेक्सट्रा ने सोमवार को एम्पिन एनर्जी के साथ एक नए समझौते के तहत 125.65 मेगावाट अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा हासिल करने की घोषणा की। इस नए समझौते के बाद दोनों कंपनियों के बीच कुल नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी 200 मेगावाट से अधिक हो गई है। नेक्सट्रा बाय एयरटेल और एम्पिन एनर्जी ट्रांजिशन ने इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़े सौर-पवन हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से यह नई ऊर्जा साझेदारी की है। इससे पहले भी नेक्सट्रा ने एम्पिन एनर्जी से करीब 75 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

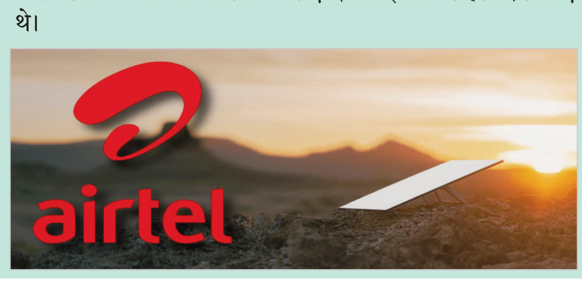

भारत का पासपोर्ट, सीधी यात्रा सुविधा बढ़ी

विनीत नारायण

भारतीय पासपोर्ट की यह नई प्रतिष्ठा केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है-यह भारत की विश्व छवि, उसकी विदेश नीति, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके नागरिकों के आत्मविश्वास की संयुक्त अभिव्यक्ति है। इसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना हमारी समष्टि और संकल्प दोनों का परीक्षण होगा।

अब हमारे नागरिक 59 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 57 थी। इस सूची में इस बार फि लीपींस और श्रीलंका जैसे देश भी शामिल हुए हैं। यह बढ़ी हुई पहुंच न केवल यात्रियों के लिए सहूलियत है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए द्वार भी खोलती है। वीजा की लंबी, खचीर्ली और जटिल प्रक्रिया अब कई देशों में बाधा नहीं रही।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 में भारत ने उल्लेखनीय छलांग लगाई है। पिछले वर्ष की 85वीं रैंक से ऊपर उठकर अब भारतीय पासपोर्ट 77वें पायदान पर है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्वीकार्यता और ताकत का संकेत है। इसका लाभ भारतीय नागरिकों को सीधी यात्रा सुविधा के रूप में मिल रहा है-और यह भारत की अर्थव्यवस्था, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव के लिए भी शुभ संकेत है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दरअसल एक वैश्विक मानक है, जो यह मापता है कि किसी देश का नागरिक बिना वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल के कितने देशों की यात्रा कर सकता है। इस मापदंड में भारतीय पासपोर्ट का सुधार स्पष्ट करता है कि अब हमारे नागरिक 59 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 57 थी। इस सूची में इस बार फि लीपींस और श्रीलंका जैसे देश भी शामिल हुए हैं।

यह बढ़ी हुई पहुंच न केवल यात्रियों के लिए सहूलियत है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए द्वार भी खोलती है। वीजा की लंबी, खचीर्ली और जटिल प्रक्रिया अब कई देशों में बाधा नहीं रही। इससे आकस्मिक यात्राएं आसान होती हैं, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल तेजी से विदेश जा सकते हैं, और छात्र व शोधकर्ता भी नए अवसरों तक पहुंच बना सकते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह एक सकारात्मक संकेत है कि भारत एक खुली, जुड़ने लायक अर्थव्यवस्था है।

इस सुधार के पीछे कई कारक हैं। भारत सरकार ने बीते वर्षों में विभिन्न देशों के साथ वीजा-नीति को लेकर जो द्विपक्षीय संवाद किया है, वह रंग लाया है। विदेश मंत्रालय की सक्रिय कूटनीति और रणनीतिक साझेदारियों ने वीजा-संबंधी नीतियों को उदार बनाने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, भारत की तेज आर्थिक प्रगति और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका भी कारण है कि दुनिया भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ करने के लिए तत्पर दिखती है।

किसी भी देश की पासपोर्ट रैंकिंग उसकी राजनीतिक स्थिरता और आंतरिक सुरक्षा की स्थिति से भी जुड़ी होती है। भारत ने बीते कुछ वर्षों में अपने आंतरिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपनी स्थिर छवि बनाई है। डिजिटल पासपोर्ट सेवा प्रणाली ने इस प्रक्रिया को और पारदर्शी और कुशल बनाया है, जिससे नागरिकों के लिए पासपोर्ट प्राप्त करना और उपयोग करना अधिक सहज हो गया है।

कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक यात्रा पर जो ब्रेक लगा था, वह अब धीरे-धीरे हट रहा है। देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते फिर से सक्रिय हो रहे हैं, और वैश्विक गतिशीलता में फिर से संचार हो रहा है। यही रुझान पासपोर्ट रैंकिंग में सुधार का आधार भी बने हैं।

लेकिन इस बढ़ती ताकत को स्थायी बनाना और आगे ले जाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। विदेश मंत्रालय को चाहिए कि उन देशों से सतत संवाद बनाए रखे जहाँ भारतीय नागरिकों को अब भी सख्त वीजा नियमों का सामना करना पड़ता है-विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ भारतीय छात्रों, कारोबारियों और सैलानियों की बड़ी उपस्थिति है।

एक मजबूत अर्थव्यवस्था मजबूत पासपोर्ट की बुनियाद होती है। इसलिए भारत को अपनी आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी, अंतरराष्ट्रीय संधियों और नियमों का पालन करना होगा, ताकि वैश्विक विश्वसनीयता और अधिक गहरी हो।

भारत को उन देशों से भी संवाद बढ़ाना चाहिए जो ई-वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल जैसी सुविधाएं नहीं देते। यह यात्रा को न सिर्फ सुविधाजनक बनाता है, बल्कि विदेशों में भारत की सकारात्मक छवि को भी मजबूत करता है। साथ ही सरकार को पासपोर्ट धारकों को यह जानकारी भी देनी चाहिए कि वे किन देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। सार्वजनिक जागरूकता अभियानों, विदेश मंत्रालय की वेबसाइट, और राजदूतावासों की जानकारी प्रणाली को इसके लिए बेहतर बनाया जा सकता है।

ह्यअतिथि देवो भवह्न की भारत की परंपरा भी हमारी ह्यसॉफ़्ट पावरह्न को मजबूत करती है। जब विदेशी नागरिक भारत आते हैं और यहां की संस्कृति, विविधता और उदारता से प्रभावित होते हैं, तो उनकी सरकारों पर भी भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का दबाव बनता है। इससे वीजा संबंधी उदारता भी बढ़ती है।

बेशक, पासपोर्ट रैंकिंग में यह प्रगति एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, पर लक्ष्य अभी और बड़ा है। भारत की विदेश नीति पर हालांकि विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के संदर्भ में देखा जाए, तो आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि उस समय कोई भी वैश्विक शक्ति खुलकर भारत के साथ खड़ी नहीं दिखी।

वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम उनके हस्तक्षेप से ही हुआ। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस बयान का बार-बार खंडन किया है। ऐसे मामलों से यह स्पष्ट होता है कि भारत की विदेश नीति केवल भावनाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक प्राथमिकताओं और भू-राजनीतिक संतुलनों पर आधारित होती है।

भारत एक ऐसा देश है, जिसे अमेरिका, रूस और चीन सभी अपनी रणनीति में शामिल रखना चाहते हैं। भारत के विशाल बाजार, उसकी रणनीतिक स्थिति और वैश्विक महत्व ने उसे एक अनिवार्य साझेदार बना दिया है-लेकिन इसके साथ ही चुनौतियाँ भी उतनी ही जटिल हैं। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति और चीन के साथ शक्ति-संतुलन बनाए रखने की जरूरत के बीच भारत को सावधानी से अपने हितों की रक्षा करनी होती है।

अतः, भारतीय पासपोर्ट की यह नई प्रतिष्ठा केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है-यह भारत की विश्व छवि, उसकी विदेश नीति, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके नागरिकों के आत्मविश्वास की संयुक्त अभिव्यक्ति है। इसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना हमारी समष्टि और संकल्प दोनों का परीक्षण होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी है)

संपादकीय

सौ बार सोचेगा पाकिस्तान

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के कथन से पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि अब संयम बरत कर सारे षड़्यंत्र झेलना भारत की नियति नहीं है। भारत अब बदल गया है और अपने खिलाफ किसी भी हरकत का मुंहतोड़. जवाब देता है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। करगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक संदेश था और साथ ही यह पूरे देश को गहरा जख्म देने वाले पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब भी था। इस बार भारत केवल शोक में नहीं डूबा, बल्कि उसने दिखाया कि दिल दुखाने वालों को निर्णायक जवाब मिलेगा।

आपरेशन सिंदूर ने एक बात तो साबित कर दी है कि जरूरत पड़ने पर अब इस सोच-विचार में समय खराब नहीं किया जाता कि सेना को सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर तक ही सीमित रहना है। अब भारत जरूरत होने पर पाकिस्तान में अंदर तक घुस कर भी आतंकी ठिकानों पर कहर बरपा सकता है और आतंकवाद की पोषक पाकिस्तानी सेना के ठिकानों की भी चूलें हिला सकता है। दुश्मन को कड़ा जवाब देना भारत के लिए अब सामान्य बात है। भारत की एकता, अखंड़ता और संप्रभुता को चुनौती देने या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने पर ऐसा ही जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने निदोर्षो को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पाकिस्तान में नौ महत्त्वपूर्ण आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया। आतंकियों के बचाव में भारत की कार्रवाई रोकने के लिए पाकिस्तान के आक्रामक प्रयासों को सेना ने विफल किया। भारत ने शांति का मौका दिया लेकिन पाकिस्तान ने कायरता दिखाई। आठ-नौ मई को पाकिस्तानी कार्रवाई का ऐसा जवाब दिया गया जिसे पाक कभी भूल नहीं पाएगा। हमारी सेना की वायु रक्षा एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही जिसे पाकिस्तान की कोई भी मिसाइल या ड्रोन भेद नहीं सका। अब भारत रुोद्र ब्रिगेड़ की स्थापना करने जा रहा है, इसके तहत एक ही स्थान पर पैदल सेना, मशीनीकृत पैदल सेना, बख्तरबंद इकाइयां, तोपखाना, विशेष बल और मानवरहित हवाई इकाइयां होंगी जो साजोसामान और युद्ध संबंधी सहायता प्रदान करेंगी। सेना ने विशेष बल भैरव लाइट कमांड़ो इकाई का भी गठन किया है जो दुश्मन से निपटने को हमेशा तैयार रहेगी। अब पाकिस्तान की परमाणु शक्ति होने की धौंस नहीं चलने वाली।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ''आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

चीन और पाकिस्तान का पक्का इलाज करने के लिए सेना बना रही है रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन

नीरज कुमार दुबे

भारतीय सेना अपनी युद्धक क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनर्गठन कर रही है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घोषणा की है कि सेना नई 'रुद्र ब्रिगेड' और 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' का गठन कर रही है। देखा जाये तो यह कदम भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया देने और भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

रुद्र ब्रिगेड के बारे में जानें

हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसमें इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिट्स शामिल होंगे। इन ब्रिगेड्स को एकीकृत कमांड स्ट्रक्चर के तहत रखा जाएगा, जिससे युद्ध के दौरान विभिन्न शाखाओं में बेहतर समन्वय हो सके। ब्रिगेड की संरचना ऑपरेशनल क्षेत्र और भूमिका के आधार पर अलग-अलग होगी।

मैदानी इलाकों में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक रेजीमेंट और स्वचालित आर्टिलरी के साथ तेज गति वाले आक्रामक ऑपरेशन किये जा सकेंगे। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में इन्फैंट्री बटालियन और हाई-एल्टीट्यूड युद्ध के लिए सक्षम आर्टिलरी इकाइयां काम आयेंगी। हम आपको बता दें कि प्रत्येक रुद्र ब्रिगेड में ड्रोन आधारित निगरानी, एरिया सैचुरेशन वेपन और रियल-टाइम इंटेलिजेंस का समावेश होगा। इससे सीमाई परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ेगी।

भैरव लाइट कमांडो बटालियन के बारे में जानें

वहीं भैरव लाइट कमांडो बटालियन की बात करें तो आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड्स के साथ-साथ सेना 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' भी बना रही है। ये पारंपरिक स्पेशल फोर्सेस की तरह गहरे रणनीतिक ऑपरेशन पर केंद्रित नहीं होंगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों में त्वरित आक्रमण, गतिशीलता और तेज प्रभाव पैदा करने के लिए तैनात की जाएंगी। ये बटालियन हल्की, चपल और छोटे पैमाने पर त्वरित ऑपरेशनों में विशेषज्ञ होंगी। ये बटालियन हमेशा तैयार रहेंगी ताकि सीमा पर दुश्मन को चौंका सकें।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना की मौजूदा 250 सिंगल-आर्म ब्रिगेड्स (लगभग 3,000 सैनिकों वाली) को सभी युद्धक शाखाओं से लैस ब्रिगेड्स में बदला जा रहा है। ये नई संरचनाएं लॉजिस्टिक सपोर्ट के साथ आत्मनिर्भर होंगी। प्रारंभिक चरण में इन्हें सीमित संख्या में तैयार किया जा रहा है। यह अवधारणा सेना की पुरानी इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) योजना पर आधारित है।

क्यों जरूरी हैं रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन? जहां तक यह सवाल है तो आपको बता दें कि भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान जैसे दो मोर्चों पर सक्रिय खतरों से घिरी हुई हैं। भविष्य के युद्ध तेज गति और बहु-दिशात्मक हमलों की मांग करते हैं। इन नई इकाइयों से सेना तेज तैनाती (12-48 घंटे), बेहतर समन्वय और उन्नत अग्नि-शक्ति के साथ दुश्मन को जवाब दे सकेगी।

IBG क्या है?

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) को देखें तो आपको बता दें कि IBG पारंपरिक ब्रिगेड से बड़ी और डिवीजन से छोटी स्व-निर्भर युद्ध इकाई होती है (करीब 5,000 सैनिक)। इसमें इन्फैंट्री, आर्मर्ड, आर्टिलरी, इंजीनियर और सपोर्ट सर्विसेज शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आक्रमण की स्थिति में 12-48 घंटे में तैनाती की जा सके। फिलहाल दो IBG बनाए जाने की योजना हैः 9 कॉर्प्स (पाकिस्तान सीमा पर), 17 स्ट्राइक कॉर्प्स (चीन सीमा पर)

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना का भविष्य दृष्टिकोण तकनीक आधारित तेज युद्धक क्षमता पर आधारित है। इसलिए सेना ने हाल के वर्षों में युद्धक क्षमताओं को आधुनिक बनाने पर जोर दिया है। जैसे-ड्रोन प्लाटून अब अधिकांश इन्फेंट्री बटालियनों का हिस्सा हैं। आर्टिलरी रेजीमेंट को लॉइटरिंग म्युनिशन (ऊ५८२३१ कार्यक्रम) से लैस किया गया है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन इन तकनीकों को एकीकृत कर युद्ध में सटीकता और तेजी लाएंगी।

भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में जो बड़े बदलाव स्पष्ट नजर आ रहे हैं वह हैं- सेना अब पारंपरिक धीमी गति वाले ऑपरेशनों से हटकर तेज, लचीले और बहु-आयामी हमलों पर जोर दे रही है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं पर तेज प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएंगी। ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी और नेटवर्क आधारित युद्धक क्षमता सेना को फ्यूचर-रेडी बनाएगी। इन ब्रिगेड्स को अलग से सैनिक या सपोर्ट भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिक्रिया समय घटेगा।

बहरहाल, रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव है। यह न केवल सेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि भारत अब तेजी, सटीकता और तकनीक से लैस युद्धक शक्ति के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है।

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

योगेश कुमार गोयल

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर ह्यकुशह्न नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्राजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए ह्यनाग पंचमीह्न त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

लुधियाना में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप नहर में गिरी, 4 की मौत, कई लापता

- नैना देवी के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना जिले में देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें हिमाचल प्रदेश के माता नैना देवी मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी महिंद्रा पिकअप गाड़ी जगेड़ा नहर पुल के पास असंतुलित होकर नहर में जा गिरी। इस हादसे में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 से 4 लोग अभी भी लापता हैं। पिकअप में लगभग 24 से 26 लोग सवार थे, जो लुधियाना के मानकवाल गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि गाड़ी ओवरलोड थी और एक वाहन को ओवरटेक करते समय गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह सीधे नहर में गिर गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मदद के लिए आवाज लगाई और रेस्क्यू टीमों को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासन की टीमों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। अब तक करीब 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा और प्रशासन ने बचाव कार्यों को तेजी से अंजाम देने के लिए टीमों को अलर्ट पर रखा है। हादसे में घायल हुए कई लोग हुसैनपुरा गांव के निवासी हैं, जिनमें सरबजीत कौर, सुरिंदर सिंह, जसविंदर कौर, स्वर्णजीत कौर, भाग सिंह, काका सिंह, कमलजीत कौर और संदीप कुमार शामिल हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान जरनैल सिंह (52), मंजीत कौर (58), सुखमन कौर (डेढ़ साल) और आकाशदीप सिंह (8 वर्ष) के रूप में हुई है। शवों को रात लगभग 2 बजे लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायतार्थ हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

कौन होगा नया उपराष्ट्रपति, एनडीए-इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार को लेकर कर रहे मंथन

-राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदारों में, चुनाव आयोग ने शुरु की प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को जल्द ही नया उपराष्ट्रपति मिलने वाला है और इसके लिए सियासी हलचल तेज हो गई है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही अपने-अपने उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप दे रहे हैं। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है और राज्यसभा के महासचिव को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी अपने संगठन से जुड़े किसी अनुभवी और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध चेहरे को उम्मीदवार बना सकती है। इसके लिए साथी दलों की सहमति भी ली जाएगी। ओबीसी समुदाय से आने वाले किसी नेता का नाम चर्चा में है, तो वहीं जेडीयू से राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदार माने जाते हैं। उनके सरकार से अच्छे संबंध हैं। बीजेपी ने हमेशा इन पदों के लिए चौंकाने वाले नाम दिए हैं।

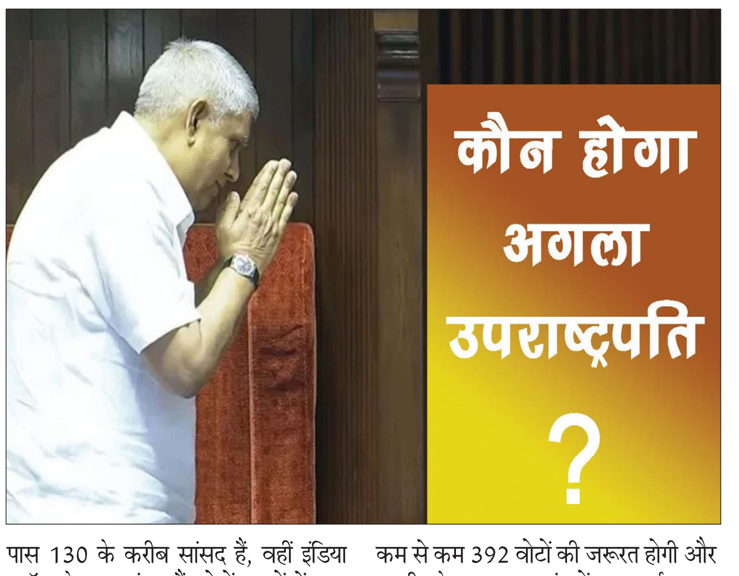

बता दें लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है, जबकि इंडिया ब्लॉक के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में एनडीए के पास 130 के करीब सांसद हैं, वहीं इंडिया ब्लॉक के 79 सांसद हैं। दोनों सदनों में कुल सदस्य संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद के लिए कम से कम 392 वोटों की जरूरत होगी और एनडीए के पास 423 सांसदों का समर्थन माना जा रहा है। ऐसे में एनडीए के उम्मीदवार का उपराष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है।

एनडीए के पास साफ बहुमत है, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन ने साफ कर दिया है कि वे इस चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार उतारेंगे, ताकि राजनीतिक संदेश दिया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों कहा था कि इंडिया ब्लॉक की बैठक जल्द होगी और सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष का मानना है कि संख्या पूरी तरह उनके खिलाफ नहीं है और उन्हें मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए। बता दें पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर कहा कि वे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और डॉक्टरों की सलाह मानने के लिए इस्तीफा दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ राज्यसभा के सभापति भी थे, इसलिए इस पद की खाली जगह को भरना संसदीय कार्यप्रणाली के लिहाज से बेहद जरुरी है।

योगी आदित्यनाथ के नाम रिकॉर्ड, यूपी के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री पद पर रहकर रचा इतिहास

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए राज्य के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत का आठ वर्ष 127 दिन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब तक आठ वर्ष चार माह और 10 दिन का प्रभावी कार्यकाल पूरा कर लिया है। इससे पहले

मुलायम सिंह यादव छह वर्ष 274 दिन, संपूर्णानंद पांच वर्ष 345 दिन, अखिलेश यादव पांच वर्ष चार दिन और नारायण दत्त तिवारी तीन वर्ष 314 दिन मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे हैं। भाजपा का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का यह कार्यकाल न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक है, बल्कि शासन के प्रत्येक क्षेत्र में सुधार, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास की गति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने वाला कालखंड भी है। अपराध और अराजकता से जूझते यूपी को मुख्यमंत्री योगी ने 'नए उत्तर प्रदेश' में बदलने का काम किया, जहां कानून का राज सर्वोपरि है और शासन व्यवस्था सुशासन का पर्याय बन चुकी है। विगत आठ वर्षों में योगी सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। गोरखपुर से एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई मेगा प्रोजेक्ट्स इसके उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

अमरनाथ यात्रा : 1,635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी रवाना

-अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। । 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। सोमवार को 1635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर में दशनामी अखाड़ा भवन के अंदर श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह हुआ। अधिकारियों ने बताया कि छड़ी पूजन 29 अगस्त को नाग पंचमी के दिन इसी मंदिर में मनाया जाएगा। वहीं, छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा 4 अगस्त को पवित्र गुफा से शुरू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि सोमवार को 1,635 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू से रवाना हुआ। 17 वाहनों का पहला काफिला 374 यात्रियों को लेकर सुबह 3.25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 42 वाहनों का दूसरा काफिला 1,261 यात्रियों को लेकर सुबह 4 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। अमरनाथ यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन का दिन है।

महुआ मोइत्रा मामले में सीबीआई ने लोकपाल को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने लोकसभा में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से जुड़े पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के कथित मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी जानकारी देकर बताया कि सीबीआई ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बीते साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

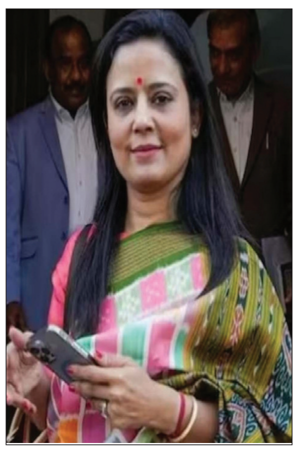

महुआ पर भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने और हीरानंदानी से रिश्वत व अन्य अनुचित लाभ लेकर 'अपने संसदीय विशेषाधिकारों से समझौता करने का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने लोकसभा सदस्य होने के नाते मिली लॉगिन आईडी और पासवर्ड शेयर करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने मामले में अपनी जांच के निष्कर्ष लोकपाल को सौंप दिए हैं, जो आगे की कार्रवाई तय करेगा।

बात दें कि मोइत्रा बीते लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से जीती थीं। दिसंबर 2023 में उन्हें 'अनैतिक आचरण के आरोप में सदन से निष्कासित किया था। महुआ ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लोकपाल ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की ओर से मोइत्रा पर लगे आरोपों की प्रारंभिक जांच के आधार पर सीबीआई को निर्देश जारी किए। बीजेपी सांसद दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कैश और गिफ्ट लेकर संसद में सवाल पूछे थे।

आयोग के ताजा आंकड़ों ने चौंकाया- बड़ी संख्या में घट सकती है मतदाताओं की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या आमतौर पर बढ़ती रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 1977 के बाद से हुए सभी विधानसभा चुनावों (2000 में झारखंड बनने के बाद बिहार की बची विधानसभा सीटों के आधार पर) और 2004 के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों (झारखंड बनने के बाद पहला लोकसभा चुनाव) के आंकड़ों की जांच की। इस दौरान हर लगातार चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी, सिवाय 2005 के फरवरी और अक्टूबर विधानसभा चुनावों के बीच, जब मतदाताओं की संख्या 52.7 मिलियन से घटकर 51.3 मिलियन (2.5 प्रतिशत की कमी) हो गई।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (सर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तरह बिहार में मतदाताओं की संख्या में स्पष्ट कमी आई है। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होनी है। 2005 में हुए दो विधानसभा चुनावों के बाद से पहली बार कमी आई है।

बिहार जैसे उच्च प्रजनन दर वाले राज्य में मतदाताओं की संख्या में कमी आना 2005 में भी हैरान करने वाला था, जब 2003 के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दो साल बाद और लोकसभा चुनाव के बाद यह कमी देखी गई। बिहार की उच्च प्रजनन दर के कारण 2001 से 2011 की जनगणना के बीच राज्य में वयस्कों की संख्या 28.5 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, इस दौरान राज्य से पलायन की दर भी तेज हुई। 2025 में अब तक के एसआईआर में देखी गई मतदाताओं की संख्या में कमी को अभी सुधारने का समय है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्ति की अवधि में मतदाताओं को फिर से सूची में जोड़ा जा सकता है। साथ ही, जो युवा 1 अक्टूबर तक 18 साल के हो जाएंगे, उन्हें भी इस दौरान मतदाता सूची में शामिल किया जा सकता है। इससे आंकड़ों में थोड़ा बदलवा हो सकता है। 2005 का रुझान दिखाता है कि बिहार में मतदाताओं की संख्या में कमी आना असंभव नहीं है। लेकिन, अगर 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2020 के विधानसभा चुनाव (73.6 मिलियन) या 2024 के लोकसभा चुनाव (77.3 मिलियन) से कम रहती है, तो यह बिहार में दुर्लभ घटना होगी। 24 जून को 78.9 मिलियन मतदाताओं से 27 जुलाई को 72.4 मिलियन तक 8 प्रतिशत की कमी, 2005 में फरवरी से अक्टूबर के बीच 2.5 प्रतिशत की कमी से भी बड़ी और तेज गिरावट है, जो एक साल से कम समय में हुई।

निमिषा प्रिया के परिवार का यमन पहुंचना : हूती प्रशासन को धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन की जेल में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया का परिवार, इसमें उनकी बेटी मिशेल और पति थॉमस शामिल हैं, यमन के सना पहुंच गया है। ईसाई इवैंजलिस्ट केए पॉल ने यमन के हूती प्रशासन से निमिषा प्रिया को रिहा करने की अपील की है। उन्होंने निमिषा की फांसी टालने के लिए हूती प्रशासन को धन्यवाद भी दिया है। पहले निमिषा की फांसी की तारीख 16 जुलाई तय की गई थी, लेकिन सुन्नी ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार की मध्यस्थता के बाद टाल दिया गया था। केए पॉल ने हूती विद्रोहियों के नेता अब्दुल मलिक अल हूती को न्यूयॉर्क में सितंबर में होने वाली ग्लोबल पीस समिट में शामिल होने का न्यौता भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रेम घृणा से ज्यादा ताकतवर होता है और यमन में शांति स्थापित करने के लिए प्रयासों का आग्रह किया। हालांकि, भारत और अमेरिका सहित कई देश यमन के हूती प्रशासन को मान्यता नहीं देते हैं, जिससे निमिषा प्रिया के मामले में मध्यस्थता आसान नहीं है। मृतक यमनी नागरिक तलाल अब्दो के परिवार ने ब्लड मनी लेने से इंकार कर दिया है।

सपा प्रमुख का सवाल: आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

-एशिया कप में भारत-पाक क्रिकेट मैच होने पर विदेश नीति की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले, भारत की विदेश नीति और यूवी की योगी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए आतंकवाद, विदेश नीति की असफलता और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों पर बात की। चिंदबरम के बयान पर अखिलेश ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार से जवाब मांगा और कहा कि इस हमले में शामिल आतंकियों की सटीक जानकारी जनता को नहीं दी गई। अखिलेश ने पूछा कि पिछले हमलों में शहीद हुए जवानों के बारे में भी पूरी जानकारी क्यों नहीं दी गई? आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

पहलगाम हमले के बाद भारत ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ सभी रिश्ते खत्म हो जाएंगे, लेकिन एशिया कप में दोनों देशों के बीच फिर से क्रिकेट मैच होने पर अखिलेश ने विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी विदेश नीति असफल रही हैं। भारत का सम्मान कई देश करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कोई हमारे साथ खड़ा नहीं होता है। उन्होंने चीन के साथ व्यापार पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत चीन को इतना व्यापार दे रहा है, फिर भी हमारी सीमाओं पर खतरा बरकरार है। सरकार को 10 साल का कार्यक्रम बनाना चाहिए, जिसमें चीन का सामान भारत में न आए। जैसे नोटबंदी और कोविड में थाली बजाने जैसे अभियान चले, वैसे ही स्वदेशी को बढ़ावा देने का अभियान चले।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कोई उपलब्धि नहीं है। अगर काम न करने का रिकॉर्ड बनता, तो सीएम योगी पहले नंबर पर होते। उन्होंने डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लखनऊ से दिल्ली तक कोई सुरंग खोद रहा है, लेकिन जनता को इसका पता नहीं। विकास के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है। अखिलेश ने जनता से जागरूक रहने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने की अपील की।

कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की... 2024 से जुलाई 2025 के बीच

हवेरी जिला में सबसे ज्यादा 128 किसानों ने की आत्महत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का संकट थम नहीं रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 से जुलाई 2025 के बीच कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की। 1 साल 4 महीने के वक्त में इतनी खुदकुशी किसानों की दयनीय स्थिति को दिखाती है। यह स्थिति राज्य में कृषि संकट और अपर्याप्त समर्थन की गंभीर तस्वीर बंया करती है। हवेरी जिला इस सूची में सबसे शीर्ष है, जहां अब तक 128 किसानों ने आत्महत्या की। इसके बाद मैसूरु (73), धारवाड़ (72), और बेलगावी (71) का नंबर आता है। वहीं, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी, और कोलार जिलों में कोई भी किसान आत्महत्या दर्ज नहीं हुई।

अन्य जिलों में हासन (47), बीदर (45), शिवमोग्गा (45), गदग (44), यदगिर (43), दावणगेरे (42), चिक्कमगलूरु (39), मांड्या (39), बागलकोट (35), चित्रदुर्गा (34), विजयपुरा (27), रायचूर (25), कोप्पल (25), तुमकुरु (17), उत्तर कन्नड़ (14), दक्षिण कन्नड़ (1), कोडगु (1), बल्लारी (1), और चामराजनगर (1) में आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

कर्नाटक सरकार ने 807 प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया है, लेकिन 18 मामलों में राहत अभी भी लंबित है। किसानों की आत्महत्या के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, जैसे कर्ज का बोझ, फसल की विफलता, कम आय, और बाजार तक पहुंच की कमी। इसके अलावा कर्नाटक में बार-बार सूखा, अनियमित बारिश, और महंगे कृषि निवेश ने किसानों को आर्थिक तंगी में धकेला है। हालांकि कर्नाटक सरकार ने समय-समय पर कर्ज माफी, बीज और उर्वरक सब्सिडी दी है। सरकार की ओर से गठित समितियों और राहत पैकेज के बावजूद, आत्महत्याओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। किसान संगठनों और विपक्षी दलों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि किसानों को उचित फसल मूल्य, ऋण राहत और बेहतर सिंचाई सुविधाएं प्रदान की जाएं।

लाडकी बहिन योजना पर बोले डिप्टी सीएम अजित- करेंगे कार्रवाई और वापस ली जाएगी रकम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से इसका लाभ लिया। इस मामले में अब डिप्टी सीएम अजित का बयान सामने आया जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि ऐसा हुआ है तो कार्रवाई की जाएगी और रकम वापस ली जाएगी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इन 14,298 पुरुषों ने 10 महीनों तक सीधे नकद प्राप्त करके राज्य के खजाने को 21.44 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है। पिछले साल शुरू की गई इस योजना के तहत 2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों की 21 से 65 साल की आयु की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए देने का वादा किया गया है। यह धनराशि उनके स्वास्थ्य, पोषण और सामान्य कल्याण के लिए है। एनसीपी (एसपी) की वर्किंग प्रेसिडेंट सुप्रिया सुले ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री माझी लाड़ली बहना स्कीम के तहत करीब 14,000 पुरुषों को फायदा मिल रहा है। इन परुषों को करीब 21 करोड रुपए दिए गए हैं।

गुजरात में केजरीवाल और बिहार में प्रशांत राजनीति में एक ही राह पर

-दोनों ने ही बीते उपचुनावों में अपने प्रतिद्वंदियों को दिखा दी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता अरविंद केजरीवाल और जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर राजनीति में एक ही राह पर हैं। दोनों की राजनीतिक गतिविधियों को देखकर लगता है, दोनों ने इलाका अलग-अलग चुना है। अरविंद केजरीवाल गुजरात में सक्रिय हैं, तो प्रशांत बिहार में जन सुराज मुहिम चला रहे हैं। केजरीवाल और प्रशांत में एक और कॉमन बात है, दोनों ही बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। केजरीवाल ने अभी गुजरात में आम आदमी पार्टी के चुनावी एक्शन प्लान के बारे में कुछ नहीं बताया। अपनी सरकार बनाने का दावा तो हर पार्टी चुनावों में करती है, प्रशांत भी कर रहे हैं। केजरीवाल तो 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में ही ऐसा दावा कर चुके हैं। केजरीवाल और प्रशांत दोनों ने बीते उपचुनावों में अपनी अहमियत तो दर्ज कराई दी है और इसलिए उनके दावों को सीधे सीधे खारिज भी नहीं किया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने तो अभी गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत दिलाई और 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी को पहली बार में ही 10 फीसदी वोट दिलाकर प्रशांत ने भी सबका ध्यान खींचा है। गुजरात की विसावदर सीट और पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव उस दौर में हुआ, जब केजरीवाल दिल्ली चुनाव में पार्टी की हार से अंदर तक हिल चुके थे। शायद दिल्ली शराब घोटाले में जेल भेजे जाने से भी ये बड़ा झटका था, लेकिन केजरीवाल ने आगे का सफर ऐसे प्लान किया जैसे गूगल मैप गलत टर्न ले लेने पर री-रूट करने के बाद नया रास्ता बना देता है और नया रास्ता केजरीवाल को उस पड़ाव तक तो पहुंचा ही दिया, जहां वह पहुंचना चाहते थे।

विसावदर और लुधियाना वेस्ट की जीत ने केजरीवाल में जोश भर दिया है और वह उत्साह के साथ गुजरात के चुनावी मैदान में कूद चुके हैं, जबकि चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं। सवाल है कि आने वाले गुजरात चुनाव में केजरीवाल को क्या हासिल होने वाला है? विसावदर की जीत, ऐसी बातें समझने का आधार तो हो सकती है, लेकिन मॉडल नहीं। विसावदर में जाहिर है, आप ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को शिकस्त दी है, लेकिन ये भी नहीं भूलना चाहिये कि उन्हीं मानदंडों की मिसाल है, जो अरविंद केजरीवाल की कामयाबी का फॉर्मूला है। बता दें विसावदर भी आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस के हिस्से में ही थी। बीजेपी तो जीत के लिए पहले से ही जूझ रही है।

गुजरात में केजरीवाल का रोल तो वोटकटवा जैसा ही है, और बिहार में वैसा ही प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी करने वाली है। गुजरात में तो साफ है कि केजरीवाल कांग्रेस का ही वोट काटेंगे और बीजेपी को उसका फायदा मिलेगा। नए सिरे से देखें तो जो व्यवहार दिल्ली में कांग्रेस ने आपप के साथ किया, बिल्कुल वैसा ही और फायदा बीजेपी को मिलना तय है, जिस रास्ते प्रशांत किशोर का कैंपेन चल

रहा है, उससे तो यही लगता है कि आरजेडी और कांग्रेस के साथ-साथ प्रशांत के उम्मीदवार नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को भी नुकसान पहुंचाएंगे। जैसे 2020 में चिराग पासवान ने डैमेज किया था। चिराग का निशाना साफ नजर आ रहा था, प्रशांत का छिपा हुआ एजेंडा है। ऊपर से चिराग और प्रशांत दोनों ही एक-दूसरे की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। कुछ न कुछ तो अंदर ही अंदर पक रहा है।

क्या आप भी सुबह खाली पेट पीते हैं चाय? हो जाएं सावधान

भारतीय घरों में लोग ज्यादातर अपने दिन की शुरुआत चाय के साथ करना पसंद करते हैं। शायद उनकी यह सोच बन चुकी है कि सुबह-सुबह चाय पिए बगैर उनकी आंख नहीं खुलती। मगर शायद आप नहीं जानते कि आपकी यह सोच आपको धीरे-धीरे बीमार करती जा रही है। आज हम बात करेंगे सुबह के वक्त दूध वाली चाय पीने के नुकसान और साथ ही जानेंगे दूध वाली चाय की जगह आप किस तरह से अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं...

एसिडिटी

यदि आप खाली पेट चाय पीते हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती है। गर्म चाय का सेवन एसिडिटी पैदा करता है और खाने को पचाने वाले रसों पर बुरा प्रभाव डालता है।

कब्ज

कई लोग समझते हैं कि सुबह उठकर चाय पीने से पेट साफ होता है। मगर चाय पीने से पेट साफ नहीं बल्कि पेट की आंते कमजोर होती हैं, जिससे आप कब्ज के शिकार होते हैं।

कैंसर

सुबह-सुबह दूध वाली मीठी चाय पीने से आप कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में भी आ सकते हैं।

मूड-खराब

चाय पीने से एसिडिटी बनती है, जिस वजह से आप सारा दिन गुस्से में और चिड़चिड़े बने रहते हैं।

वजन बढ़ना

खाली पेट दूध वाली मीठी चाय पीने से आपका वजन भी बढ़ता है, जिस वजह से आप एक्टिव होने की बजाय सुस्त महसूस करने लगते हैं।

अल्सर का खतरा

सुबह-सुबह चाय पीने से पेट में जख्म होने लगते हैं, जिसे डॉक्टरी भाषा में अल्सर का नाम दिया जाता है। तो ये थे सुबह खाली पेट चाय पीने के नुकसान, अब बात करेंगे सुबह उठकर आपको कौन सी चाय पीनी चाहिए।

ग्रीन-टी

सुबह के वक्त ग्रीन-टी पीने से आप दिन भर एक्टिव फील करते हैं। ग्रीन-टी आपकी बॉडी के लिए एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। जो आपको डायबिटीज, कैंसर और हाई बीपी जैसी बीमारियों से बचाकर रखती है।

ब्लैक-टी

जो लोग दिन-भर घर से बाहर रहते हैं, उनके अंदर काफी हद तक धुआं और प्लयूशन जा चुका होता है। ऐसे में ब्लैक-टी पीने से धुएं के संपर्क की वजह से फेफड़ों को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। यह हार्ट-स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने का काम करती है।

लेमन-टी

दूध वाली चाय की जगह लेमन-टी पीएं। नींबू जहां आपकी बॉडी को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है वहीं आपको दिन भर एक्टिव रखने में भी मदद करता है। आप इसमें शहद डालकर चाय की गुणवत्ता को और भी बढ़ा सकते हैं।

सिंपल गुनगुना पानी

अगर आपको इनमें से कोई भी चाय नहीं पसंद तो आप दूध वाली चाय पीने की बजाय गुनगुने पानी में शहद मिलाकर दिन की शुरुआत करें।

जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बों की छुट्टी करेगा यह पैक

ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए आप बहुत कुछ करते होंगे पर क्या आपने कभी घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके देखा है? आज हम आपको एक ऐसा ही होममेड मास्क बताएंगे जो त्वचा को निखारने के साथ-साथ काले दाग-धब्बे, ब्लैकहेड्स, झाइयां और झुर्रियों जैसी समस्याओं को दूर करने में काफी असरदार है।

जरूर लगाएं सनस्क्रीन लोशन

सर्दी हो या गर्मी, धूप हमेशा ही स्किन को नुकसान पहुंचाती है। वहीं प्रदूषण, धूल-मिट्टी के कारण भी स्किन खराब होने लगती है। ऐसे में घर से बाहर जाते समय बॉडी पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। इस का का ध्यान रखें कि लोशन आपकी स्किन टाइप के हिसाब से हो। साथ ही बाहर जाने से कम से कम आधा घंटा पहले सनस्क्रीन लोशन अप्लाई करें। इससे आपको इन सभी समस्याओं से बची रहेंगी।

चलिए अब हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताते हैं, जिससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से छुटकारा पा सकती हैं।

कितनी बार लगाएं?

हफ्ते में कम से कम 2-3 बार यह मास्क लगाएं। महीनेभर में ही आपकी झाइयों की समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह मास्क जिद्दी दाग-धब्बों, पिंपल्स, झुर्रियों व डार्क सर्कल्स से भी छुटकारा दिलाएगा।

सामग्री

बेसन - 1 चम्मच

खीरे का रस - 1 चम्मच

बनाने का तरीका

बाउल में दोनों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और ध्यान रखें कि इसमें गांठे ना बने। अगर पेस्ट गाढ़ा हो तो उसमें खीरे का रस थोड़ा-सा मिक्स कर लें।

इस्तेमाल करने का तरीका

- सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह फेसवॉश से क्लीन करें, ताकि सारी धूल मिट्टी निकल जाएं।
- अब इस मास्क को चेहरे पर अप्लाई करें और 30-35 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद हल्का-सा पानी लगाकर मसाज करें और पेस्ट को ताजे पानी से धो लें।
- अगर आप रात को सोने से पहले यह मास्क लगाएंगे तो आपको ज्यादा अच्छा रिजल्ट मिलेगा।
- अब चेहरे पर क्रीम, लोशन या माइश्चराइजर लगाएं, ताकि स्किन ड्राई ना हो।

रेसिपी

बेसन ब्रेड टोस्ट

सामग्री

■ 4 ब्राइट ब्रेड ■ 1 प्याज बारीक कटी हुई ■ 1 टमाटर बारीक कटा हुआ ■ 1 हरी मिर्च बारीक कटी ■ हरी धनिया बारीक कटी ■ 1/2 कप बेसन ■ 4 छोटे चम्मच तेल ■ नमक स्वादानुसार

विधि

बेसन ब्रेड टोस्ट बनाने के लिए बाउल में बेसन, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया के पत्ती, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवा गर्म होने के लिए रख दें और आंच मीडियम रखें। अब ब्रेड स्लाइस लेकर इसे बेस्ट के पेस्ट में डालें और फिर तवे पर रखें। दोनों तरफ थोड़ा-थोड़ा तेल डालें जिससे ब्रेड तवे पर चिपके नहीं। बहुत ज्यादा ब्राउन न करें सुनहरा रंग का हो जाएं तो उतार लें। बाकी टोस्ट को भी ऐसे ही बना लें। हरी चटनी और चाय के साथ परोसें।

बथुए का साग

सामग्री

■ बथुआ- 500 ग्राम, टमाटर- दो (बारीक कटे हुए), हरी प्याज- 100 ग्राम बारीक कटी हुई, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, जीरा- ½ चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, सरसों तेल- 2 बड़े चम्मच, काली मिर्च पाउडर- ½ चम्मच, नमक- स्वादानुसार

विधि

बथुए के डंठल तोड़कर साफ कर लें और अच्छे से धोकर बारीक काट लें। हरी प्याज को भी धोकर बारीक काट लें। कढ़ाई को गर्म कर इसमें तेल डालें। गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। अब बारीक कटी हुई प्याज डालकर भूनें और गोल्डेन ब्राउन होने के बाद इसमें मटर, हरी प्याज भी डाल दें। 1-2 मिनट बाद काली मिर्च और स्वादानुसार नमक डाल दें। अब इसमें बथुए का साग डालकर अच्छे से चलाएं और फिर इसे ढककर पकाएं। जब साग पूरी तरह से गल जाएं तो आंच धीमी कर दें और इसका पूरा पानी सुखा लें। तैयार है बथुए का साग। जिसे आप लंच या डिनर किसी में भी सर्व कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5024

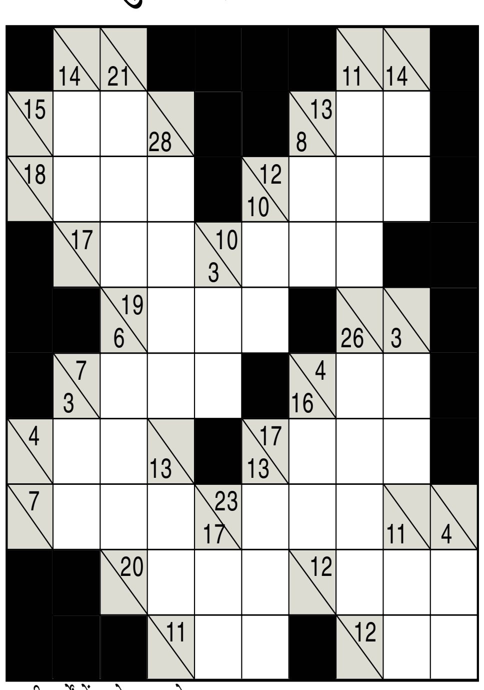

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

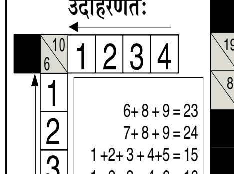

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5023 का हल

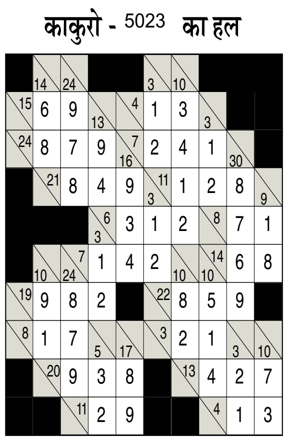

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5024

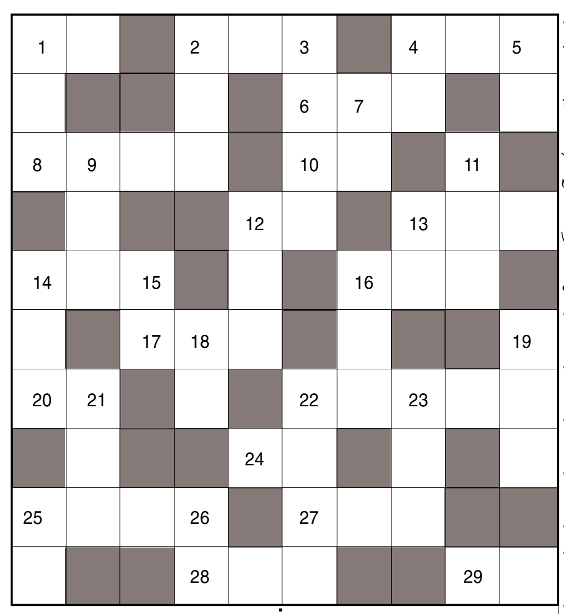

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5023

5024

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

5023

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 5024

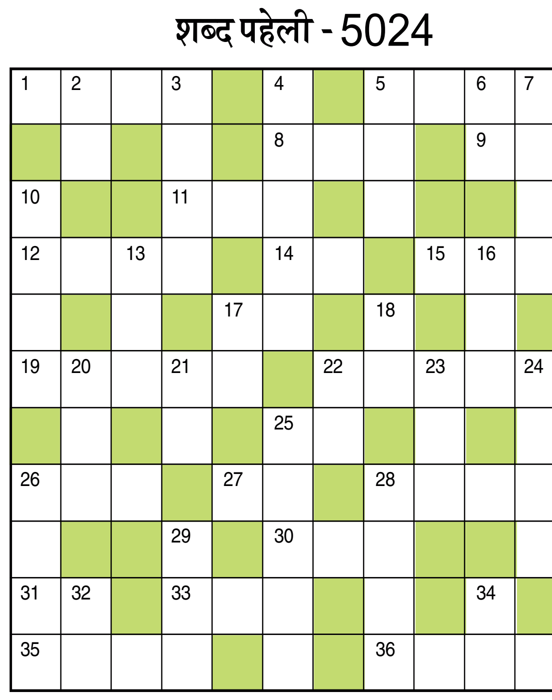

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -5023 का हल

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

एजेंसी
रांची। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रांची पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपित का नाम नित्यानंद पाल बताया गया है। एक वरीय अधिकारी ने सोमवार को गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपित ने नशे की हालत में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी। फोन करने वाले ने संजय सेठ से कहा था कि उसने कई लोगों की हत्या की है और अब मंत्री की बारी है। इसके बाद धमकी देने वाले ने एक मैसेज भी भेजा, जिसमें लिखा था आप पर गोली चलेगी। धमकी मिलने के बाद संजय सेठ ने तत्काल रांची और दिल्ली पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही रांची पुलिस सक्रिय हो गई और डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए धमकी देने वाले आरोपित को धनबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपित नशे की हालत में अक्सर किसी न किसी को फोन पर धमकी देता रहता था। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

छत्तीसगढ़: रायपुर में रंजीत सावरकर ने की हिंदू राष्ट्र की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित शदाणी दरबार में रविवार को राज्यस्तरीय हिंदू राष्ट्र अधिवेशन का आयोजन हुआ। यह अधिवेशन हिंदू जन जागृति समिति द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, वीर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर सहित देशभर से कई संत-महंत और समिति के कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में धर्मांतरण, हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, और भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच जैसे मुद्दों पर विचार प्रकट किए गए। वीर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने कहा कि जब जर्मनी, ब्रिटेन जैसे देशों के लोग अपनी पहचान पर गर्व करते हैं, तो भारत में लोग खुद को हिंदू कहने में झिझकते क्यों हैं? 100 करोड़ हिंदू होने के बावजूद एक भी हिंदू राष्ट्र नहीं है। यह हमारा अधिकार है कि हम बहुसंख्यक के रूप में अपनी सरकार और पहचान की मांग करें। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर सावरकर ने तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा जो देश हम पर आतंकवाद से घाव देता है, उसके साथ खेल क्यों? उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ एशिया कप में मैच खेलता है, तो पूरे क्रिकेट का बहिष्कार करें।

बाराबंकी मंदिर हादसा: भगदड़ में दो श्रद्धालुओं की मौत, पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सोमवार को हैदरगढ़ क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध अवसानेश्वर महादेव मंदिर में करंट की चपेट में आए दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि कई घायल हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को पांच- पांच लाख मुआवजा देने का ऐलान किया है। जिलाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल इलाज के बाद घर को रवाना हो गए। तो कुछ का उपचार चल रहा है। मौके पर कई बड़े अधिकारी मौजूद हैं। जिलाधिकारी (डीएम) शशांक त्रिपाठी ने बताया कि कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टिन शेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। जिस कारण हादसा हो गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी समुचित इलाज चल रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। नौ को त्रिवेदीगंज और छह को कोठी सीएचसी भेजा गया। गंभीर रूप से घायल 5 लोगों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है। दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। उधर, मुख्यमंत्री योगी ने बाराबंकी हादसे को लेकर दुःख प्रकट किया है। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त है।

कांग्रेस विधायकों का गिरगिट खिलौनों के साथ प्रदर्शन, ओबीसी आरक्षण पर सरकार को घेरा

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन से ही कांग्रेस के विधायक आक्रामक रुख अपनाए हुए है। सदन शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक हाथ में गिरगिट खिलौना व चित्र लेकर पहुंचे। उन्होंने राज्य सरकार पर ओबीसी आरक्षण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने और जातिगत जनगणना में पारदर्शिता को लेकर विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। विधायकों ने हाथों में सांकेतिक गिरगिट ले रखा था। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार गिरगिट से ज्यादा रंग बदलने वाली सरकार है। यह सरकार ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देना नहीं चाहती और जातीय जनगणना से बच रही है। इससे पहले विधायक दल की बैठक में भाजपा सरकार की नाकामी और वादाखिलाफी के मुद्दों को उठाने पर जोर दिया गया।

मैं काशी से सांसद, जब 'ऊं नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं : पीएम मोदी

एजेंसी
अरियलूर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिराई उत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि चोल राजाओं ने अपने राजनयिक और व्यापारिक संबंधों का विस्तार श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक किया था। ये भी एक संयोग है कि मैं शनिवार को ही मालदीव से लौटा हूं और अभी तमिलनाडु में इस कार्यक्रम का हिस्सा बना हूं। चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने सम्राट के सम्मान में स्मारक सिक्का भी जारी किया। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुति की गई, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मोदी भी भावविभोर हो गए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं काशी से सांसद हूं और जब मैं ऊं नमः शिवाय

सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है। बृहदेश्वर शिव मंदिर का निर्माण शुरू होने के 1000 साल के ऐतिहासिक अवसर पर सावन के पवित्र महीने में मुझे भगवान बृहदेश्वर शिव के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मिला है। मैंने इस मंदिर में देशभर के 140 करोड़ लोगों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। भगवान शिव का आशीर्वाद सभी को मिले, यही मेरी कामना है। इस दौरान पीएम मोदी ने हर-हर महादेव का जयकारा भी लगाया। सांस्कृतिक मंत्रालय की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि विभाग ने यहां अद्भुत प्रदर्शनी लगाई है। यह ज्ञानवर्धक और प्रेरक है। हमें गर्व होता है कि 1000 साल पहले हमारे पूर्वजों ने किस तरह मानव कल्याण को लेकर दिशा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जब देश की नई संसद का लोकार्पण हुआ, तो हमारे शिव आदीनम के संतों ने उस ऐतिहासिक आयोजन का आध्यात्मिक नेतृत्व किया था। तमिल संस्कृति से जुड़े सेंगोल को संसद में स्थापित किया गया। मैं आज भी उस पल को याद करता हूं तो गौरव से भर जाता हूं। उन्होंने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया वडोदरा की एल्सटॉम फैक्ट्री का दौरा, मेक इन इंडिया और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना

एजेंसी
वडोदरा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात के वडोदरा जिले के सावली में स्थित रेलवे के लिए कोच, लोकोमोटिव, बोगी और अन्य उपकरण बनाने वाली कंपनी एल्सटॉम की फैक्ट्री का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री का उत्पादन और रखरखाव का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत कर उनके सुझाव भी जाने। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस दौरान फैक्ट्री में उपयोग की जाने वाली सामग्री, डिजाइन प्रक्रिया, भारत में स्थानीय प्रतिभा के विकास और ग्राहक संतुष्टि को लेकर विस्तार से जानकारी ली। एल्सटॉम के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कंपनी हर ऑर्डर के लिए नया डिजाइन विकसित करती है और डिजाइन इन इंडिया की सोच को बढ़ावा दे रही है। इसके बाद उन्होंने भारत में बने इन कलपुर्जों की सराहना की, जो ऑस्ट्रेलिया, यूके, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और मैक्सिको जैसे देशों में निर्यात किए जा रहे हैं। वैष्णव के दौरे के दौरान फैक्ट्री में निवारक रखरखाव के लिए सेंसर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। उन्होंने एल्सटॉम और पश्चिम रेलवे के वडोदरा डिवीजन के बीच चल रही प्रशिक्षण साझेदारी की सराहना की और देश की सभी उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक को एल्सटॉम फैक्ट्री का दौरा कर इससे सीखने का सुझाव दिया।

चिराग को बिहार से नहीं, कुर्सी से मोह ज्यादा : तेजस्वी यादव

एजेंसी
पटना। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जाने पर बिहार की सियासत गरमा गई है। चिराग के इस बयान को लेकर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी विजय और सम्राट हो चुके हैं। चिराग पासवान ने बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर असंतोष प्रकट किया था। चिराग ने कहा था कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे ऐसी सरकार को समर्थन दे रहे हैं, जिसके प्रदेश में कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान हैं। चिराग के इस बयान को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, बिहार में अपराधी विजय और सम्राट हो चुके हैं। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है और चिराग पासवान भी सरकार के ही अंग हैं, जो मुद्दा उठा रहे हैं। यहां सरकार चुने हुए प्रतिनिधि नहीं, अपराधी ही चला रहे हैं। इस पर चिराग पासवान केवल अफसोस जता रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि चिराग केंद्रीय मंत्री हैं, उनके पांच-पांच

एमपी हैं। ऐसे में चिराग ये दिखा रहे हैं कि वे कितने कमजोर हो चुके हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा, चिराग ऐसी सरकार के मंत्री हैं, जिसके एक इंजन में अपराध और दूसरे इंजन में भ्रष्टाचार का इंजन लगा है। चिराग पासवान को कुर्सी से प्यार है, आप इतने कमजोर हो गए हैं कि सरकार में रहकर भी कुछ नहीं कर सकते। यह दिखाता है कि उनका बिहार से मोह कम, कुर्सी से ज्यादा है।÷ उन्होंने कहा कि 60 दिन में 100 से ज्यादा हत्या हुई हैं। इधर, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने चिराग पासवान के बयान पर तंज कसा। उन्होंने कहा, चिराग पासवान और प्रशांत किशोर एक हो गए हैं। प्रशांत किशोर को अब चिराग पासवान के रूप में मुख्यमंत्री के चेहरे की घोषणा कर देनी चाहिए।÷ उन्होंने कहा कि चिराग को दोनों में से एक का चुनाव करना होगा, दोनों जगह कैसे काम चलेगा? उन्होंने यह भी कहा कि चिराग जो भी सीट जीतेंगे, वह भाजपा और जदयू के लिए परेशानी होगी। उन्होंने चिराग को महागठबंधन में आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि सभी नेता तय कर लें कि किसी माफिया और अपराधी को टिकट न दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार में एनडीए को हराना होगा तो राहुल गांधी का विजन ही जरूरी है।

गुजरात के कई शहरों में भारी बारिश, अहमदाबाद के दसक्रोई तालुका में 10 इंच बारिश हुई

एजेंसी
गांधीनगर। गुजरात में मानसून के दौरान पूरे राज्य में व्यापक वर्षा देखने को मिल रही है। राज्य के कई शहरों में भारी हो रही है। इसी क्रम में आज सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश अहमदाबाद के दसक्रोई तालुका में लगभग 10 इंच दर्ज की गई है, जबकि खेड़ा के नडियाद और मेहमेदाबाद तालुकों में 8-8 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। गांधीनगर स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार खेड़ा के मातर तालुका में 7 इंच से अधिक, जबकि वसो, महुधा और कठलाल तालुकों में 5 इंच से अधिक वर्षा हुई है। इसके अतिरिक्त, आनंद के उमरेठ और खेड़ा तालुकों में लगभग 4-4 इंच बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा, राज्य के 8 तालुकों में 3 इंच से अधिक, 18 तालुकों में 2 इंच से अधिक, 30 तालुकों में एक इंच से अधिक तथा कुल 112 तालुकों में एक इंच से कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आज राज्य के सात जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। बनासकांठा, पाटन,

मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर और अहमदाबाद जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। कच्छ, सुरेंद्रनगर, गांधीनगर, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मोरबी, बोटाद, भावनगर, अमरेली, आनंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी और डांग में हल्की से मध्यम बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। आज उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात में भारी बारिश हुई है। खासकर अहमदाबाद में भारी बारिश हुई। जिसके कारण अहमदाबाद के कई इलाके पानी में डूब गए। अहमदाबाद में सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया है। जिसके कारण बीआरटीएस और एएमटीएस बसें भी पानी में फंस गईं। तो वहीं पालनपुर-छापी हाइवे पर गाड़ियाँ डूबने लगीं। साथ ही, मेहसाणा के सतलासणा में एक ट्रैक्टर भी पानी में डूब गया। मध्य प्रदेश में भारी बारिश के चलते इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध अलर्ट मोड पर हैं।

हिमाचल के कई जिलों में भारी वर्षा का येलो और ऑरेंज अलर्ट, अब तक 161 की मौत, 1506 करोड़ का नुकसान

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर मौसम के तेवर सख्त होने वाले हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के कई जिलों में 28, 29 और 30 जुलाई के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का दौर तो जारी रहेगा, लेकिन कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है।

28 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। वहीं चंबा और कुल्लू जिलों में भी गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। किन्नौर और लाहौल स्पीति जिलों

के लिए इस दिन कोई चेतावनी नहीं है। जबकि अन्य सभी 10 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। 29 जुलाई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है, जिसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा चम्बा, सोलन और सिरमौर में भी गरज और बिजली गिरने के साथ भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी हुआ है। अन्य जिलों में सामान्य बारिश की संभावना बनी हुई है।30 जुलाई को कांगड़ा, मंडी और कुल्लू जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, जबकि 31 जुलाई से मौसम में कुछ सुधार के आसार हैं और इस दिन किसी भी जिले के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, हालांकि बारिश की संभावना बनी रहेगी। मानसून के चलते हिमाचल प्रदेश में पहले से ही भारी नुकसान हुआ है। रविवार शाम तक राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में दो नेशनल हाईवे समेत 197 सड़कें बंद हैं। मंडी और कुल्लू जिलों में एक-एक नेशनल हाईवे अवरुद्ध है। अकेले मंडी जिले में 130 सड़कें और कुल्लू में 45 सड़कें बंद हैं। बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। प्रदेश में 75 ट्रांसफार्मर और 97 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। मंडी में 24 ट्रांसफार्मर और 38 पेयजल योजनाएं, कुल्लू में 47 ट्रांसफार्मर और कांगड़ा के धर्मशाला व नूरपुर उपमंडलों में 59 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

पंजाब में हथियार व ड्रग मनी के साथ आईएसआई समर्थित पांच आतंकी पकड़े गए

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सीमावर्ती जिला अमृतसर में पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई से जुड़े हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करके पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह भारत में हथियार और ड्रग्स भेजने के काम में शामिल था। पुलिस ने इनके पास से हथियार, गोलियां और नकदी बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि इस तस्करी गिरोह का संपर्क पाकिस्तान में आईएसआई एजेंटों से था। इनके पास से एक एके सैगा राइफल, दो मैगजीन,चार मैगजीन समेत दो ग्लॉक पिस्तौल, राइफल के 90 जिंदा कारतूस, दस पिस्टल कारतूस, साढ़े सात लाख रुपये ड्रग मनी, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि पकड़ी गई खेप नव उर्फ नव पंडोरी को सौंपी जानी थी, जो कुख्यात गैंगस्टर जग्गू

भगवानपुरिया का नजदीकी साथी माना जाता है। जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क आतंकवाद और गैंगस्टर गिरोहों के गठजोड़ का हिस्सा है। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस प्रदेश में आतंकवाद, संगठित अपराध और तस्करी जैसे अपराधों को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे चार सौ नए बीएसएनएल टावर : डॉ. पेम्मासानी

एजेंसी
रायपुर। केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चार सौ नए बीएसएनएल टावर लगेंगे। केंद्र सरकार इस योजना पर कार्य कर रही है। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी ने यह जानकारी रायपुर में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दी । इसमें ग्रामीण विकास विभाग, डाक विभाग, दूरसंचार विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इन टावरों की स्थापना के लिए सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया, बीएसएनएल आज देश में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं दे रहा है

और इस विस्तार के साथ हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुँचाने के मिशन को साकार कर रहे हैं। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को 'मिशन मोड' में लागू किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में सेवाएं घर-घर तक पहुँचाने की रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के तेज़ और प्रभावशाली क्रियान्वयन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं ग्रामीण आधारभूत संरचना और आवास क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'पिंक ऑटो' जैसे नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत महिलाओं को स्वामित्व वाले पिंक ऑटो प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और विपणन अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है।

गति शक्ति विश्वविद्यालय को समुद्री और नौवहन क्षेत्र से जोड़ा जाएगा : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी
गांधीनगर। गुजरात के वडोदरा में रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) को समुद्री और नौवहन क्षेत्र से भी जोड़ा जाएगा, जिससे संपूर्ण परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में देश के विकास में जीएसवी का योगदान और मजबूत होगा। समोराह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअली शामिल हुए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव गति शक्ति विश्वविद्यालय, वडोदरा के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण में बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी बड़े विजन के साथ वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। केंद्रीय मंत्री

वैष्णव ने कहा कि विश्वविद्यालय लॉजिस्टिक्स, परिवहन और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों में छात्रों को तैयार कर रहा है, जिससे उन्हें भविष्य में काफी लाभ होगा। गति शक्ति विश्वविद्यालय ने मात्र ढाई साल की छोटी सी अवधि में एयरबस, एल्सटॉम, एलएंडटी, सीमेंस जैसी विश्व प्रसिद्ध संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित किया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय को विश्व आर्थिक मंच ने भी सम्मानित किया है और यह देश भर में एक आदर्श बन गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने 91 फीसद छात्रों को आंतरिक क्षेत्र में नियुक्त करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, जीएसवी नवाचार-संचालित और उद्योग-संचालित की दृष्टि के तहत मांग-संचालित पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाकर वरिष्ठ मानव संसाधन और अनुसंधान का विकास करके देश के विकास में योगदान दे रहा है। गति शक्ति विश्वविद्यालय ने संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र बनने के उद्देश्य से अग्रणी वैश्विक संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी की है। इसका उद्देश्य उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम, अनुभवात्मक शिक्षा, ज्ञान-साझाकरण और इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को रोजगार के लिए प्रशिक्षित करना है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने अपने 91 फीसद छात्रों को आंतरिक क्षेत्र में नियुक्त किया है।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 30.40 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

एजेंसी
देवघर। सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। सुबह 04:09 से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया है। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान है और सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 30 लाख 40 हजार 839 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया है। जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण कर रहे हैं।सावन की तीसरी सोमवारी को एक बार दुबारा ड्रोन शो का आयोजन शिवलोक परिसर से होगा। साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम 08 बजे के बाद आकाश में देखने को मिलेगा। इसके अलावा जहां एक ओर लेजर लाइट शो और लाइट एंड साउंड शो जैसी गतिविधियों का आयोजन होगा।

भोपाल वासियों को बहुत जल्द मिलेगी मेट्रो ट्रेन की सौगात : मोहन यादव

एजेंसी
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार भोपाल वासियों को बहुत जल्द (अक्टूबर 2025 तक) मेट्रो ट्रेन की अनुपम सौगात दे देने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इंदौर में यात्री मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। जनता से इसे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भोपाल मेट्रो ट्रेन के कार्यों का बारीकी से मुआयना करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो ट्रेन का काम भी तेजी से जारी है। कुछ काम शेष रह गया है, जो डेढ़ से दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का टेस्ट

रन चल रहा है। रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा भोपाल मेट्रो निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। शीघ्र ही कमिश्नर, मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) निरीक्षण के लिए आएंगे। कमिश्नर रेल सेफ्टी से अनुमति मिलते ही भोपाल मेट्रो ट्रेन का प्रायोरिटी कॉरीडोर आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इससे पहले भोपाल मेट्रो ट्रेन की सवारी कर इसकी ट्रायल यात्रा (टेस्ट रन) लिया। उन्होंने तीन डिब्बों वाली मेट्रो ट्रेन में सुभाष नगर स्टेशन से एम्स तक और वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लेकर इसमें मौजूद सुविधाओं और खूबियों को जाना। उनके साथ पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, समाजसेवी रविन्द्र यति, राहुल कोठारी, सहित एमपी मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने इंदौर और भोपाल शहर को मेट्रो ट्रेन की सौगात दी है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार भोपाल मेट्रो ट्रेन का शीघ्र लोकार्पण करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने मेट्रो ट्रेन के सफर को आनंददायक बताते हुए कहा कि हम जल्द से जल्द भोपाल के हर नागरिक को इस आनंदमयी यात्रा का उपहार देना चाहते हैं।

रचा इतिहास! 19 साल की दिव्या देशमुख ने जीता चेस वर्ल्ड कप, बनीं पहली भारतीय महिला चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा चेस सनसनी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है! सिर्फ 19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया के बाटुमी में हुए इस प्रतिष्ठित वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हंपी को शिकस्त देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह चेस वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला चेस स्टार बन गई हैं।

यह दिव्या के करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने पिछले साल ही जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। अब इस खिताबी जीत के साथ ही वह भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं।

भारत ने पक्का किया था खिताब

जॉर्जिया के बाटुमी में पिछले करीब 3 हफ्तों से महिला चेस वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा था। दिव्या देशमुख ने पहले फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा, और फिर भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी भी फाइनल में पहुँच गईं। इससे यह तय हो गया था कि जीत चाहे जिसकी भी हो, खिताब भारत के हिस्से में ही आएगा और पहली बार कोई भारतीय महिला चेस वर्ल्ड कप चैंपियन बनेगी। मगर इस बार युवा जोश के आगे अनुभव को शिकस्त मिली।

कांटे की टक्कर और टाईब्रेक में फैसला

दिव्या और कोनेरू के बीच शनिवार, 26 जुलाई को फाइनल में पहली टक्कर हुई थी। इसमें 19 साल की इंटरनेशनल मास्टर दिव्या जीत के करीब नज़र आ रही थीं, मगर आखिरी मौके पर उन्होंने एक गलती की और कोनेरू ने वापसी करते हुए मैच को ड्रॉ करवा दिया। फिर रविवार को दोनों की टक्कर हुई और इस बार भी मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऐसे में चैंपियन का फैसला करने के लिए टाइब्रेक की नौबत आई।

फाइनल के शुरुआती दोनों मैच क्लासिकल फॉर्मेट में खेले गए, लेकिन टाइब्रेक रैपिड फॉर्मेट में खेला जाना था। इस फॉर्मेट में 38 साल की कोनेरू को दिव्या की तुलना में ज्यादा मजबूत खिलाड़ी माना जा रहा था। मगर सोमवार, 28 जुलाई को हुए टाइब्रेक मुकाबले में कहानी एक दम पलट गई। दिव्या ने अपनी दोगुनी उम्र की कोनेरू को उनके ही गेम में फंसाया और गलती के लिए मजबूर कर दिया। आखिरकार दिव्या ने टाइब्रेक में शानदार जीत दर्ज करते हुए

खिताब अपने नाम कर लिया। सिर्फ 19 साल की उम्र में यह खिताब जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह भी एक संयोग ही है कि उन्होंने यह बड़ी उपलब्धि भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर को हराकर ही हासिल की है।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में

जानकारी देते हुए कहा, 'ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा।'

पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

गांगुली एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेले जाने के समर्थन में उतरे

कोलकाता (एजेंसी)। एक ओर जहां पहलगाम आतंकी हमले के बाद क्रिकेट प्रशंसक भारतीय टीम के पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में मैच खेलने का विरोध कर रहे हैं। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि मैच होने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का 14 सितंबर को आामने-सामने होंगे। गांगुली ने कहा कि खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम जैसी घटना नहीं होनी चाहिए थी पर खेल में बाधा नहीं आनी चाहिये। आतंकवाद को रोका जाना चाहिये। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार आतंकवाद रोकने के लिए पूरी

ताकत से प्रयास कर रही है। देश ने ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रुख अपनाया है पर खेलों को रोकना ठीक नहीं हैं।'

वहीं गांगुली के इस बयान की आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से हमारे देश में लोगों की जान जा रही है तक उससे कैसे खेला जा सकता है। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों और लोगों ने सोशल मीडिया पर गांगुली से यह पूछ है कि क्रिकेट मैच को पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सामान्य करने का जरिया किस कारण से माना जाना चाहिए जबकि उसकी ओर से लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं ? वहीं गत दिवस ही पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरउद्दीन ने कहा था कि एशिया कप में पाक के साथ नहीं खेला जाना चाहिये। हाल में भारतीय रिटारर्ड क्रिकेटरों ने भी पाकिस्तान के साथ लंदन में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दिया था।

ऋषभ ने टीम को दिया संदेश, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराबरी पर लायें

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा है कि वे अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करें। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1–2 से पीछे चल रही है। पैर में फ्रैक्चर के कारण ऋषभ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान ऋषभ ने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी जबरदस्त बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया था। वह तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की यॉर्कर पर चोटिल हुए थे। चोट के कारण वह रिटायर हो गये थ पर जरुरत पड़ने पर दोबारा मैदान पर उतरे। अंतिम दिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच बराबरी पर ला दिया। कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों और केएल राहुल की जुझारू 90 रनों की पारी की बदौलत मेजबान इंग्लैंड को ड्रॉ के लिए मजबूर कर दिया। मैच के बाद ऋषभ ने एक वीडियो में कहा, यह मेरी तरफ से बस एक छोटा–सा भाव था। व्यक्तिगत लक्ष्य के बारे में सोचने के बजाय, टीम को जीत दिलाने या आगे बढ़ाने के लिए, जो कुछ भी करना पड़े करना चाहिये। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से सभी ने मेरा समर्थन किया, वह वाकई शानदार था। टीम पर दबाव था, हालात कठिन थे, लेकिन जब पूरा देश एक ही उद्देश्य के लिए आपके साथ खड़ा हो जाता है, तो वह अहसास कुछ अलग ही होता है। इस भावना को शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं कितना गर्व महसूस करता हूं। मैं अपनी टीम को बस यही संदेश देना चाहता हूं कि दोस्तों, चलो इस सीरीज को जीतते हैं। चलो, हमें देश के लिए ऐसा करना है। वहीं इस बल्लेबाज की सराहना करते हुए हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, जो ऋषभ ने टीम के लिए किया है, वही जज्बा मौजूदा टेस्ट टीम का आधार होगा।

इंडिया चैम्पियंस हार के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर हुई

लंदन। यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया। इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है। वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये। इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये। मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए। वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये। हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए। चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए। दूसरी ओर पवन नेगी ने 4 ओवर में 62 और विनय कुमार ने 4 ओवर में 54 रन दिये। इसके बाद जीत के लिए मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया चैम्पियंस 8 विकेट पर 200 रन ही बना पाये।

पहले की अपेक्षा आज के दौर में बल्लेबाजी आसान हुई : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का कहना है कि आज के दौर में बड़े स्कोर बनाना पहले से काफी आसान हो गया है। इसलिए भी खिलाड़ी आसानी से नये रिकार्ड बना रहे हैं। पीटरसन के अनुसार ये सब इसलिए हो रहा है कयोंकि आज टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली टीमों के पास पहले जैसे घातक गेंदबाज नहीं हैं। इससे मुकाबले बल्लेबाजों की ओर झुक गये हैं। पीटरसन के इस बयान से एक नई बहस शुरु हो सकती है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की

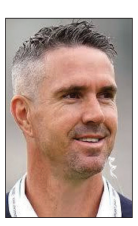

सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद पीटरसन का ये बयान आया है। अब तक दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग थे। इसी को लेकर पीटरसन ने सोशल मीडिया में कहा, 'मेरी बात पर नाराज न हों पर ये सही है कि आजकल बल्लेबाजी करना 20 से 25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। पहले के दौर में खौफनाक गेंदबाजों के कारण बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना कठिन था। पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी–20 मैच खेले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए। पीटरसन ने अपने जमाने के कई गेंदबाजों के नाम लिए और पूछा है कि आज इनके स्तर का कोई भी गेंदबाज किसी भी टीम के पास है क्या ? साथ ही कहा कि अगर है तो वे केवल 10 गेंदबाजों के नाम बताएं जिनकी तुलना पहले के गेंदबाजों से की जा सकते। उन्होंने कहा, 'वकार यूनुस, शोएब अख्तर, वसीम अकरम, सकलेन मुश्ताक, अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह, डोनाल्ड, शॉन पोलाक, मैक मैक्ग्रा, बैट ली, शेन वार्न, डेनियल विटोरी व कर्टली एंबोस जैसे गेंदबाजों को सामना करना बेहद कठिन होता था।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज : पोंटिंग

मैनचेस्टर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरुआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा।

पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

पोंटिंग ने भारतीय प्रबंधन से अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जैसे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स

और कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और ओली पोप प्रमुख उदाहरण हैं। अपनी असंगतियों और अक्सर खराब फॉर्म के बावजूद वे सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के रूप में टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप उन पर भरोसा करते हैं और उनका समर्थन करते रहेंगे, तो वे किसी न किसी मोड़ पर आपके लिए बड़ी, मैच विजेता पारियां जरूर खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों पर खेलने के लिए तैयार रहें इंग्लैंड के बल्लेबाज : स्मिथ

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज आजकल घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर उन्हें आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में हालात बिलकुल अलग होंगे। स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज अभी सपाट पिचों पर बड़े स्कोर बनाकर खुश हो रहे हैं पर ये उनके लिए अच्छा नहीं होगा। साथ ही कहा कि बल्लेबाजों को अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया में ऐसी पिचें नहीं मिलेंगी। स्मिथ ने कहा, पिछले तीन–चार साल के दौरान देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए विकेट काफी कठिन रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी पर यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। एशेज की तैयारी कर रहे स्मिथ इंग्लैंड–भारत सीरीज पर भी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत और इंग्लैंड की सीरीज देख रहा हूं और वहां शानदार क्रिकेट खेला गया है, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है। स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर अंकुश लगाते हुए दर्शकों का मनोरंजन करने की जगह पर अब मैच जीतने पर ज़्यादा ध्यान देना शुरु कर दिया है। इस क्रिकेटर ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने हालातों के हिसाब से खेलना शुरू कर दिया है जबकि पहले वे आक्रामक खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते थे। वे अब मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जो शायद उनकी पिछली टिप्पणियों से अलग है। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेल रही है पर स्मिथ, जो आगामी हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर की कप्तानी करेंगे अभी इंग्लैंड में ही हैं। हालांकि उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक टी20 प्रारूप में खेलते रहेंगे जिससे कि ओलंपिक में भागीदारी कर सकें। स्मिथ ने कहा, मैंने एकदिवसीय क्रिकेट खेलना बंद करने का फैसला किया जिससे मैं और अधिक फ्रेंचाइजी के लिए खेल सकूं और ओलंपिक टीम में जगह बना सकूं।

गंभीर, बोले इंग्लैंड के खिलाड़ी शतक के करीब होने तो भी ड्रॉ की पेशकश करते यही करते स्टोक्स?

मैनचेस्ट । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच के अंतिम दिन भारतीय बल्लेबाजों रवींद्रे जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को ड्रॉ का प्रस्ताव देने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की आलोचना की है। गंभीर ने कहा कि अगर मेजबान टीम का कोई बल्लेबाज शतक के करीब होता तो क्या स्टोक्स मैच समय से पहले समाप्त करने (ड्रॉ) के लिए तैयार होते। स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को आउट करने में असफल रहने पर मैच ड्रॉ कराने का प्रस्ताव रखा। इसे भारतीय बल्लेबाज ने ठुकरा दिया जिससे मामले में विवाद हो गया। गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने करारा जवाब दिया। स्टोक्स ने मैच को ड्रॉ करने का प्रस्ताव दिया उस समय 15 ओवर शेष थे। रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर अपने शतक के करीब थे और इसी कारण भारत ने ड्रॉ की पेशकश ठुकरा दी। जडेजा और सुंदर दोनों ने शतक बनाए। गंभीर ने ड्रॉ न लेने के फैसले का पूरी तरह समर्थन करते हुए कहा कि क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के शतक के करीब होने पर भी समय से पहले ड्रॉ का फैसला लेता। गंभीर ने कहा, 卐अगर कोई 90 पर बल्लेबाजी कर रहा है और दूसरा 85 पर हो तो क्या वे अपने शतक के अधिकारी नहीं हैं? क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के इसके करीब होने पर मैदान छोड़ देता? नहीं हमारे खिलाड़ियों ने विपरीत हालात में बल्लेबाज कर ये शतक लगाये हैं।

'उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है', शुभमन गिल की कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को गौतम गंभीर की दो टूक

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद कप्तान शुभमन गिल का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने उन आलोचकों को आड़े हाथों लिया है, जो गिल की कप्तानी और मानसिक ताकत पर सवाल उठा रहे थे। गंभीर का कहना है कि गिल में अपार प्रतिभा है और वो लगातार खुद को साबित कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल का शानदार शतक

मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। कप्तान शुभमन गिल ने जबरदस्त शतक लगाया, जिसने भारत को मैच ड्रॉ कराने की दिशा में मजबूत कर दिया। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने भी शतक जड़ते हुए टीम को संकट से निकाला।

आलोचकों को गंभीर का जवाब

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने कहा, 'शुभमन गिल की प्रतिभा पर कोई शक नहीं होना चाहिए। जो लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन जो लोग खेल को समझते हैं, वो पहले से जानते हैं कि गिल क्या कर सकते हैं।' गंभीर ने आगे कहा कि अगर गिल शतक नहीं भी बनाते, तो टीम उनके साथ खड़ी रहती। 'शुभमन को ड्रेसिंग रूम में हर किसी का समर्थन है। वो एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और कप्तानी का बोझ लेकर नहीं खेलते। जब वो क्रीज पर उतरते हैं, तो सिर्फ बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, कप्तान की नहीं।'

क्यों हुई गिल की आलोचना?

दरअसल, इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रनों की बड़ी बढ़त ली थी। इस दौरान गिल के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए। उन्होंने अनुभवी मोहम्मद सिराज की जगह डेब्यू कर रहे अंशुल कम्बोज को नई गेंद सौंपी। साथ ही वॉशिंगटन सुंदर को काफी देर बाद गेंदबाजी पर लगाया, जब तक इंग्लैंड के टॉप बल्लेबाज रन बना चुके थे।

रिकॉर्ड पर बनाया गिल ने इतिहास

शुभमन गिल इस सीरीज में अब तक तीन शतक लगा चुके हैं। वह इंग्लैंड की सरज़मीं पर एक टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उनका यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ कप्तान ही नहीं, बल्कि शानदार बल्लेबाज भी हैं।

सीरीज में भारत अब भी पीछे

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद इंग्लैंड अब भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 31 जुलाई से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। अगर भारत यह टेस्ट जीतता है, तो सीरीज 2-2 से बराबर होगी, वरना इंग्लैंड सीरीज जीत जाएगा।

स्टोक्स ने की थी जडेजा से मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर । यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया। इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही। इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरुआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फैर दिया। ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया। जिससे मेजबान टीम और भी झल्ला गयी।

धनुष के साथ अगली फिल्म में काम करेंगे मारी सेल्वराज, कर्णन में हिट रही थी जोड़ी

साउथ के सुपरस्टार धनुष कई अपकमिंग फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में साउथ के निर्देशक मारी सेल्वराज ने जानकारी दी है कि वह अपनी अगली फिल्म में अभिनेता धनुष के साथ फिर से काम करेंगे। दोनों ने आखिरी बार 2021 की फिल्म कर्णन में साथ काम किया था। यह फिल्म कामयाब रही थी। समीक्षकों ने भी इसकी काफी तारीफ की थी।

धनुष के साथ काम करेंगे निर्देशक मारी सेल्वराज

एक समारोह में फिल्म निर्माता मारी सेल्वराज ने कहा अगली फिल्म में मैं धनुष सर के साथ काम करूंगा। हमने यह फिल्म तब साइन की थी जब मैं धनुष सर के साथ कर्णन पर काम कर रहा था। जिस फिल्म के लिए हमने उस समय साइन किया था, वह कई कारणों से टल रही थी। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। मैं एक साधारण कहानी को बड़े पैमाने पर बताना चाहता था। यह फिल्म वही प्रोजेक्ट है। मुझे लगता है कि यह फिल्म बहुत अहम होगी। इस फिल्म पर काम शुरू हो गया है और चल रहा है। मुझे यकीन है कि यह फिल्म मेरी जिंदगी में एक मील का पत्थर साबित होगी।

फिल्म को लेकर लग रहीं अटकलें

हालांकि इस अनाम फिल्म के बारे में और जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन निर्देशक के बयान से लगता है कि इसमें भावनात्मक गहराई और दूसरी चीजें भी होंगी। हाल ही में हुए ऐलान ने फिल्म के सहायक कलाकारों और रिलीज की समय-सीमा को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। हालांकि इनमें से किसी भी चीज का खुलासा नहीं किया गया है।

धनुष का वर्कफ्रंट

अगर धनुष की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म कुबेर में नजर आए थे। फिल्म काफी कामयब रही। इसमें नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सरभ भी अहम भूमिकाओं में थे। धनुष जल्द ही फिल्म इडली कढ़ाई में दिखाई देंगे। फिल्म में नित्या मेनन, अरुण विजय, शालिनी पांडे, प्रकाश राज और राजकिरण होंगे। धनुष ने हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी की है, जिसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और इसमें उनके साथ कृति सेनन हैं।

धड़क 2 की कहानी सोचने पर मजबूर कर देगी

गैर फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली तृप्ति डिमरी एनिमल की सफलता के बाद अब एक और बड़ी फिल्म धड़क 2 में लीड रोल निभा रही हैं। यह फिल्म जातिगत भेदभाव के बीच प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें तृप्ति के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। पेश हैं तृप्ति से खास बातचीत...

मुंबई आने का फैसला करियर का एक अहम मोड़ था... मुंबई आना मेरे करियर का सबसे अहम मोड़ था। उस वक्त दो ही रास्ते थे। एक तो जोखिम उठाकर यहां आऊं या दूसरा कि सब कुछ छोड़ दूं। रिश्तेदारों को शक था कि बिना किसी कनेक्शन के मैं कैसे आगे बढ़ पाऊंगी। माता पिता भी डरे हुए थे। काफी बहस और तनाव के बाद मैं निकली थी। आज जब पीछे देखती हूं, तो गर्व होता है कि मैंने वो कठिन लेकिन सही फैसला लिया। उस वक्त रोना आता था, पर आज मैं बहुत खुश हूं।

कैमरे के सामने एक्टिंग करना बड़ी बात थी... इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना आसान नहीं था। शुरुआत में न फील्ड की समझ थी, न यकीन कि कर पाऊंगी या नहीं। जब पहली फिल्म मिली, तो मुझे अपना काम खास नहीं लगा, लेकिन लोगों ने सराहा। असली उपलब्धि यह थी कि मैं हमेशा अंतर्मुखी रही हूं और कैमरे के सामने एक्टिंग करना मेरे लिए बड़ी बात थी। धीरे-धीरे मैंने एक्टिंग और खुद को समझा। आज स्क्रिप्ट मिलते ही थोड़ा डर जरूर लगता है लेकिन अब भरोसा होता है कि मैं हर तरह का किरदार निभा लूंगी।

शूटिंग में क्लास बंक करके मुझे देखने आते थे लड़के

रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल की सफलता के बाद ऐसा कोई वीआईपी ट्रीटमेंट तो नहीं मिला है लेकिन मैंने यह देखा है कि जब कोई फिल्म आत्मविश्वास के साथ रिलीज होती है, तो उसके बाद जब आप कोई अगली फिल्म करते हैं, तो उसकी शूटिंग के दौरान कुछ नया ही देखने को मिलता है। जैसे हम धड़क 2 के लिए एक नेशनल कॉलेज में कॉलेज में शूट कर रहे थे, वह बहुत सारे लड़के थे। सिद्धांत ने मुझे बताया करता था कि पूरा कॉलेज ही दीवाना सा हो गया है। क्लासेस बंक हो रही हैं, लड़के क्लास में नहीं रहते हैं। सब मुझे देखने आते हैं।

धड़क 2 जैसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं...

करण जौहर सर का फोन आया था और उन्होंने शाजिया इकबाल का नाम लिया। फिर जब मैं पहली बार धड़क 2 को लेकर शाजिया इकबाल से मिली, तो कहानी सुनते ही उससे एक जुड़ाव महसूस हुआ। मुझे लगा कि यह वही कहानी है जिसे हर हाल में करना चाहिए। यह सोचने पर मजबूर करती है और ऐसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं। उस दिन से अब तक मैं शुक्रगुजार हूं कि इसका हिस्सा बन पाई।

मेरी पिछली फिल्में भी सराही गईं...

परफॉर्मेंस को लेकर आत्मविश्वास तो मुझमें काफी पहले से आ गया था, किस्मत से जब मेरा काम लोगों को पसंद आने लगा था। जब ऐसा कुछ होता है, तो आप बहुत आभारी महसूस करते हैं क्योंकि आप चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग आपकी फिल्में देखें, आपका काम देखें और एनिमल की वजह से भी ऐसा हुआ। एनिमल रिलीज होने के बाद यह हुआ कि लोगों ने मेरा पिछला काम भी देखा। जिनमें बुलबुल, कला, लैला मजनू जैसी फिल्में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यह एनिमल से मिला सबसे बड़ा उपहार था। बाकी कभी मौका मिला तो मैं कभी अलविदा न कहना की रीमेक करना चाहूंगी। वह मेरे दिल के बहुत करीब है। वैसे तो करण सर की हर फिल्म बेहद अलग होती है। वह कुछ सवालों के जवाब ढूंढ रही होती है। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहूंगी।

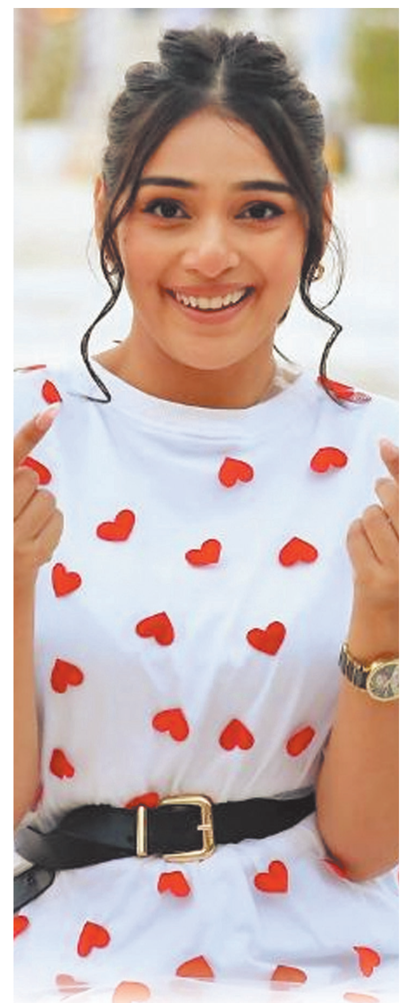

लंदन में परेशान हुईं आरजे महवश, शेयर किया बुरा अनुभव

आरजे महवश इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी निजी जिंदगी। दरअसल, महवश का नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से जोड़ा जा रहा है। दोनों के कथित डेटिंग की खबरें काफी वक्त से आ रही हैं। यहां तक कि इस वक्त दोनों साथ में लंदन में हैं, इसका संकेत भी महवश ने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया। महवश लंदन से लगातार अपनी स्टाइलिश फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं। मगर, लंदन ट्रिप के दौरान उन्हें कुछ खराब अनुभव भी हुए हैं और अनुभव भी ऐसे हैं कि महवश ने लंदन जाने तक से तौबा कर ली है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि लंदन में जाम और भीड़ से वे तंग आ गई हैं। ऊपर से वहां चोरी की घटनाएं भी होती हैं।

काम न हो तो कभी न आऊं इस जगह

महवश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें लंदन की सडकों पर जाम देखा जा सकता है। इसके साथ आरजे महवश ने लिखा है, ये लंदन है भाई। ट्रैफिक जाम, भीड़, चोरी तो इतनी के कोई घड़ी, बैग, कंगन, नहीं पहन रहा और आज कल चाकू भी मार जा रहे हैं चोरी के साथ-साथ। काम ना हो तो मैं इस जगह कभी वापस ना आऊं!

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं। देखना दिलचस्प होगा कि ऐसी अफवाहों पर दोनों कब चुप्पी तोड़ते हैं। बता दें कि चहल ने साल 2020 में धनश्री वर्मा से शादी की। 2025 में दोनों का तलाक हो गया है।

रश्मिका ने डियर डायरी परफ्यूम लॉन्च को बताया प्यार और जादू का संगम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपना परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी लॉन्च कर दिया है। जिसको लेकर उन्होंने बताया, कि वह इसको लंबे समय से लॉन्च करने के बारे में सोच रही थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह लंबे समय से अपना परफ्यूम ब्रांड लॉन्च करना चाहती थी, क्योंकि परफ्यूम हमेशा- से ही उनके दिल के करीब रहा है। इसी को लेकर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने परफ्यूम को लिए नजर आ रही हैं। पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, सच कहूं तो इसे लॉन्च करने का विचार मेरे मन में काफी लंबे समय से था। परफ्यूम हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। छोटी-छोटी यादें ताजा करने वाली ये बोतलें, जिसे हम साथ लेकर चलते हैं, यह हमारे जीवन में कई निशान छोड़ जाते हैं। अपने परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी को मार्केट में लाने के पीछे पूरी कहानी बताते हुए रश्मिका ने लिखा, एक छोटी सी सोच से लेकर ढेरों मीटिंग्स, कई मूडबोर्ड और बहुत सारे खूशबूदार परफ्यूम की टेस्टिंग, लंबी बातचीत तक, इसकी हर छोटी-छोटी बातें मायने रखती, हर कदम खास है। रश्मिका ने बताया कि इतनी मेहनत के बाद, उन्हें तीन परफ्यूम मिले, जिनके बारे में उन्हें लगा कि ये परफ्यूम उन्हें ब्रांड में रखना चाहिए। जिसकी खूशबू लोगों को पसंद आएगी। अभिनेत्री ने इससे पहले अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने लिखा कि परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है।

एक्शन-ड्रामा से भरपूर नई वेब सीरीज के लिए शिवांगी वर्मा उत्साहित

तेरा इश्क मेरा फितूर, छोटी सरदारनी और बैडएस रविकुमार जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकीं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा जल्द ही नई वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसका हिस्सा बनकर वह बेहद उत्साहित हैं। यह सीरीज हंगामा प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और इसमें एक्शन, ड्रामा, प्यार और कई ट्विस्ट्स हैं। शिवांगी ने कहा, मैं इस नई सीरीज का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा किरदार बहुत ही मजेदार, मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, वरना कहानी का राज खुल जाएगा। यह सीरीज एक्शन, ड्रामा, प्यार और सरप्राइज से भरपूर है। आप देखकर हैरान होंगे कि एक लड़की मुश्किल हालात में क्या-क्या कर सकती है।

उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए खास है। शिवांगी ने बताया, मैं हमेशा से वेब सीरीज की फैन रही हूं। यह एक्टिंग का ऐसा माध्यम है, जो भावनाओं और किरदार के विकास को गहराई से दिखाने का मौका देता है। जब मुझे इस कहानी के बारे में बताया गया, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। यह किरदार वैसा ही है, जैसा मैं निभाना चाहती थी - मजेदार और सरप्राइज से भरा। शिवांगी ने को-एक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा कि शानदार टीम के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया, जब आपके साथ टैलेंटेड और अनुभवी कलाकार हों, तो स्क्रीन पर केमिस्ट्री साफ दिखती है। यह पूरी सीरीज को खास बना देता है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बताने से इनकार किया, हालांकि थोड़ा हिंट देते हुए कहा, मेरा लुक ग्लैमरस और आकर्षक है। यह सीरीज एक मसाला जॉनर है, जिसमें हर तरह का मनोरंजन है।

अपनी डेब्यू फिल्म से रातोंरात स्टार बने ये चेहरे, फिल्म इंडस्ट्री से नहीं है परिवार का नाता

बॉलीवुड में ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों का दिल जीत लिया और रातोंरात स्टार बन गईं। खास बात यह है कि इन सितारों का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक नाता नहीं रहा है। अपनी मेहनत, टैलेंट और किस्मत के दम पर इन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई।

अनीत पड्डा- सैयारा

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सैयारा दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। इस फिल्म को मोहित सूरी ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा ने अहम भूमिका निभाई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है। अनीत ने फिल्म सैयारा से बतौर लीड एक्ट्रेस कदम रखा है। हालांकि अनीत पहले काजोल की फिल्म सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं। अनीत का फिल्म इंडस्ट्री से कोई सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने अपने दम पर इस मुकाम को हासिल किया। उनकी खूबसूरती और नैचुरल एक्टिंग ने उन्हें तुरंत फैंस का चहेता बना दिया।

कृति सेनन-हीरोपंति

कृति सेनन ने फिल्म हीरोपंति से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में वह टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आईं। इन दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कृति का परिवार फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती, डांस और एक्टिंग स्किल्स ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। हीरोपंति की सफलता के बाद कृति ने कई हिट फिल्में दीं, जिसमें बरेली की बर्फी, लुका छुपी, और मिमी शामिल हैं। आज कृति की गिनती बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में होती है।

दीपिका पादुकोण-ओम शांति ओम

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में एंट्री की। इस फिल्म में उनकी मासूमियत और खूबसूरती ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। दीपिका का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक कनेक्शन नहीं रहा है। दीपिका ने अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। ओम शांति ओम की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद दीपिका ने पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, और पीकू जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। आज वह न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

दिशा पाटनी-एम एस धोनी

दिशा पाटनी ने 2016 में फिल्म एम एस धोनी - द अनटोल्ड स्टोरी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस बायोपिक फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई। दिशा का परिवार भी फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रजेंस ने उन्हें तुरंत फैंस का फेवरेट बना दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद दिशा ने बागी 2, भारत, और मलंग जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी फिटनेस, डांस और स्टाइल ने उन्हें युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय बनाया।

आज जिस तेजी से दुनिया की जनसंख्या बढ़ रही है, उस हिसाब से इस दवा उद्योग का भी विस्तार हो रहा है. इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर हमेशा ही मौजूद हैं. दुनिया की विशाल आबादी के बीच औषधि का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है. औषधि उद्योग, जिसे फार्मा इंडस्ट्री के नाम से भी जाना जाता है, का विस्तार उदारीकरण के बाद रिसर्च एंड डेवलपमेंट से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, क्लीनिकल ट्रायल, जेनेटिक ड्रग तक हो चुका है.

रोजगार के द्वार खोलती फार्मा इंडस्ट्री

फार्मा में बढ़ रही है मांग

दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग और मैनेजमेंट सभी फार्मास्यूटिकल के अहम हिस्से हैं. इसमें भारत की भागीदारी अहम है. ज्यादातर कंपनियों को यहां अपने उद्योग को बढ़ाने और फलने-फूलने का मौका मिलता है. एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में आज तकरीबन पांच लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है. आए दिन इस क्षेत्र की जिस तरह से तरक्की हो रही है, उसमें फार्मा विशेषज्ञ और इससे जुड़े लोगों की मांग और बढ़ेगी.

इन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही देशभर में कुशल या दक्ष फार्मासिस्ट तैयार करने के लिए जगह- जगह फाम्रेसी के कॉलेज खोले जा रहे हैं. पहले से भी सरकारी स्तर पर जिला और राज्य स्तर पर फार्मेसी कॉलेज चल रहे हैं. उनमें डिग्री, डिप्लोमा से लेकर रिसर्च का काम हो रहा है. कार्य क्षेत्र सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जहां सीधे डीलर या कस्टमर से संपर्क करना होता है, वहीं दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर भी अहम कड़ी होता है. दवाओं के बारे में डॉक्टरों को संतुष्ट करना जरूरी है, तभी वे इसे मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं. कौन सी दवाएं किस रोग के इलाज में असरदार होंगी, इसका ज्ञान औषधि विशेषज्ञ के पास ही होता है. उसे रिसर्च करके आए दिन नई-नई दवाएं और ड्रग्स भी विकसित करने पड़ते हैं. इसलिए फार्मा मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने के लिए दवाओं की बिक्री के साथ-साथ उसमें इस्तेमाल होने वाले पदार्थ व तकनीक के ज्ञान की भी अपेक्षा होती है.

इस तरह के हुनर से लैस लोगों को दवा के निर्माण, मार्केटिंग से लेकर वितरण तक अपनी भूमिका निभानी पड़ती है. फार्मासिस्ट को अस्पतालों में, डिस्पेंसरी और मेडिकल स्टोर में इस काम के लिए विशेष रूप से रखा जाता है. इसके अलावा बाजार में जगह बनाने के लिए बतौर मेडिकल रिप्रजेंटेटिव और मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में आगे आना पड़ता है.

मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की करें पढ़ाई

दाखिले की प्रक्रिया इस क्षेत्र में आने के लिए 10वीं से ही खुद को दिमागी तौर पर तैयार रखना पड़ता है क्योंकि इसमें 12वीं के अंकों के आधार पर उन्हीं छात्रों को दाखिला दिया जाता है जिन्होंने मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की पढ़ाई की है.

छात्रों को न्यूनतम पचास फीसद अंक के साथ बारहवीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, जूलॉजी आदि विषय पढ़ा होना चाहिए. कोर्स की पढ़ाई के लिए मेडिकल साइंस और बायोलॉजी में रुचि और उसकी समझ होना जरूरी है. इसके अलावा इनोवेटिव आइडिया की भूमिका अहम है. अनुसंधान यानी जांच-पड़ताल की समझ होना जरूरी है. वेतनमान बीफार्मा की डिग्री धारकों को आमतौर पर बाजार में 25 से 30 हजार की नौकरी मिल जाती है. इसमें जो छात्र डिप्लोमा करते हैं उन्हें मेडिकल सेंटर या केमिस्ट शॉप पर सेल्स व मार्केटिंग के काम में शुरुआती स्तर पर 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं. रिसर्च स्तर के छात्रों को 30 से 40 हजार प्रतिमाह पैकेज दिया जाता है. सस्ती व प्रभावी दवाएं चिकित्सा जगत में हाथों-हाथ ली जाती हैं. पुरानी दवाओं में भी समय रहते सुधार कर सकते हैं. काफी मेहनत के बाद पहचान मिलती है. दवाओं और ड्रग्स का निर्माण या विकास भी इस क्षेत्र में काफी हुनर की अपेक्षा रखता है.

विभिन्न कोर्स

डिप्लोमा इन फाम्रेसी बैचलर इन फाम्रेसी बीबीए फार्मा मैनेजमेंट एमबीए इन फार्मा मैनेजमेंट मास्टर इन फाम्रेसी पीएचडी इन फार्मेसी क्या है. सिलेबस फाम्रेसी से जुड़ा डिप्लोमा कोर्स दो साल का है. इसमें छात्रों को फाम्रेसी से जुड़ी आधारभूत चीजें बताई जाती हैं. बीफार्मा चार साल का बैचलर डिग्री कोर्स है. इसमें चार साल के अंदर औषध विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया जाता है. बीफार्मा के बाद पीजी लेवल पर एमफार्मा में स्पेशलाइजेशन का दौर शुरू हो जाता है. इसमें छात्रों को फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, हॉस्पिटल फाम्रेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, क्लिनिकल रिसर्च, क्वालिटी सुधार प्रोग्राम, फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट और हर्बल ड्रग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष रूप से दक्ष बनाया जाता है. पीएचडी में दवाओं और ड्रग्स को लेकर अनुसंधान का काम करना होता है.

संभावनाएं

फाम्रेसी का कोर्स करने के बाद रिसर्च एंड डे वलपमेंट में नौकरी पा सकते हैं. साथ ही फार्मास्यूटिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में सेल्स व मार्केटिंग का काम कर सकते हैं. जनसंख्या के अनुपात में बीमारियों की बढ़ोतरी से फार्मा इंडस्ट्री का विस्तार हो रहा है. आज निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और क्लीनिक देश के कोने-कोने में खोले जा रहे हैं. सरकारी अस्पताल का भी विस्तार हो रहा है. ऐसे में इन क्षेत्रों में फार्मा स्पेशलिस्ट की मांग काफी है. मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट के रूप में छात्रों को रखा जाता है. भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्र्टड फार्मास्यूटिकल कंपनियां हैं. इनमें से करीब 300 ऑर्गनाइज्ड सेक्टर में हैं. अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में करीब पांच लाख लोगों को नौकरी मिली हुई है. मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट्स एग्जीक्यूटिव, बिजनेस अधिकारी व एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्शन केमिस्ट, क्वालिटी कंट्रोल और इंश्योरेंस एग्जीक्यूटिव जैसे पद पर निजी कंपनियों में काम करने का मौका मिलता है. एमफार्मा करने के बाद साइंटिस्ट और रिसर्च ऑफिसर जैसे पद पा सकते हैं. फार्मेसी कॉलेज में अध्यापन का काम भी कर सकते हैं. रिसर्च और दवा निर्माता कंपनियों में प्रोडक्शन के काम से जुड सकते हैं.

अवसरों के द्वार खोलने को तैयार नैनो टेक्नोलॉजी

नैनो टेक्नोलॉजी को भविष्य की तकनीक भी कहा जाता है. 21वीं सदी में साइंस के कदम जिस ओर सबसे अधिक बढेंगे, उनमें नैनो साइंस एक है. इस क्षेत्र में करियर और काम करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए ही देश के कई कॉलेज और संस्थान अपने यहां नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स चलाने लगे हैं. कहीं यह सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में है तो कहीं डिप्लोमा या डिग्री के रूप में. इस कोर्स को कराने का मकसद छात्रों को नैनोमैटीरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी के प्रायोगिक और सैद्धांतिक पहलू से रू-ब-रू कराना होता है. इस क्षेत्र में रिसर्च की संभावनाओं को बढ़ावा देना है. दिल्ली विश्वविद्यालय में इन संभावनाओं को देखते हुए ही नैनो साइंस टेक्नोलॉजी में एमटेक का तीन वर्षीय कोर्स पांच साल पहले शुरू किया गया था.

कोर्स में क्या है

कोर्स में छात्रों को पहले पहल नैनो स्केल साइंस और तकनीक से परिचय कराया जाता है. प्राचीन भारत में भारतीय मेडिसिन में इसका रोल क्या रहा है और उसके नैनो टेक्नोलॉजी में साइंस का फंडामेंटल क्या है, इसकी जानकारी दी जाती है. इसके तहत इलेक्ट्रांस, आयंस, एटम्स, मैटीरियल सहित फोटोंस आदि के साथ इंटरएक्शन दिखाया जाता. इसमें मैटीरियल साइंस की पढ़ाई भी कराई जाती है. यहां नैनो मैटीरियल के उद्योगों में नैनो मैटीरियल्स के प्रयोग के बारे में बताया जाता है. कोर्स में थियरी पेपर और लैबोरेटरी वर्क और प्रोजेक्ट वर्क का काम भी कराया जाता है. छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क किसी उद्योग, रिसर्च संस्थान और प्रयोगशाला में करना होता है. उसके कार्य का विशेषज्ञ मूल्यांकन करते हैं.

नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

देश-विदेश में एटमोस्फेयर, एयरोस्पेस टेली कम्यु निकेशन, सौर ऊर्जा, कंप्यूटिंग, मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल चल रहा है.

इस क्षेत्र में काम करने वालों ने नैनो की मदद से ऐसा फैब्रिक बनाया है, जिसके बने कपड़े पर किसी रसायन या जैविक हमले का असर नहीं होगा. इसको आग और पानी से नुकसान नहीं पहुंचेगा. इन रिसर्चरों ने ऐसी तकनीक भी बनाई है जिससे पर्यावरण में आने वाले बदलाव को समझा जा सके. इस क्षेत्र में बायो नैनो टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसे कण बनाए गये हैं जो शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों में दवा पहुंचाने का काम करेगी.

दाखिले की प्रक्रिया

दिल्ली विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन का काम 28 जून तक चलेगा. कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया दो तरह से आयोजित की जाती है. पहला आईआईटी में रसायन और भौतिकी में एमएससी में दाखिले के लिए आयोजित जैम यानी संयुक्त प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण छात्र यहां आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा, इस कोर्स में उन छात्रों को भी दाखिले का मौका दिया जाता है जो दिल्ली विश्वविद्यालय की एमएससी प्रवेश परीक्षा में अव्वल आते हैं. इनके लिए भी कुछ सीटें आरक्षित हैं. कुल 15 सीटें हैं. आवेदन के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होता है. इसके बाद छात्रों की लिस्ट लगाई जाती है. इस कोर्स में अन्य संस्थान भी आमतौर पर दाखिला उन्हीं छात्रों को देते हैं जिनका बैकग्राउंड साइंस का हैं तथा जिन्होंने 12वीं में भौतिकी, रसायन, गणित और जीव विज्ञान पढ़ा है और ग्रेजुएशन भी साइंस से किया है. इससे जुड़े कोर्स में दाखिला कहीं एप्टीट्यूट टेस्ट पर तो कहीं मेरिट के आधार पर होता है. आईआईटी में इसकी पढ़ाई हो रही है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूर, इं द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और एमिटी यूनिवर्सिटी जैसे कई नामचीन संस्थान भी इससे जुड़े कोर्स चला रहे हैं.

करियर की संभावनाएं

इस कोर्स को करने वालों के लिए आज विभिन्न सेक्टरों में ढेरों अवसर सामने हैं. वे चाहें तो नैनो-मेडिसिन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं. स्टेम सेल डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल्स कंपनी, नैनो-टॉक्सिकोलॉजी आदि कई ऐसे क्षेत्र है जहां काम करने का मौका मिलेगा. सीएसआई यानी काउंसिल ऑफ साइं टिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने देशभर में 38 लैबारेटरी बनायी हैं जहां इस क्षेत्र में अनुसंधान और डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम किया जा सकता है. विशेषज्ञों के मुताबिक, छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के भी कई अवसर हैं. भारत सरकार ने साइंस में इसका रोल समझते हुए विज्ञान और तकनीक विभाग में एक अलग शाखा के रूप में नैनो टेक्नोलॉजी को स्वीकृति दी है. अभी इस साइंस के विशेषज्ञ बहुत कम हैं इसलिए नौकरी आसानी से मिल जाती है.

फिजियोथैरेपी से संवारें अपना भविष्य

फिजियोथैरेपी चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी के सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. आज हाईटेक लाइफस्टाइल के कारण ज्यादातर लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों की समस्याएं ज्यादा होती हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में इलाज की मांग भी तेजी से बढ़ रही है. फलस्वरूप रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. फिजियोथैरेपी, चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसके सहयोग से निष्क्रिय पड़ी मांसपेशियों को क्रियाशील बनायी जाती है. फलस्वरूप, रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में दवाइयों का सेवन लगभग न के बराबर होता है, अत- इसका साइड इफेक्ट नहीं होता है. चूंकि यह प्रक्रिया एक्सरसाइज और मशीनरी के सहयोग से पूरी की जाती है, अत- इसका लाभ भी ज्यादा होता है. इस तकनीक के विशेषज्ञ को फिजियोथैरेपिस्ट कहते हैं. फिजियोथैरेपी के सहयोग से शरीर की क्रियान्वयन क्षमता बढ़ती है. इसका प्रयोग ज्यादातर शारीरिक रूप से कमजोर लोगों, स्पोर्ट्सपर्सन, हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों और न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स के इलाज में इसका प्रयोग किया जाता है. प्रमुख शिक्षण संस्थान- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकली हैंडीकैप्ड, नई दिल्ली निजाम इंस्टीट्यू ट ऑफ मेडिकल साइंस, हैदराबाद.

पाठ्यक्रम – इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के स्तर की पढ़ाई होती है. इसके अलावा, इसमें पीएचडी भी होती है. बैचलर स्तर के कोर्स को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी बीपीटी कहते हैं जबकि पीजी स्तर पर मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी एमपीटी का कोर्स किया जाता है. इसके अलावा, कुछ शिक्षण संस्थान डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं. सामान्यत- स्नातक स्तर का कोर्स साढ़े चार साल का होता है जिसमें अंतिम छह महीने इंटर्नशिप के होते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स दो साल का होता है. इसके अंतर्गत, न्यू रो लॉजिकल, फिजियोथैरे पी, स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी, पेडियाट्रिक फिजियोथैरेपी आदि में विशेषज्ञता हासिल की जाती है. इसके अलावा, ऑनलाइन कोर्स भी इस क्षेत्र में उपलब्ध है. इन पाठ्यक्रमों के तहत, मूवमेंट साइंस, आर्थोपेड्रिक्स, न्यूरोलॉजिकल साइंस आदि के बारे में अध्ययन कराया जाता है.

योग्यता – इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए बारहवीं में बायोलॉजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री में उत्तीर्ण होना जरूरी है. नौकरियां इसमें सरकारी और निजी दोनों सेक्टरों में रोजगार के अवसर हैं. अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्पोर्ट्स एकेडमी, फिटनेस सेंटर में नौकरी की तलाश की जा सकती है. साथ ही, स्वयं का फिजियोथैरेपी सेंटर भी खोला जा सकता है. शिक्षण संस्थान में बतौर प्राध्यापक भी काम कर सकते हैं. व्यक्तिगत गुर इसमें लोगों की समस्याओं को समझने का हुनर होना जरूरी है. धैर्य होने की काफी जरूरत है क्योंकि इस सेक्टर में इलाज के लिए वही आता है जो अपनी बीमारी से आजिज हो चुका होता है. इसमें धैर्य की भी काफी जरूरत होती है. एक्सरसाइज कराने का सही तरीका आना जरूरी है ताकि इलाज में आसानी रहे.

आमदनी – इस सेक्टर में अनुभव के आधार पर लाख रुपये तक मासिक आमदनी की जा सकती है. वैसे तो बतौर, ट्रेनी फिजियो के तौर पर बारह से पंद्रह हजार की सेलरी मिल सकती है. इसके अलावा, स्वयं के निजी सेंटर से सिटिंग के आधार पर दो सौ से पांच सौ रुपये प्रतिघंटे कमाया जा सकता है. प्राध्यापक के तौर पर पचास हजार से एक लाख रुपये तक की मासिक आमदनी संभव है.